राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 310
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 22 मई 2022
मूल्य : 1.50/-

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा 'राजीव क्रांति' भारत जोड़ो अभियान का तालकटोरा स्टेडियम में हुआ आगाज

पेज 5 बदायूं : मंदिर के बरामदे में फंदे पर लटके मिले प्रेमी-प्रेमिका के शव, इलाके में सनसनी

पेज 7 मॉस्को की जासूसी कर रहा बीजिंग, चीन ने की रूसी रक्षा डेटा चुराने की कोशिश

प्री-मानसून का असर : बिहार समेत 3 राज्यों में 57 की मौत

असम में 7 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित; 21-24 मई तक बारिश की चेतावनी

गुवाहाटी/बेंगलुरु/पटना। मानसून से पहले कुछ राज्यों में आंधी और बारिश तबाही बनकर आई है। अकेले बिहार, असम और कर्नाटक तीन ऐसे राज्य हैं, जहां बिजली गिरने और बाढ़ की चपेट में आने से करीब 57 लोगों की जान चली गई है। मौसम विभाग ने 21 से 24 मई तक कई राज्यों में बारिश होने की संभावना जताई है। वहीं, 23 मई को भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

असम में तो हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। यहां ब्रह्मपुत्र और उसके साथ बहने वाली नदियों में बाढ़ ने इस कदर तबाही मचा रखी है कि सैकड़ों गांव जल समाधि ले चुके हैं। वहीं 7 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। फसलें भी चौपट हो गई हैं।

असम में 500 से ज्यादा लोग रेलवे ट्रैक पर रहने को मजबूर हैं। यहां अब तक 15 लोगों की जान चली गई है। सबसे ज्यादा 33 मौतें बिहार में बिजली गिरने से हुई हैं। वहीं कर्नाटक में भी 9 लोगों की मौत की खबर है। वहीं खराब मौसम की वजह से दिल्ली की 10 फ्लाइट्स अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड करानी पड़ी।??

असम : 29 जिलों के 7.12 लाख लोग बेघर

असम राज्य आपदा प्रबंधन के मुताबिक, राज्य के 29 जिलों में करीब 7.12 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। जमुनामुख जिले के दो गांवों के 500 से ज्यादा परिवारों ने रेलवे ट्रैक पर अपना अस्थायी आशियाना बना रखा है। अकेले नागांव जिले में 3.36 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं, जबकि कछार जिले में 1.66 लाख, होजई में 1.11 लाख और दरांग जिले में 52709 लोग प्रभावित हुए हैं।

बिहार : 16 जिलों में 33 की मौत

बिहार में शुक्रवार को आंधी तूफान और बिजली गिरने से 16 जिलों में कम से कम 33 लोगों की मौत हो गई। सीएम नीतीश कुमार ने घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 4 लाख रुपए की मदद देने का ऐलान किया। राज्य मौसम विभाग का कहना है कि शनिवार और रविवार को कुछ हिस्सों में आंधी तूफान के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इसकी वजह है कि यहां प्री-मानसून गतिविधियां अब सक्रिय हो गई हैं।

कर्नाटक : 9 की मौत, स्कूल-कॉलेज बंद

कर्नाटक में प्री-मानसून की दस्तक से हालात बदतर हैं। जलभराव से हुए हादसों के कारण नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। एहतियातन सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया है। राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की चार टीमें तैनात की गई हैं।

बारिश के कारण 23 घर क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिली है। राजस्व मंत्री आर. अशोक ने बताया कि चिकमंगलूर, दक्षिण कन्नड़, उडुपी, शिवमोग्गा, दावणगेरे, हसन और उत्तर कन्नड़ जिले में मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी कर दिया है।

महंगाई से मिली थोड़ी राहत

पेट्रोल 9.50 रुपए और डीजल 7 रुपए लीटर सस्ता हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर 8 रुपए और डीजल पर 6 रुपए प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी घटाने का फैसला किया है। इससे पेट्रोल 9.50 रुपए और डीजल 7 रुपए प्रति लीटर सस्ता होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसकी जानकारी दी है। नए रेट आज रात 12 बजे से लागू होंगे।

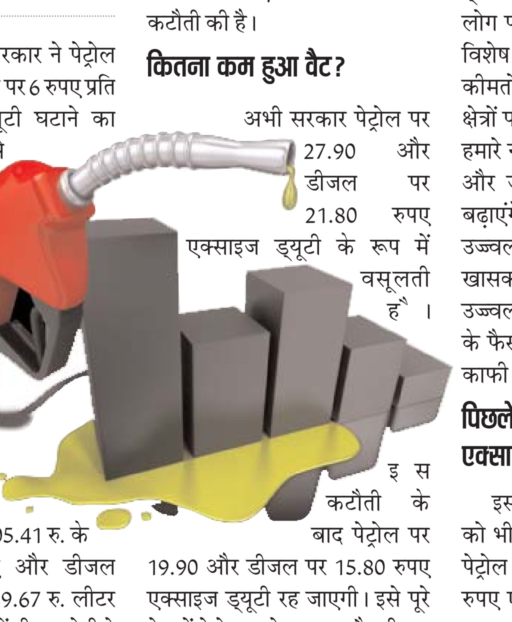

इस राहत के बाद अब दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रु. के बजाय 95.91 रुपए और डीजल 96.67 रु. की जगह 89.67 रु. लीटर हो जाएगा। पिछले दिनों पीएम मोदी ने लोगों को महंगाई से राहत दिलाने के लिए राज्यों को एक्साइज ड्यूटी कम करने की सलाह दी थी। वहीं, वित्त मंत्री के ऐलान के बाद केरल सरकार ने भी पेट्रोल पर 2.41 रुपए और डीजल पर 1.36 रुपए के स्टेट टैक्स की कटौती की है।

कितना कम हुआ वैट?

अभी सरकार पेट्रोल पर 27.90 और डीजल पर 21.80 रुपए एक्साइज ड्यूटी के रूप में वसूलती है। इस कटौती के बाद पेट्रोल पर 19.90 और डीजल पर 15.80 रुपए एक्साइज ड्यूटी रह जाएगी। इसे पूरे देश में पेट्रोल साढ़े 9 रुपए और डीजल 7 रुपए लीटर तक सस्ता हो जाएगा।

पीएम मोदी का ट्वीट- हमारे लिए हमेशा लोग पहले

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फैसले पर ट्वीट कर कहा- हमारे लिए हमेशा ही लोग पहले होते हैं! आज के फैसले, विशेष रूप से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में उल्लेखनीय कमी से विभिन्न क्षेत्रों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेंगे। ये हमारे नागरिकों को राहत प्रदान करेंगे और जीवन की सुगमता को आगे बढ़ाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि उज्ज्वला योजना ने करोड़ों भारतीयों, खासकर महिलाओं की मदद की है। उज्ज्वला योजना के लिए सब्सिडी देने के फैसले से लाभार्थियों के बजट में काफी आसानी होगी।

पिछले साल भी घटाई थी एक्साइज ड्यूटी

इससे पहले पिछले साल 3 नवंबर को भी पेट्रोल और डीजल सरकार ने पेट्रोल पर 5 रुपए और डीजल पर 10 रुपए एक्साइज ड्यूटी कम की थी। सरकारी सूत्रों के अनुसार, तब विपक्ष शासित राज्यों ने वैट नहीं घटाया। महाराष्ट्र, प बंगाल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल और झारखंड ने वैट से 11,945 करोड़ रुपए कमाए।

पेट्रोल-डीजल पर टैक्स का गणित

	पेट्रोल/लीटर (रु.)	डीजल/लीटर (रु.)
बेस प्राइस	56.35	57.94
भाड़ा	0.20	0.22
एक्साइज ड्यूटी	27.90	21.80
डीलर कमीशन	3.85	2.69
वैट	17.13	14.12
कुल कीमत	105.41	96.67

वित्त मंत्री ने किए ये भी ऐलान

- पीएम उज्ज्वला योजना वाले सिलेंडर पर इस साल 200 रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। एक परिवार को साल में 12 सिलेंडर मिलेंगे। इसका फायदा 9 करोड़ परिवारों को मिलेगा।
- प्लास्टिक प्रोडक्ट्स के कच्चे माल पर भी एक्साइज ड्यूटी कम की जा रही है। जहां आयात पर हमारी निर्भरता अधिक है।
- कुछ स्टील प्रोडक्ट्स के कच्चे माल पर भी इंपोर्ट ड्यूटी कम की जाएगी। वहीं कुछ स्टील प्रोडक्ट्स पर एक्सपोर्ट ड्यूटी ली जाएगी।
- सीमेंट की उपलब्धता बढ़ाने के उपाय भी किए जा रहे हैं। बेहतर लॉजिस्टिक्स से सीमेंट के दाम भी कम किए जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर टनल हादसा

रामबन में मलबे से सभी 10 मजदूरों के शव निकाले गए

श्रीनगर/जम्मू। जम्मू-कश्मीर टनल हादसे में शनिवार शाम मलबे में दबे सभी 10 मजदूरों के शव निकाल लिए गए। गुरुवार रात 11 बजे रामबन जिले के खूनी नाले के पास बन रही टनल का एक हिस्सा धंस गया था। मलबे में 12 मजदूर फंस गए थे। हालांकि, उस दौरान दो घायलों को निकाल लिया गया था। इनमें पश्चिम बंगाल से 5, असम से 1, नेपाल से 2 और 2 स्थानीय मजदूर थे।

इसके बाद शुक्रवार शाम को रेस्क्यू के दौरान 1 मजदूर का शव निकाला गया था। 20 मई को ही शाम करीब साढ़े 5 बजे रेस्क्यू के दौरान तेज आंधी और एक बार फिर से लैंड स्लाइड हुआ और निर्माणाधीन टनल का हिस्सा 24 घंटे में दूसरी बार धंस गया। हालांकि, इस बार

कोई मजदूर या कर्मचारी तो नहीं फंसा, लेकिन रेस्क्यू में लगीं मशीनें दब गईं। शनिवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे दोबारा रेस्क्यू शुरू किया गया। शाम तक मलबे में दबे सभी 10 मजदूरों के शव निकाल लिए गए।

रामबन जिले और रामसू के बीच नेशनल हाईवे पर गुरुवार रात निर्माणाधीन टनल का हिस्सा ढह गया। हादसे में 12 मजदूर मलबे में फंस गए। इनमें से दो को बाहर निकाल लिया गया। शुक्रवार रात को रेस्क्यू ऑपरेशन के बीच टनल के बाहर फिर से लैंडस्लाइड हो गया। जिसके बाद रेस्क्यू रोक दिया गया था।

बचाव कार्य हुआ बाधित

रामबन के डिप्टी कमिश्नर मसर्रतुल इस्लाम के मुताबिक, फिर से हुए लैंडस्लाइड और तेज आंधी की वजह से बचाव कार्य में बाधा आई है। भूस्खलन के कारण गिरी पहाड़ी के मलबे में दो मशीनें दब गई हैं। इससे बचाव कार्य और बाधित हुआ है।

खूनी नाले पर हुआ हादसा

टनल धंसने का हादसा गुरुवार रात करीब 11 बजे रामबन जिले के मेकरकोट इलाके में जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे के पास खूनी नाले पर हुआ।

जानकारी के मुताबिक, टनल के ढहने के तुरंत बाद पुलिस और सेना ने एक संयुक्त बचाव अभियान शुरू कर दिया था। इस हादसे में सुरंग के सामने खड़े वाहनों बुलडोजर, ट्रकों सहित कई मशीनों को भी नुकसान पहुंचा है।

मलबे में दबे मजदूर

मलबे में दबे मजदूरों में 5 पश्चिम बंगाल, दो नेपाल, एक असम और दो जम्मू-कश्मीर के निवासी थे। इनमें जादव रॉय (23), गौतम रॉय (22), सुधीर रॉय (31), दीपक रॉय (33), परिमल रॉय (38) निवासी पश्चिम बंगाल, नवाज चौधरी (26), कुशी राम (25) निवासी, शिव चौहान (26) निवासी असम, मुजफ्फर (38), इसरत (30) निवासी जम्मू-कश्मीर शामिल हैं।

वहीं, रेस्क्यू किए गए मजदूरों में विष्णु गोला (33) निवासी झारखंड और अमीन (26) निवासी जम्मू-कश्मीर शामिल हैं।

असम में थाना फूंका : हिरासत में लिए व्यक्ति की मौत से गुस्साए लोग, थाने में तोड़फोड़ कर आग लगाई

एजेंसी

नागांव। असम के नागांव के बटाडरावा में गुस्साई भीड़ ने शनिवार को एक पुलिस थाने में आग लगा दी। दरअसल पुलिस ने इलाके के एक मछली कारोबारी को हिरासत में लिया था। उससे 10 हजार रुपए की रिश्वत और बदक की मांग की थी। बाद में उसकी मौत हो गई।

परिवार ने कहा कि हम केवल बदक दे सकते थे। इस पर पुलिस ने हिरासत में उस व्यक्ति को प्रताड़ित किया। जिससे उसकी मौत हो गई। मारे गए व्यक्ति का नाम सफीकुल इस्लाम बताया गया है।

परिवार ने लगाया पुलिस पर हत्या का आरोप

परिवार ने पुलिस पर हत्या करने

का आरोप लगाया और कहा कि पुलिस ने उसे शुक्रवार को बिना किसी कारण के हिरासत में लिया था। शनिवार को परिवार उसकी हालत देखने गया तो बताया गया कि उसकी तबीयत खराब हो जाने के कारण उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल जाने पर उसकी मौत की जानकारी दी गई।

परिजन हुए उग्र

इस पर परिजन और आसपास वाले लोग गुस्सा हो गए। उन्होंने पुलिस पर दुर्व्यवहार करने का आरोप भी लगाया। बाद में पुलिस थाने जाकर तोड़फोड़ की और थाने में आग लगा दी। वहां मौजूद थाने का स्टाफ जान बचाकर भाग गया।

गुजरात में 6 लोग जिंदा जले

केमिकल भरे ट्रक और कार के बीच भिड़ंत से लगी भीषण आग, कार में सवार सभी की जलकर मौत

एजेंसी

मोडासा। गुजरात में मोडासा जिले के आलमपुर गांव के पास आज सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां दो ट्रक और एक कार के बीच एक्सीडेंट हो गया, जिससे तीनों वाहनों में आग लग गई। घटना में तीनों वाहनों के अंदर 6 लोग फंसे रह गए और जिंदा जल गए। वाहनों में लगी आग को काफी देर तक बुझाया नहीं जा सका था। अब तक की सूचना के अनुसार एक ट्रक का क्लीनर, दूसरे ट्रक का ड्रायवर व क्लीनर व कार में सवार तीन लोगों की मौत हुई है। वहीं कार ड्रावइर कूदकर अपनी जान बचा ली है।

एक ट्रक में भरा था कैमिकल

मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि दो ट्रकों की आमने-सामने से टक्कर हुई और इनकी चपेट में एक कार भी आ गई। एक ट्रक में कैमिकल भरा था, जिसके चलते तीनों वाहनों में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी थी।

एक ट्रक के ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

मौके पर मौजूद आरटीओ के एक कर्मचारी ने बताया कि एक ट्रक से ड्राइवर ने छलांग लगा दी थी। इससे उसकी जान बच गई। हालांकि, कूदने के चक्कर में उसके पैर जख्मी हो गए। जबकि उसके ट्रक का क्लीनर ट्रक से बाहर नहीं आ सका और मौत के मुंह में समा गया। वहीं, दूसरे ट्रक में दो लाशें हैं, जो ड्राइवर व क्लीनर की हो सकती हैं।

हाईवे पर लगा लंबा जाम

इस भयानक हादसे की वजह से मोडासा-नडियाद हाईवे बंद कर दिया गया है। हाईवे पर दोनों ओर से करीब 10 किमी लंबा ट्रैफिक जाम लग गया है। मौके पर पुलिस और दमकल विभाग की टीमें हालात पर काबू पाने की कोशिशों में जुटी हैं।

अलीगढ़ में अवैध रूप से पशुओं का हो रहा था वध, जमीन पर मिले मांस के टुकड़े, 37 अरेस्ट

अलीगढ़। अलीगढ़ के जवां में पुलिस ने कट्टी घर पर बड़ी कार्रवाई की है। अवैध रूप से पशुओं का वध करने में शामिल 37 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें अवैध रूप से पशुओं का वध किए जाने की शिकायत मिल रही थी। जिसके बाद पुलिस और प्रशासन की टीम ने जवां थाना क्षेत्र के छेरत स्थित पशु वधशाला में छापा मारा।

पुलिस ने बताया कि प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम ने हिंद एग्रो इंडस्ट्रीज कट्टीघर पर अवैध रूप से किए जा रहे पशुओं के वध के दौरान छापामारी की। इस दौरान बिना पोस्टमार्टम किये हुए पशु वधशाला में क्रूरता के साथ जमीन पर लिटाकर हाथों से काटे जा रहे थे।

45 भैंस व भैंसा के कटे हुए कारकस मिले। इसके साथ ही पशुओं का मीट जमीन पर फैला हुआ था, जबकि वहां नियुक्त चिकित्सक भी मौजूद नहीं था और बिना चिकित्साधिकारी के ही पशुओं का वध किया जा रहा था।

देश में कोरोना संक्रमण से 25 लोगों की मौत, 2323 नए मामलों की पुष्टि

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 2323 नये मामलों की पुष्टि हुई है। साथ ही इस महामारी से 25 और लोगों की जान जाने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर पांच लाख 24 हजार 348 तक पहुंच गयी है। देश में कोरोना संक्रमण के 2,323 नये मामले सामने आने के साथ संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर चार करोड़ 31 लाख 34 हजार 145 तक पहुंच गई है। इस दौरान सक्रिय मामलों में 48 की कमी आई है, जिसके साथ ही अब इनकी संख्या 14,996 रह गई है। इस बीच, देश में जारी कोविड टीकाकरण अभियान में अब तक 192.12 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं। देश में पिछले 24 घंटे में 15,32,383 टीके लगाए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 2,346 लोगों के कोविड से मुक्त होने के साथ ही इससे निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर चार करोड़ 25 लाख 94 हजार 801 हो गयी है।

बदल गया मौसम

मथुरा-जालौन में ओले गिरे; कानपुर समेत 7 जिलों में बारिश

यूपी में अचानक बिगड़ा मौसम: अमरोहा में बिजली गिरने से 3 की मौत

एजेंसी

कानपुर/अमरोहा। यूपी में शनिवार शाम को मौसम बदल गया। अमरोहा में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई। 7 लोग बुरी तरह झुलस गए। उनकी हालत नाजुक है। मथुरा-जालौन में ओले गिरे। जबकि कानपुर, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, अमरोहा में बारिश हुई। कानपुर में 34.4 किमी की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगले एक से दो दिन तक यूपी में आंधी चलने की संभावना है। कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी हो सकती है। तापमान 39 से 42 डिग्री तक रहेगा।

अमरोहा में पेड़ काटते वक्त बिजली गिरी

अमरोहा के हाजीपुर तरारा में पेड़ काट रहे 10 मजदूरों पर बिजली गिर गई। इसमें 3 की मौके पर मौत हो गई। जबकि 7 लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

उनको नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त रिफाकत, प्रेमचंद और राजेंद्र के तौर पर हुई है।

मेरठ में 15 से 20 मिनट हुई बारिश

मेरठ में दिन में दोपहर तक तेज धूप खिली रही। 3 बजे के बाद मौसम बदला। शाम 7:30 बजे 15 से 20 मिनट तक बारिश हुई। उधर, कानपुर में शाम को अच्छी बारिश हुई। प्रयागराज में भी देर शाम को आंधी आई। शाम को कुछ जगहों पर हल्की बारिश हुई। मौसम में हुए इस बदलाव से लोगों को गर्मी से राहत मिली।

मथुरा-जालौन में गिरे ओले, फसलों को नुकसान

जालौन और मथुरा में शाम को ओले गिरे। दोनों जगहों पर पहले आंधी आई। फिर बारिश के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में हल्के ओले गिरे। ओले की साइज मटर के दाने के बराबर बताई जा रही है।

ओले गिरने से फसलों को काफी नुकसान होने की खबर है। राजस्व कर्मियों की टीम आपदा में हुए नुकसान का आकलन कर रही है।

शार्ट न्यूज

आय से अधिक संपत्ति मामले में हरियाणा के पूर्व सीएम ओम प्रकाश चौटाला दोषी करार, सजा पर 26 मई को होगी बहस

नई दिल्ली। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और इंडियन नेशनल लोक दल (इनेलो) सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। आय से अधिक संपत्ति मामले में शनिवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने चौटाला को दोषी करार दिया है। अदालत में 26 मई को सजा पर बहस होनी है। बता दें कि, इससे पहले ओम प्रकाश चौटाला, उनके बेटे अजय चौटाला और कई अन्य लोगों को साल 2000 में तीन हजार से ज्यादा जूनियर बेसिक शिक्षकों की गैर कानूनी तरीके से भर्ती करने के मामले में सजा सुनाई गई थी। इस मामले में पूर्व सीएम को 10 साल की जेल की सजा हुई थी। शिक्षक घोटाला मामले में अपनी सजा पूरी करने के बाद चौटाला पिछले साल ही दिल्ली की तिहाड़ जेल से रिहा हुए थे। ताऊ देवीलाल की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे चौटाला हरियाणा की राजनीति में कद्दावर नेता माने जाते हैं।

न्याय की मांग को लेकर कश्मीरी पंडित उतरे सड़कों पर

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिंहा के कश्मीरी पंडितों से संयम बरतने की अपील के एक दिन बाद राहुल भट के लिए न्याय और तत्काल पुनर्वास की मांग को लेकर शनिवार को कश्मीरी पंडितों ने घाटी के कई हिस्सों में प्रदर्शन किया। श्रीनगर में कश्मीरी पंडितों प्रवासी मजदूरों ने राहुल भट को न्याय दिलाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाये भी शामिल थी। प्रदर्शनकारियों ने उपराज्यपाल प्रशासन और बडगाव के उपायुक्त के खिलाफ नारेबाजी कर पुनर्वास की मांग की। प्रदर्शकारी हाथ में तख्तियां लेकर लालचौक पर जमा हुये। उनका कहना था कि हमारी कोई नही सुन रहा और हमारी मांगों पर कोई गौर नहीं कर रहा है इसलिए हमें सड़कों पर उतरना पड़ा। पंडितों का कहना था कि हमें जम्मू में पुनः स्थापित किया जाये हम यहां मरने के लिए थोड़े ही हैं। पंडितों के एक समूह ने कल राहुल की हत्या के दसवे दिन शनिवार को राजबाग स्थित झेलम नदी में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इसके अलावा प्रदर्शकारियों ने अनन्तनाग और बारामूला में भी प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि बडगाम के चादौरा में कश्मीरी युवक राहुल भट की गोलीमार कर हत्या कर दिये जाने के बाद से कश्मीर में मृतक को न्याय दिलाने की मांग को लेकर जगह जगह प्रदर्शन किये जा रहे है। राहुल कश्मीरी पंडितों के लिए सुरक्षित स्थान शेखपोरा बडगाम में रह रहा था। शुक्रवार को उपराज्यपाल ने कश्मीरी पंडितों से संयम बरतने की अपील करते हुये कहा था कि सरकार उनकी सुरक्षा और हितों की रक्षा करेगी।

फारूक व लोन की याद में श्रीनगर बंद

श्रीनगर। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के पुराने शहर में शनिवार को मौलवी मोहम्मद फारूक और अब्दुल गनी लोन की पुण्यतिथि पर आंशिक रूप से बंदी देखी गई। मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व में हुर्रियत कॉन्फ्रेंस ने इन दोनों नेताओं को श्रद्धांजलि देने के लिए कश्मीर में बंद आहूत किया था। श्रीनगर में मौलवी मोहम्मद फारूक की पुण्यतिथि के अवसर पर एक रैली के दौरान वर्ष 2002 में आज ही के दिन अब्दुल गनी लोन को गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। हुर्रियत नेता मीरवाइज उमर फारूक के पिता मौलवी की भी वर्ष 1990 में हत्या कर दी गयी थी। इस दौरान, जामिया मस्जिद, नवहट्टा, गोजवारा, राजौरी कडल, सरफ कडल, महराजगंज सहित पुराने शहर में दुकाने और अन्य वाणिज्यिक गतिविधियाँ बंद रही। सड़क पर यातायात का परिचालन हालांकि, सामान्य रहा। इस बंदी का असर श्रीनगर और कश्मीर घाटी के अन्य हिस्सों में नहीं दिखा। अलगाववादी समूह ने लोगों से पुराने श्रीनगर में ईदगाह जाकर दोनों नेताओं लिए इबादत करने के लिए कहा, जहां दोनों नेताओं को दफनाया गया है। मौके पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि ईदगाह पर बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है, लेकिन लोगों की आवाजाही पर किसी प्रकार की कोई पाबंदी नहीं लगाई गई है।

जम्मू-कश्मीर में रोजगार सत्यापन प्रक्रिया हुई डिजिटल

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सरकारी पदों पर रोजगार सत्यापन प्रक्रिया अब डिजिटल हो गयी है। केंद्र शासित प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के माध्यम से अधिसूचित किया कि एक जून से सभी सरकारी पद पर पहली नियुक्ति पर सत्यापन की प्रक्रिया विशेष रूप से तैयार वेब पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रूप से होगी। अधिकारियों ने कहा,इसका मतलब है कि किसी भी सरकारी पदों पर नये नियुक्त किए गए अधिकारियों की सत्यापन प्रक्रिया अब पूराने तरीके से नहीं होगी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह नयी प्रक्रिया पासपोर्ट आवेदन प्रक्रिया जैसे ही है, इसमें नव नियुक्त उम्मीदवारों को सत्यापन संबंधित जानकारी ऑनलाइन देने को कहा जाएगा। उन्होंने कहा,संबंधित प्राधिकरण उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता सत्यापित करने के बाद उम्र और आरक्षण का सत्यापन करेगी। इसके बाद उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड्स के बारे में पता लगाने के लिए खुफिया पुलिस विभाग के पास संबंधित जानकारी भेजी जाएगी और ये सभी प्रक्रिया डिजिटल तरीके से होगी। उन्होंने कहा कि मैन्यूअल प्रक्रिया से डिजिटल प्रक्रिया हो जाने के बाद अब रोजगार सत्यापन प्रक्रिया काफी जल्दी, समयबद्ध और पारदर्शी हो जाएगी। इस वेब पोर्टल को कश्मीर विश्वविद्यालय के आईटी विभाग ने रिकॉर्ड टाइम में तैयार किया है।

पुडुचेरी : राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की गई

पुडुचेरी। केन्द्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 31 वीं पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि आर्पित की गई। केन्द्रशासित प्रदेश के मुख्यमंत्री एन रंगास्वामी, लोक निर्माण विभाग मंत्री के. लक्ष्मी नारायणन, विधान सभा के उपाध्यक्ष पी राजावेलू, विधायक और वरिष्ठ अधिकारियों ने एलैपिल्लाईचवाद्य स्थित राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जवाहर बाल भवन के शिक्षकों ने इस दौरान पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा के सामने देश भक्ति गीत गाए, जबकि मुख्यमंत्री ने आतंकवाद विरोधी शपथ दिलाई।केंद्रशासित प्रदेश के कांग्रेस पार्टी कार्यालय में राजीव गाधी को उनकी तस्वीर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पूर्व मुख्यमंत्री वी नारायणसामी, पीसीसी अध्यक्ष ए वी सुब्रमण्यम और लोक सभा के सदस्य वी वैथीलिंगम और अन्य ने भी इस अवसर पर एलैपिल्लाइचावाद्य स्थित राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

केलाखेड़ा नगर पंचायत पर सपा, शक्तिगढ़ पर भाजपा का कब्जा

नैनीताल। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जनपद की केलाखेड़ा और शक्तिगढ़ नगर पंचायतों पर क्रमश: समाजवादी पार्टी (सपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कब्जा जमाया है। मतगणना के परिणाम शनिवार को जारी किए गए। दोनों नगर पंचायतों के अध्यक्ष पदों के लिये गुरुवार वोट डाले गये थे। केलाखेड़ा नगर पंचायत के अध्यक्ष पद पर सपा के अकरम खां ने कब्जा जमाया है। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी गुलनाज को 172 मतों से हराया। अकरम को 2265 जबकि गुलनाज को 2083 मत प्राप्त हुए। यहां भाजपा का उम्मीदवार मैदान में नहीं था। निर्दलीय उम्मीदवार मो. शफी को 822 मत मिले हैं। दो निर्दलीय बबली नेहरा और विशेष गुप्ता जमानत भी नहीं बचा पाये। उन्हें क्रमश: 161 और 33 मत प्राप्त हुए। इसी प्रकार शक्तिगढ़ नगर पंचायत के अध्यक्ष पद पर भाजपा के सुनील गुप्ता ने परचम फहराया है। सुनील गुप्ता ने अपने निकटतम निर्दलीय प्रत्याशी सुमित मंडल को मात्र 43 मतों से हराया। सुनील गुप्ता को 1531 जबकि सुमित मंडल को 1488 मत हासिल हुए। निर्दलीय उम्मीदवार रमेश राय को 804 मत मिले। चुनाव अधिकारी अरविंद सिंह नेगी की ओर से जारी परिणाम के अनुसार नोटा को तीन मत मिले जबकि 39 मत रद्द हुए। गौरतलब है कि दोनों नगर पंचायतों के लिये 19 मई को मतदान हुआ था। केलाखेड़ा नगर पंचायत के निवर्तमान अध्यक्ष हामिद अली पर 2018 में नामांकन में तथ्यों का छिपाने का आरोप लगा था और यह मामला अदालत पहुंच गया था।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला

जो भारत में हो रहा, ठीक वैसा ही पाकिस्तान में हुआ था

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लंदन के कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में आइडियाज फॉर इंडिया सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस किसी भी तरह से अन्य विपक्षी दलों से बेहतर नहीं है। कहा, वह कांग्रेस को बिग डैडी के रूप में नहीं देखना चाहते हैं। मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, आवाज के बिना आत्मा का कोई मतलब नहीं है। भारत की आवाज दबा दी गई है। जो इस वक्त भारत में हो रहा है, ठीक वैसे ही पाकिस्तान में भी हुआ था।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यह टिप्पणी हाल ही में उदयपुर में चिंतन शिविर के ठीक बाद आई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अकेले भाजपा से लड़ सकती है क्योंकि क्षेत्रीय दलों की न तो कोई विचारधारा है और न ही केंद्रीकृत दृष्टिकोण। उनके इस बयान से विपक्ष के कई दल नाराज हैं।

पार्टी में अंदरूनी कलह, विद्रोह, दलबदल और चुनावी हार को लेकर राहुल गांधी ने कहा, कांग्रेस भारत को फिर से हासिल करने के लिए लड़ रही है। यह अब एक वैचारिक लड़ाई है – एक राष्ट्रीय वैचारिक लड़ाई। आवाज के बिना आत्मा का कोई मतलब नहीं है। भारत की आवाज दबा दी गई है। जो इस वक्त भारत में हो रहा है, ठीक वैसे ही पाकिस्तान में भी हुआ था।

उन्होंने कहा, हम सिर्फ भाजपा से नहीं लड़ रहे हैं। हम अब भारतीय राज्य के संस्थागत ढांचे से लड़ रहे हैं, जिस पर एक संगठन ने कब्जा कर लिया है।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, हम उनके पास मौजूद फंड की बराबरी नहीं कर पाएंगे। हमें महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर बड़े पैमाने पर जन आंदोलनों के बारे में सोचना होगा।

चीन को लेकर सरकार पर हमला

राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए चीन का पैंगोंग पर दो पुल बनाने को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला। तंज कसते हुए लिखा–

चीन ने पहला पुल बनाया

भारत सरकार : हम स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

चीन ने पैंगोंग पर दूसरा पुल बनाया

भारत सरकार : हम स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान होना चाहिए। एक डरपोक और विनम्र प्रतिक्रिया से काम नहीं चलेगा। पीएम मोदी को देश की रक्षा करनी चाहिए।

बालिका के साथ छेड़छाड़ मामले में आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के आशोका गार्डन थाना क्षेत्र में कथित रूप से एक बालिका के साथ छेड़छाड करने का मामला प्रकाश में आने पर पुलिस ने आरोपी गिरफ्तार कर लिया है। अशोका गार्डन थाना प्रभारी आलोक श्रीवास्तव ने आज बताया कि आशोका गार्डन इलाके की निवासी एक महिला ने कल अपने करीबी रिश्तेदार द्वारा सात वर्षीय बालिका के साथ छेड़छाड़ करने का प्रकरण थाने में दर्ज कराया है। शिकायतकर्ता महिला ने बताया है कि उसने पति के निधन के बाद दूसरी शादी कर ली है। आरोपी कल मासूम बालिका के साथ छेड़छाड कर रहा था। इसका विरोध करने पर आरोपी ने मारपीट की और मौके से भाग गया।

असम, मेघालय के मुख्यमंत्री शाह से जल्द करेंगे मुलाकात

एजेंसी

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड कोंगकल संगमा असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के साथ मिलकर केन्द्रीय मंत्री अमित शाह से जल्द ही मुलाकात करेंगे और बाढ़ तथा आपदा स्थिति पर चर्चा करेंगे।

संगमा ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य की बाढ़ एवं भूस्खलन समेत आपदा स्थिति पर समीक्षा करने के बाद, वह और असम के मुख्यमंत्री दिल्ली जाने से पहले संयुक्त बैठक करेंगे।

बुधवार को, सरमा ने वर्तमान प्राकृतिक आपदा पर संगमा के साथ एक वर्चुअल बैठक की और उनसे राजमार्ग से भूस्खलन के मलबे को साफ करवाने और वहां फंसे लोगों की मदद करने का अनुरोध किया।

संगमा ने कहा, हमने उपायुक्तों और संबंधित विभाग के साथ चर्चा की। यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई कि मार्ग स्पष्ट है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्थिति की समीक्षा के लिए उपायुक्तों और अन्य एजेंसियों के साथ बैठक करेंगे, जिससे राज्य में सुचारु रुप से सभी व्यवस्थाएं की जा सकें।

ज्ञानवापी मस्जिद : शिवलिंग के दावे पर फिर भड़के ओवैसी, कहा- संघी जीनियस, बिना बिजली के भी चलता था फव्वारा

नई दिल्ली। ज्ञानवापी मस्जिद–काशी विश्वनाथ मंदिर को लेकर चल रहे विवाद के बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को कहा कि फव्वारा कम से कम 7वीं शताब्दी से इस्लामी वास्तुकला की एक अनिवार्य विशेषता है। बिजली मुक्त फव्वारे के बारे में विकिपीडिया और न्यूयॉर्क टाइम्स के एक पुराने लेख के लिंक साझा करते हुए, ओवैसी ने कहा कि ऐसे फव्वारे गुरुत्वाकर्षण पर काम करते हैं और प्राचीन रोमन और यूनानियों के पास पहली और छठी शताब्दी ईसा पूर्व के फव्वारे थे। ओवैसी ने ट्वीट किया, संघी जीनियस

पूछ रहे हैं कि बिजली के बिना एक फव्वारा कैसे था? इसे ग्रेविटी कहा जाता है। संभवत: दुनिया का सबसे पुराना कामकाजी फव्वारा 2700 साल पुराना है। प्राचीन रोमन और यूनानियों के पास पहली और छठी शताब्दी ईसा पूर्व के फव्वारे थे। शाहजहां के शालीमार उद्यान में 410 फव्वारे हैं ओवैसी ने लिखा, संघियों को विकिपीडिया लिंक के साथ छोड़ना क्योंकि इससे अधिक कुछ भी उनके लिए बहुत जटिल हो सकता है।

हिंदू पक्ष ने दावा किया है कि वुजुखाना के पास एक शिवलिंग पाया गया था जिसका उपयोग मुस्लिम श्रद्धालु अपनी नमाज से पहले वशीकरण करने के लिए करते हैं। मस्जिद प्रबंधन समिति ने दावा किया कि जिस वस्तु को हिंदू पक्ष शिवलिंग होने का दावा करता है, वह वुजुखाना के पानी के फव्वारे तंत्र का हिस्सा है।

विश्व हिंदू परिषद के प्रमुख आलोक कुमार ने शुक्रवार को दावा किया कि हिंदू पक्ष यह साबित करने में सक्षम होगा कि पाया गया शिवलिंग 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। उन्होंने कहा, हम मानते हैं कि यह शिवलिंग है क्योंकि नंदी इसे देख रहे हैं और स्थान से पता चलता है कि यह मूल ज्योतिर्लिंगों में से एक है।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अगर यह मामला जटिल और संवेदनशील है और 25-30 साल से अधिक का अनुभव रखने वाला एक वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी मामले को संभालता है तो बेहतर है। शीर्ष अदालत ने मामला जिला न्यायाधीश, वाराणसी को स्थानांतरित कर दिया है।

राज्यसभा, एमएलसी चुनाव के लिए उम्मीदवारों का एलान जल्द : बोम्मई

नयी दिल्ली/बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शनिवार को कहा कि राज्यसभा और विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों के लिए उम्मीदवारों की सूची को मंजूरी देने पर फैसला जल्द से जल्द कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रभारी अरुण सिंह द्वारा लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, राज्यसभा और विधान परिषद चुनावों के बारे में चर्चा करने के लिए शुक्रवार रात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ एक निर्धारित बैठक हुई थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका क्योंकि उन्हें किसी अन्य जरूरी

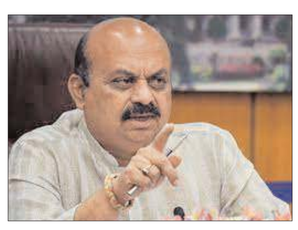

काम में शामिल होना था।

बोम्मई ने पत्रकारों से कहा, मैं कल दिल्ली आया। अमित शाहजी के साथ मेरी बैठक थी, लेकिन उन्हें किसी और जरूरी काम से जाना पड़ा इसलिए कल रात मेरी उनसे फोन पर बात हुई। मैंने उन्हें कर्नाटक में राज्यसभा और विधान परिषद चुनावों के लिए उम्मीदवारों की सूची का विवरण सौंपा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, शाह ने मुझे कर्नाटक भाजपा प्रभारी अरुण सिंह जी से मिलने के लिए कहा है। आज सुबह मैं उनसे मिला और चुनाव को लेकर पर चर्चा की। उन्होंने हमें इस पर जल्द से जल्द फैसला लेने का आश्वासन दिया है।

उल्लेखनीय है कि विधान परिषद की सात सीटों के लिए चुनाव 03 जून को होने हैं और कर्नाटक से राज्यसभा की चार सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव 10 जून को होने वाले हैं।

मोदी ने जो बोला उससे एकदम यूटर्न कर लिया गया

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को इनकी कार्यकारिणी की बैठक में जो बोला है, उससे एकदम यूटर्न कर लिया गया कि हम विकास के मुद्दे पर आगे बढ़ेंगे।

गहलोत ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धाजंलि देने के बाद आज यहां मीडिया से यह बात कही। उन्होंने कहा कि भाजपा की कार्यकारिणी की बैठक का नाम राष्ट्रीय था, वो कार्यकारिणी राजस्थान के लिए थी। क्योंकि ये इतने घबरा गए हैं इसलिए मैंने कहा कि इनके अध्यक्ष बार-बार राजस्थान में आ रहे हैं, जैसे ही हमने उदयपुर कार्यक्रम की घोषणा की और इन्होंने इस कार्यकारिणी बैठक की घोषणा कर दी।

उन्होंने कहा आपको याद होगा पहले इन्होंने कहा कि 50 साल तक हमें कोई नहीं हिला सकता, 50 साल तक राज करेंगे हम लोग, ये कहा था.. 50 साल से अचानक 25 साल पर आ गए। इसीलिए मैंने कल कहा, सीधे 50 साल से 25 पर आए, हो सकता है कि कल पांच साल पर आ जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तो आग लगी है, पहले उसको बुझाओ, हमेशा ये आग लगाते हैं और कांग्रेस के लोग आग बुझाने का काम करते आए हैं आज तक, ये स्थिति है। उन्होंने कहा कि धर्म और जाति तो इतना माहौल बना देती है, अचानक झगड़े हो जाते हैं, कुछ भी हो सकता है ये इतिहास गवाह है।

इससे अलग हटकर हमें प्रेम-भाईचारा-स्नेह की, प्यार-मोहब्बत, अहिंसा की बात करनी पड़ेगी तब जाकर देश एक रहेगा, अखंड रहेगा, मान-सम्मान जो दुनिया में है वो कायम रहेगा, ये मेरा मानना है।

उन्होंने कहा मैं समझता हूं कि धीरे-धीरे लोग समझेंगे, हम खुद अपील करना चाहेंगे जनता से, देश की एकता के लिए, अखंडता के लिए, देश के विकास के लिए, जो पार्टी नीतियां रखती है, कार्यक्रम रखती है, सिद्धांत बनाए हुए हैं, उन पर चलो, देशहित में ये है।

मोदी 21 जून को मैसूर में आईडीवाई कार्यक्रम में लेंगे भाग

एजेंसी

मैसूर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल कर्नाटक के मैसूर शहर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

मैसूर के उपायुक्त बगदी गौतम ने शनिवार को यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि हर साल 21 जून को आईडीवाई के तौर पर मनाया जाता है।

आयुष सचिव राजेश कुमार कोटेचा ने कर्नाटक के मुख्य सचिव पी. रवि कुमार को पत्र लिखकर मैसूर में होने वाले आईडीवाई कार्यक्रम में श्री मोदी के शामिल होने की जानकारी दी है। पत्र में राज्य सरकार से कार्यक्रम के आयोजन के लिए सभी जरूरी इंतजाम करने को भी कहा गया है।

आयुष अधिकारियों ने अप्रैल में मैसूर में एक आईडीवाई आयोजित करने के लिए मैसूर पैलेस, दशहरा प्रदर्शनी मैदान और मैसूर रेस कोर्स का निरीक्षण किया था।

स्थानीय सांसद प्रताप सिम्हा ने इस मौके पर श्री मोदी से मैसूर आने की अपील की थी।

सुश्री कविता गर्ग, श्री रामचंद्र और अन्य अधिकारियों ने सुविधाओं, द्वारों की संख्या, बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा पहलुओं का निरीक्षण और समीक्षा की थी।

पंजाब के पूर्व शिक्षा मंत्री तोता सिंह का निधन, सुखबीर और धामी ने जताया शोक

मोगा। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के वरिष्ठ नेता एवं पंजाब के पूर्व मंत्री जत्थेदार तोता सिंह का शनिवार सुबह निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। श्री सिंह के निधन पर शिअद के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल और शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिह धामी सहित कई नेताओं ने गहरा शोक जताया है।

एसजीपीसी के प्रधान एडवोकेट हरजिन्दर सिंह धामी ने शिरोमणी समिति के वरिष्ठ सदस्य, प्रसिद्ध अकाली नेता और पूर्व मंत्री जत्थेदार तोता सिंह के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया और उनके निधन को पंथ के लिए कमी करार दिया। एडवोकेट धामी ने कहा कि श्री सिंह पंथ को

समर्पित नेता थे, उन्होंने अंतिम सांस तक पंथ के लिए समर्पित रहे। ऐसे पंथक और टकासली अकाली नेता का संसार से चल जाना एक ब्रह्माण्ड की तरह माना जायेगा, जिस को भरना मुश्किल है। उन्होने कहा कि श्री सिंह ने शिरोमणी समिति के सदस्य के तौर पर ज़िम्मेदारी के साथ सेवा निभाते हुए हमेशा ही अपनी अनमोल सलाह द्वारा सिख संस्था की बेहतरी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सिख धर्म इतिहास की शताब्दियों के अवसर पर भी प्रशासिनक योजनाएँ बनाने में अग्रणी भूमिका अदा की थी।

शिरोमणी समिति अध्यक्ष ने श्री सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की और कौम की नौजवान नेतृत्व को उनके जीवन और पंथक भावना से प्रेरित होने को आग्रह किया।

इसी दौरान शिरोमणी समिति के उच्च अधिकारियों वरिष्ठ उप प्रधान रघूजीत सिंह विर्क, जूनियर उप प्रधान प्रिंसिपल सुरिन्दर सिंह और महासचिव जत्थेदार करनैल सिंह पंजोली ने भी श्री सिंह के निधन पर दुख प्रकट करते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना जतायी।

उल्लेखनीय है कि श्री सिंह दो बार मोगा, एक बार धर्मकोट विधानसभा से विधायक भी रहे थे। वह पहली बार 1997 में मोगा विधानसभा सीट से चुनाव जीते और बादल सरकार में उन्हें शिक्षा मंत्री के रूप में कैबिनेट का दर्जा मिला था। श्री सिंह के निधन पर अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल सहित कई नेताओं ने शोक प्रकट किया है।

निहाल सिंह वाला के अपने पैतृक गांव दीदारेवाला से मोगा आकर चुनाव लड़ने वाले श्री सिंह ने मोगा की जनता से वादा किया था कि अगर उन्होंने जिताया तो वे मोगा को ही अपना घर बना लेंगे।

सिंह का ये वादा उस समय मोगा के लोगों के दिलों पर असर कर गया, जब वह यहां से चुनाव जीते तो उन्होंने फिरोजपुर रोड पर अपना नया आशियाना बनाकर अपना वादा निभाया।

उत्तराखंड राज्य शूटिंग प्रतियोगिता का हुआ सफल समापन

देहरादून। दिनांक 15 मई 2022 से जसपाल राणा निशानेबाजी सस्थान में चल रही 20 वी उत्तराखंड राज्य निशानेबाजी प्रतियोगिता का आज सफल समापन हुआ। आज प्रतियोगिता में विजय खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया गया। पुरुष्कार वितरण पर राज्य राईफल संघ के अध्यक्ष नारायण सिंह राणा, पूर्व विधायक कुंवर प्रणव प्रताप सिंह चैंपियन,आई टी वी पी के विराज सिंह, गुरदीप कौर, ऋतु सिंह, भगत सिंह तोमर आदि लोगो ने पदक विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया। ट्रेप आई एस एस एफ पुरूष वर्ग में गोल्ड चिराग जैन, सिल्वर सुमित शर्मा, रजत डीपी सिंह, महिला वर्ग में गोल्ड नैना राणा, रजत ऋतु सिंह,डबल ट्रेप पुरुष वर्ग गोल्ड डीपी सिंह, सिलवर चिराग जैन, डबल ट्रेप ह्रक्रवर्ग गोल्ड सुमित शर्मा, रजत अनस सैफी, कांस्य अविनाश सिंह, 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल आई एस एस एफ पुरुष में गोल्ड मेडल रोहित कुमार प्रजापति, सिल्वर अभिनव चौधरी, कांस्य पदक सार्थक कुमार, 10 मीटर पिस्टल आई एस एस एफ पुरुष वर्ग में गोल्ड पंकज कालाकोटी, सिल्वर यशवर्द्धन सिंह पुंडीर, कांस्य सिमरजीत सिंह, 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल आई एस इस एफ जूनियर पुरुष वर्ग में गोल्ड हर्षित धीमान, रजत अंशुमन रोहिला, कांस्य पदक आदित्य जोशी,

50 मीटर पिस्टल आई एस एस एफ पुरुष वर्ग में गोल्ड पंकज कालाकोटी, सिल्वर चरनजीत सिंह नरुला, कांस्य शिवम त्यागी, 10 मीटर पिस्टल आई एस एस एफ यूथ पुरूष वर्ग गोल्ड यशवर्धन सिंह पुंडीर, रजत नवरूप सिंह, कांस्य निखिल जीना, 10 मीटर एयर पिस्टल युथ महिला वर्ग में गोल्ड युविका तोमर, रजत प्राची लोहान, कांस्य पदक पावनि रावत, एयर पिस्टल सुब यूथ पुरुष वर्ग में गोल्ड वैभव अग्रवाल, सिल्वर अभय राज रॉयल, कांस्य कार्तिक किरौला, एयर पिस्टल सब सब जूनियर कैटेगरी मे दिपेश चंद, ओजस् नकवी, हर्षवर्धन चतुर्वेदी ने गोल्ड जीता। पैरा शूटिंग महिला वर्ग मे मनिशा देवरानी ने गोल्ड, कुलमा देवी ने सिल्वर एवं सुप्रिया शर्मा ने कास्य पर जीता वहीं अप पिस्टल पुरुष वर्ग

मे अनिल कवि ने गोल्ड, हर्षित सिंह ने रजत एवं सचिन राणा ने कास्य पदक जीता प्रतियोगिता में प्रतिभाग किये कई निशानेबाज खिलाड़ियों ने आल इंडिया जी वी मावलंकर व नोर्थ जॉन निशानेबाजी प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। पदक वितरण अवसर पर दून शूटिंग स्पोर्ट्स अकादमी के मयंक मारवाह, संजय कुमार, बुल्स आई शूटिंग अकादमी के अरुण सिंह, मिशन शूटिंग अकादमी केअमर सिंह, स्नाइपर शूटिंग अकादमी के अनिल ठाकुर, एकोवल ग्लोबल इंटरनेशनल गर्ल्स स्कूल के शिव लाल डोगरा, अशोक शाही, योगेश शर्मा, रोशन रावत,शारदा थापा, नेहा राणा निधि राणा,सक्षम मलिक, प्रदीप गोदारा, अनुज पोखरियाल, मनीष अग्रवाल, सुमित शर्मा, आदि उपस्थित रहे।

क्वॉड की बैठक में भाग लेने के लिए मोदी 23, 24 मई को जाएंगे जापान

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया एवं भारत के चतुष्कोणीय गठबंधन (क्वॉड) की शिखर बैठक में भाग लेने के लिए 23 एवं 24 मई को जापान की राजधानी टोक्यो जाएंगे।

विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने आज यहां संवाददाताओं को बताया कि जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा के निमंत्रण पर श्री मोदी जापान जा रहे हैं जहां वह क्वॉड की बैठक में शिरकत करने के साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ आर बिडेन, जापान के प्रधानमंत्री श्री किशिदा और ऑस्ट्रेलिया के नये प्रधानमंत्री के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

क्वात्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जापान के बिजनेस लीडरों से मुलाकात करने के साथ ही भारतीय समुदाय के एक स्वागत कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि श्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय

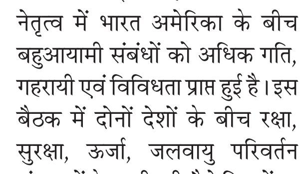

बैठक 24 मई को होगी। बिडेन के नेतृत्व में भारत अमेरिका के बीच बहुआयामी संबंधों को अधिक गति, गहरायी एवं विविधता प्राप्त हुई है। इस बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन संसाधनों के साझीदारी जैसे विषयों पर बातचीत होने की संभावना है।

एक सवाल के जवाब में श्री क्वात्रा ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में चुनाव हुए हैं। क्वॉड शिखर सम्मेलन तक नये ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री का चुनाव हो जाएगा और उम्मीद है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की टोक्यो में ऑस्ट्रेलिया के नये प्रधानमंत्री से भेंट हो। इस बैठक में भारत ऑस्ट्रेलिया समग्र रणनीतिक साझीदारी की समीक्षा होगी और क्षेत्रीय एवं वैश्विक घटनाक्रमों पर विचार विमर्श होगा।

शार्ट न्यूज

मंत्री इमरान हुसैन का जन्मदिन मनाया

नई दिल्ली। गांधी नगर विधानसभा स्थित शास्त्री पार्क वार्ड के अतिसक्रिय सेवक साबिर अली अपने साथियों व कार्यकर्ताओं के साथ आईटीओ स्थित पार्टी कार्यालय में दिल्ली से खाध एवं आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर मंत्री जी के द्वारा कोरोना काल एवं उसके बाद राशन आपूर्ति की बेहतर व्यवस्था के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए साबिर अली ने कहा कि दिल्ली की आम अवाम को आपात काल जैसी स्थिति में भी राशन वितरण सुचारू रूप से करा कर माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के मिशन को साकार करने में सराहनीय भूमिका निभाया जिसके लिए दिल्ली की आम अवाम शुक्रगुजार है। माननीय मंत्री ने साबिर अली सहित उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं का शुक्रिया अदा कर कहा कि एक एक कार्यकर्ता और अवाम के लिए चौबीस घंटे मैं अपनी सेवा देने को तैयार हूं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता के नेतृत्व में कल दिल्ली के 40 से अधिक स्थानों पर भाजपा का विशाल पोल खोल अभियान

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता के नेतृत्व में कल दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर प्रदेश भाजपा के सभी सांसद, विधायक, तीनों निगम के पदाधिकारी, मोर्चा सहित प्रदेश पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा केजरीवाल सरकार के झूठे एवं बेबुनियादी बातों के खिलाफ पोल खोल अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक प्रदेश भाजपा महामंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली के 40 से अधिक स्थानों पर प्रदेश के विभिन्न पदाधिकारियों की उपस्थिति में होने वाले पोल खोल अभियान के अंतर्गत हम लगभग 25 लाख लोगों तक पहुंचेंगे। जिस तरह से केजरीवाल ने हर मुद्दे पर दिल्ली की जनता को ठगने का काम किया है, उससे जनता भलीभांती वाकीफ है। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि कल होने वाले पोल खोल अभियान में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता नवीन शहादरा में, नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी मोलड़बंद दक्षिणी दिल्ली में, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी एंड्रयूज गंज नई दिल्ली में, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन संगम पार्क चांदनी चौक में, सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री मनोज तिवारी तिमारपुर उत्तर पूर्व जिले में, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री विजय गोयल सिविल लाइन चांदनी चौक में, सांसद श्री प्रवेश साहिब सिंह विकासपुरी नजफगढ़ में, सांसद श्री रमेश बिधूड़ी महरौली जिले में, सांसद श्री हंसराज हंस रोहिणी उत्तर पश्चिम में अभियान का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि असम के सह–प्रभारी श्री आशिष सूद, जम्मू–कश्मीर के सह–प्रभारी श्री पवन शर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश उपाध्याय एवं श्री विजेन्द्र गुप्ता, प्रदेश महामंत्री श्री कुलजीत सिंह चहल एवं श्री दिनेश प्रताप सिंह सहित प्रदेश उपाध्यक्ष. तीनों महापौर एवं प्रदेश मंत्री भी विभिन्न स्थानों पर उपस्थित होकर दिल्ली के मुख्यमंत्री फर्जीवाल के खिलाफ अभियान चलाएंगे। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली सरकार पिछले सात सालों में अपने हर वायदों को पूरा करने में फेल साबित हुई है। जनता को हर बार गुमराह कर एक मासूम चेहरा लिए केजरीवाल ने दिल्लीवालों के टैक्स के पैसों को पानी की तरह बर्बाद करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता के हितों में हमेशा से भाजपा आवाज उठाती रही है और एक बार फिर समय आ गया है कि जब केजरीवाल एंड कंपनी को दिल्ली की सच्चाई से परिचित कराया जाए।

भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा 'राजीव क्रांति' भारत जोड़ो अभियान का तालकटोरा स्टेडियम में हुआ आगाज

क्रांति के अग्रदूत स्व0 राजीव गांधी जी आज भी हम युवाओं के हृदय में वास करते हैं: श्रीनिवास बी वी

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने आज भारत रत्न देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर राजीव क्रांति भारत जोड़ो अभियान की शुरुवात की तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में। इस अवसर पर देश भर से युवा कांग्रेस के कार्यकर्त्ता हजारों की संख्या में तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली पहुंचे। पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस ने और भी अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जैसे की रक्त दान शिविर,राजीव गांधी जी के जीवन पर आधारित एक चित्र प्रदर्शनी। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी जी और युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी और एआईसीसी सह सचिव श्री कृष्णा अल्लावारु जी ने रक्त दान किया व उनके साथ साथ अनेकों युवाओं ने इसमें हिस्सा लिया। इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी की सोच एक क्रांतिकारी सोच थी जिसने युवा भारत की नीव रखी। आज हम जिस डिजिटल क्रांति के दौर में हैं उसकी बुनियाद देश में श्री राजीव गांधी जी ने रखी थी। राजीव जी ने ही उम्र सीमा कम करके युवाओं को वोटिंग की ताकत दी। इस कार्यक्रम के माध्यम से हमने भारत को जोड़ने की शुरुआत के तहत एक नई क्रांति का आगाज किया है। उन्होंने यह भी कहा कि आज़ादी की लड़ाई के दौरान बापू ने गांवों की मजबूती का सपना देखा था, उस सपने को पूरा किया– राजीव गांधी जी ने। पंचायती राज के जरिए उन्होंने अधिकार और ताकत गांवों की चौखट पर लाकर रख दिए। देश में जब अस्थिरता का माहौल आया; पंजाब से लेकर असम तक असंतोष पनपा, तो राजीव गांधी जी ने बापू के मार्ग पर चलते हुए शांति समझौतों के जरिए देश को एक रखा। राजीव जी जो कर गए देश के लिए, वो विरले ही कर पाएंगे। एआईसीसी कोषाध्यक्ष श्री पवन कुमार बंसल जी ने कहा कि श्रीलंका हो या मालदीव, राजीव गांधी जी ने शांति और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा कदम उठाए। उनके कदमों ने भारत की सद्भाव और वसुधैव कुटुम्बकम वाली भावना का मान बढ़ाते हुए भारत का सिर ऊंचा किया। एआईसीसी महासचिव श्री अजय माकन जी ने कहा की युवा सपनों को नई उड़ान देने का काम आज़ादी के बाद राजीव गांधी जी ने किया। 18 साल की उम्र में मताधिकार इस देश के युवाओं की निर्णय क्षमता पर वो भरोसा था, जिसके बल पर हिंदुस्तान ने उड़ानें भरी।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी और एआईसीसी सह सचिव श्री कृष्णा अल्लावारु जी ने कहा कि कुछ युगपुरुष ऐसे होते हैं, जो जीवन त्यागकर अमर हो जाते हैं। श्री राजीव गांधी जी उनमें से एक हैं, तमाम खतरों के बारे में जानते हुए भी वो अपने जीवन की परवाह किए बिना देश के लिए लगे रहे। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी के वक्तव्य वर्तमान समय में विकास के असली मायनों को समझा रहे हैं। असली विकास वही है, जिसमें मानवीय मूल्यों को वरीयता दी जाए। राष्ट्र निर्माण में राजीव गांधी जी का योगदान अविस्मरणीय है।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव ने कहा देश भर से युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता आज राजीव क्रांति कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली पहुंचे। इस कार्यक्रम के माध्यम से भारत जोड़ो अभियान की शुरुवात हुई, साथ ही साथ रक्त दान शिविर और श्री राजीव गांधी जी के जीवन पर आधारित एक चित्र प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया श्री राजीव गांधी जी के पुण्यतिथि के अवसर पर।

कार्यक्रम में एआईसीसी के कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता श्री पवन बंसल जी, एआईसीसी महासचिव श्री अजय माकन जी, एआईसीसी राष्ट्रीय प्रभारी श्री भक्त चरण दास जी, श्री अजेय कुमार जी, श्री विवेक बंसल जी, अल्पसंख्यक विभाग के चैयरमैन श्री इमरान प्रतापगढ़ी जी, एआईसीसी राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमती अलका लांबा जी, श्री जयवीर शेरगिल जी, एआईसीसी सचिव श्री सीपी मित्तल जी, श्री रोहित चौधरी जी, श्री धीरज गुर्जर जी, श्री प्रदीप नरवाल जी, श्री प्रणव झा जी, एआईसीसी एसटी/एससी विभाग के चैयरमैन श्री राजेश लिलोठिया जी, एआईसीसी प्रशिक्षण विभाग के प्रभारी श्री सचिन राव जी, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अनिल चौधरी जी, उपाध्यक्ष श्री अभिषेक दत्त जी समेत अनेकों वरिष्ठ कांग्रेस नेतागण और हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर गरीब, बेसहारा, विधवा महिलाओ, बुजुर्गो को वस्त्र साड़ी, सूट आदि वितरित किये

नई दिल्ली। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री, स्वर्गीय श्री राजीव गाँधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आज ब्लॉक कांग्रेस कमिटी सुल्तानपुर माजरा एवं दलित संगठनों महर्षि वाल्मीकि एसोसिएशन, वाल्मीकि जन्मोत्सव, वाल्मीकि वीर सेना, अंबेडकर वीर सेना सहित अनेको संगठनों के प्रतिनिधियों ने पूर्व विधायक, श्री जय किशन जी के साथ मिलकर संजय गाँधी मेमोरियल अस्पताल, भगवन महावीर अस्पताल, अंबेडकर अस्पताल एवं अन्य अस्पतालों में मरीजों को फल व गरीब, बेसहारा, विधवा महिलाओ, बुजुर्गो को वस्त्र साड़ी, सूट आदि वितरित किये।

जय किशन जी ने स्वर्गीय श्री राजीव गाँधी जी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि राजीव गाँधी देश में कंप्यूटर क्रांति लाए 18 वर्ष की उम्र में युवाओं को मतदान का अधिकार दिया, पंचायती राज , 20 सूत्री कार्यक्रम को बढ़ावा दिया मनरेगा जैसी गरीबो के लिए कांग्रेस द्वारा बनाई गई योजनाओं को बढ़ावा देने में अपना भरपूर योगदान दिया। उन्होंने कहा कि आजादी से लेकर आज तक देश के लिए केवल कांग्रेस नेताओ ने ही अपना बलिदान दिया है उनकी कुर्बानी को देश हमेशा याद रखेगा। दूसरे दलों के नेताओ ने देश के लिए कभी कोई योगदान नहीं दिया है। कार्यक्रम में किराड़ी, मंगोलपुरी, सुल्तानपुरी, ज्वालापुरी, मुंडका, बवाना क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने सहयोग दिया और भरी सांख्य में मौजूद रहे जिसमे अशोक कुमार काले , एहशान अली (पप्पू), प्रमोद कुमार पांचाल, चन्दन सिंह, अमित कुमार मिश्रा, सुलेमान राय सिंह , शेर मोहम्मद सैफी, दीपक चुनीलाल, ओम सिंह फौजी, ओम प्रकाश राठौड़, सिकंदर सूरी , साधु राम मित्तल, सुनील राजपूत, बी. एल. शाह , कमलेश भारती , राजेंदर मास्टर, नसीम खान, अनीता यादव, मुकेश चावरिया, राजकुमारी गुप्ता , रियाजुद्दीन, सूरज खंडेलवाल, श्याम लाल , बाबू लाल आदि प्रतिस्थित लोग मौजूद रहे।

फरीदाबाद में बैट्री बनाने की वर्कशॉप में लगी भीषण आग, 3 कर्मचारियों की मौत

फरीदाबाद । फरीदाबाद के सेक्टर–37 स्थित एक बैट्री बनाने की वर्कशॉप में शनिवार को भीषण आग लगने से वहां काम करने वाले तीन कर्मचारियों की मौत हो गई। आग के चलते दुकान के अंदर रखा लाखों का माल भी जलकर राख हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस हादसे की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह अनंगपुर डेयरी इलाके में बैट्री बनाने की वर्कशॉप में आग लग गई। इस दौरान दुकान में काम कर रहे कुछ कर्मचारी भाग कर बाहर निकल गए, जबकि पहली मंजिल पर काम करने वाले तीन कर्मचारी आग से घबराकर जान बचाने के लिए वॉशरूम में छुप गए, जहां दम घुटने से उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान दिल्ली लाल कुआं निवासी अंकित, सुनील और सतवीर के रूप में हुई है। आसपास के लोगों ने 11:15 बजे दमकल विभाग को आग की सूचना दी। दमकल की 6 गाड़ियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। दमकल विभाग के जिला अधिकारी सत्यवान ने तीन लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। सराय ख्वाजा थाना पुलिस ने शवों का पोस्टमॉर्टम कराने के लिए बीके अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

डीयू के प्रोफेसर रतन लाल को मिली जमानत

ज्ञानवापी मामले में शिवलिंग पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर हुई थी गिरफ्तारी

नई दिल्ली। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में कथित शिवलिंग पर की गई आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सुर्खियों में आए दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) के प्रोफेसर रतन लाल को जमानत मिल गई है। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने शनिवार को प्रोफेसर रतन लाल को 50,000 रुपये के मुचलके और इतनी ही राशि की जमानती के आधार पर जमानत दे दी। दिल्ली पुलिस ने शनिवार दोपहर बाद प्रोफेसर रतन लाल को तीस हजारी कोर्ट में पेश किया था। अदालत ने पुलिस और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद रतन लाल की जमानत याचिका या न्यायिक हिरासत पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के अंदर मिले कथित शिवलिंग की खोज के बाद कथित तौर पर धार्मिक मान्यताओं को आहत करने के इरादे से एक सोशल मीडिया पोस्ट के संबंध में उन्हें शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था।

प्रोफेसर रतन लाल की गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को वामपंथी संगठनों के छात्रों ने ऑर्ट फैकल्टी और मौरिस नगर में साइबर पुलिस थाने के बाहर धरना प्रदर्शन किया।

दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रतन लाल हिंदू कॉलेज में इतिहास के प्रोफेसर हैं। पुलिस को कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने की शिकायत मिली थी, जिसका उद्देश्य धार्मिक भावनाओं का अपमान करना और ठेस पहुंचाना था।

उन्होंने बताया कि उत्तरी जिले के साइबर पुलिस थाने में शिकायत के आधार पर 20 मई की रात भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए और 295ए के तहत मामला दर्ज करने के बाद प्रोफेसर को गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली एयरपोर्ट पर राष्ट्रीय ध्वज पर बैठकर पढ़ी नमाज, गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट भारत के राष्ट्रीय ध्वज पर बैठकर नमाज पढ़ने का मामला सामने आया है।

दुबई से आठ मई को दिल्ली आए एक यात्री मोहम्मद तारिक अजीज ने नमाज पढ़ी थी। जिसके बाद उसे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी मोहम्मद तारिक अजीज असम का रहने वाला है और आठ मई को दुबई से इंडिगो की फ्लाईट लेकर नई दिल्ली आया था। यहां से उसे उसे अगली फ्लाईट लेकर दीमापुर जाना था।

शाम करीब पांच बजे शाम करीब पांच बजे बोर्डिंग गेट एक व तीन के सामने वह राष्ट्रीय ध्वज बिछाकर नमाज पढ़ने लगा। जिसके बाद वहां मौजूद सीआइएसएफ के जवान ने उसे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते हुए देख लिया और उसे हिरासत में लेकर पुलिस को सौंप दिया। दिल्ली पुलिस की पूछताछ में वह संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया। इसके बाद पुलिस ने उसका पासपोर्ट, बोर्डिंग पास की फोटोकापी जब्त करने के साथ ही उससे राष्ट्रीय ध्वज भी ले लिया। साथ ही इंसल्ट आफ नेशनल आनर एक्ट 1971 के तहत केस दर्ज कर लिया।

हालांकि आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसी दिन जमानत मिल गई। आरोपी को निर्देश दिया गया है कि जांच के दौरान उसे बुलाया जाएगा, तो उसे दिल्ली आना पड़ेगा। अगर वह नहीं आएगा तो उसे गिरफ्तार किया जा सकता है।

सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज के अपमान की बात सामने आने के बाद एयरपोर्ट के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, जिससे आरोपी की अन्य गतिविधियों के बारे में पता किया जा सके।

जेएनयू फिर शर्मसार, कैंपस में एमसीए की छात्रा से दुष्कर्म, आरोपी छात्र गिरफ्तार

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर में एमसीए की छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर वसंत कुंज नॉर्थ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी 31 वर्षीय हिमांशु रंजन मूल रूप से झारखंड का रहने वाला है। वह जेएनयू में ही भाषा विभाग में लैंग्वेज कोर्स कर रहा है और सीए भी है। वह मुनिरका में किराये पर रहता है। पीड़ित छात्रा की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत में बताया गया है कि पीड़िता जेएनयू में एमसीए की छात्रा है और हॉस्टल में ही रहती है। वह एक कंपनी में इंटर्नशिप कर रही है। उसने दफ्तर की तस्वीर इंस्टाग्राम स्टेट्स पर लगा रखी थी। इसके चलते ही आरोपी की उसके साथ जान–पहचान हुई थी। पीड़िता ने बताया कि उसकी तस्वीर पर हिमांशु ने मैसेज करके कहा कि वह भी जेएनयू का छात्र है।

व्यक्ति को वास्तविक अर्थों में मानव बनाता है ज्ञान ही : आरिफ मोहम्मद खान

केरल के राज्यपाल ने दिल्ली विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह पर रखे विचार

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति को ज्ञान देती है और यह ज्ञान ही व्यक्ति को वास्तविक अर्थों में मानव बनाता है। शिक्षा ही व्यक्ति को सशक्त बनाती है, लेकिन यह उसका संस्कार है जो उसे ज्ञान का उपयोग दूसरों के लाभ के लिए करने हेतु निर्देशित करता है। खान ने कहा कि सच्चे अर्थों में विद्वान वही होता है जिसके पास मूल्यों का बोध होता है। आरिफ मोहम्मद खान दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'स्वराज'; से 'नव भारत'; तक विचारों का पुनरावलोकन विषय पर इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में, 'स्वराज'; से 'नए भारत' के विचारों पर पुनरीक्षण पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा किया जा रहा है। संगोष्ठी के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ। विनय सहस्त्रबुद्धे उपस्थित रहे जबकि समारोह की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो। योगेश सिंह ने की।

मोहम्मद खान ने अपने संबोधन में शिक्षा और ज्ञान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि गुलामी की लंबी अवधि के बावजूद, भारत प्राचीन काल के अपने ज्ञान को बचाने और उसकी रक्षा करने में सक्षम रहा है। विवेकानंद और रविंद्र नाथ टैगोर के समय से ही हमारे लोकाचार और मार्गदर्शक सिद्धांत, जो हमारी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को दर्शाते हैं, एक समावेशी भारत के विचार की ओर इंगित करते रहे हैं। उन्होंने विवेकानंद के विचारों का विश्लेषण करते हुए कहा कि आनंद जीवन का मूल नहीं है, बल्कि जीवन का लक्ष्य ज्ञान की खोज है। जीवन में शिक्षा को परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली उपकरण बताते हुए मोहम्मद खान ने कहा कि शिक्षा ही जीवन में परिवर्तन ला सकती है। जीवन का उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करना होना चाहिए आवर ज्ञान का उद्देश्य सेवा आवर विविधता में एकता का विकास करना है। धर्म पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि धर्म का अर्थ बहुत ही व्यापक है, लेकिन इसकी व्याख्या हमेशा गलत तरीके से केवल रिलिजन के रूप में की गई और रिलिजन को ही पहचान चिन्ह मान लिया गया, जोकि समस्याएं पैदा करता है। इसे ठीक करने की आवश्यकता है। इसके लिए उन्होंने शिक्षाविदों से बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थाएं आवर शिक्षक वर्ग इस दृष्टिकोण को बदलने में मुख्या दायित्व निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के बीच जातिवाद और अलगाव भावना को खत्म करके सामुहिक भावना से मानवता की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा में जुट जाएं, बाकि सब खुद आता जाएगा। शिक्षा ही आपको सशक्त बनाएगी। शिक्षा की भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि त्याग और मानवता की सेवा की अनुभूति ज्ञान से ही होती है और विद्वान वही होता है जिसके पास इन मूल्यों का सही बोध होता है। उन्होंने अंत में शिक्षक समुदाय से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों अपने सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति अधिक जागरूक करें, यही भावी भारत के समग्र विकास में योगदान देगा।

समापन समारोह के दौरान अपने स्वागत भाषण में डीयू कुलपति प्रो योगेश सिंह ने कहा कि इस तीन दिवसीय संगोष्ठी से निकले विचारों को अमल में लाना होगा क्योंकि बिना कार्रवाई के विचारों का कोई अर्थ नहीं होता. उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षण संस्थान और विश्वविद्यालय ही गहन शोध के माध्यम से प्रौद्योगिकी के निर्माता होंगे, और तकनीक ही भारत को विश्व गुरु बनाने की क्षमता रखती है. आज के दिन सभी भारतीयों का यही सपना है कि देश विश्वगुरु बने. प्रो सिंह ने कहा कि अनुसंधान, विकास, सहयोग अथवा खरीद के माध्यम से तकनीक हासिल करनी होगी क्योंकि आयात का न केवल आर्थिक प्रभाव पड़ता है, बल्कि यह दर्शाता है कि हम अपनी अक्षमता के लिए भुगतान कर रहे हैं। विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं के माध्यम से आने वाले विचारों के महत्व पर जोर देते हुए, सिंह ने विश्वविद्यालय और इसकी शिक्षा और मूल्य प्रणाली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि इन विचारों को न केवल अपने विचारों में, बल्कि अपने कार्यों में भी शामिल करें। यही मानवता के लिए शिक्षा की सच्ची सेवा होगी।

समारोह के विशिष्ट अतिथि आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे ने अपने संबोधन में स्वदेश में quot quot; के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह अतीत से भविष्य तक, वर्तमान के माध्यम से यात्रा का प्रमुख प्रेरक होगा। उन्होंने कहा कि एक 'नव भारत'; बनाने के लिए, हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अपनी संस्कृति के पांच मूल सिद्धांतों पर अपने सिद्धांतों का निर्माण करें जिन्हें दुनिया को भी पहचानने की आवश्यकता है। उन्होंने इन पांच सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आध्यात्मिक लोकतंत्र, अंत्योदय, प्रकृति माँ के प्रति कृतज्ञता, हमारी विविधता में एकता और वसुदेव कुटुम्बकम ही ये पांच सिद्धांत हैं। उन्होंने नव भारत के निर्माण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से रोजमर्रा के जीवन में लैंगिक समानता, मजबूत प्रतिबद्धता, संविधानवाद व मजबूत लोकतंत्रीकरण आदि जैसे कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने की सराहना करते हुए इन्हें समय की आवश्यकता भी बताया।

उन्होंने कहा कि 'नव भारत' में जाने के लिए अगले 25 वर्षों की अमृतकाल अवधि न केवल महत्वपूर्ण है बल्कि यह अमृत की तरह है। हम सभी को निरंतर यथास्थितिवाद की मानसिकता से दूर रहने की जरूरत है, तभी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के माध्यम से नए भारत की सुबह होगी।

संपादकीय

बदलाव भरी दुनिया

यह नई दुनिया है। बदलाव भरी दुनिया। शिक्षा क्रांति का नारा लगाती दुनिया। सेहतयाब होती दुनिया। बता रहे हैं कि स्कूलों का चेहरा बदल गया और बच्चों से लेकर बड़ों तक कुपोषण की समस्या भी खत्म हो गई। इन स्कूलों का चेहरा बदल गया है और इसका माडल दिखा कर चुनावी विजय होती है। मगर वहां पढ़ते बच्चे तो आज भी सींकिया बदन हैं। सरकार ने बच्चों के हाथ में पुस्तक और पेट में रोटी देने के लिए स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना शुरू की थी। उम्मीद थी कि कम से कम एक समय तो उन्हें उचित भोजन मिल जाएगा। उधर सर्व शिक्षा अभियान भी चला रखा है। प्राथमिक शिक्षा का सब बच्चों को संवैधानिक अधिकार भी दे दिया है, लेकिन देने की घोषणा करने और वास्तव में मिल जाने के सच में अंतर होता है। 'पब्लिक स्कूल कल्चर' की कमर तो टूटी नहीं, गरीब बच्चों को इन स्कूलों की आरक्षित सीटों पर दाखिला नहीं मिला। बीच में निजी शिक्षा के मसीहाओं ने अदालतों की निषेधाज्ञा खड़ी कर दी। अब इंतजार और अभी। इधर सरकारी स्कूलों में जो मध्याह्न भोजन योजना शुरू हुई है, उसमें पुष्ट-पोषण के नाम पर खबरचियों ने खबर दी कि बच्चों को सूखी रोटी के साथ नमक मिलना शुरू हो गया है। आंकड़ा शास्त्रियों ने भी इसके असल चेहरे की गवाही दे दी। बताया कि इस देश में पांच साल की उम्र तक के बच्चे आधे से अधिक काल कलवित हो जाते हैं, तो बारह-चौदह साल के बच्चों में भी कुपोषण की वजह से, उसी तरह लगभग आधे काल का ग्रास हो जाते हैं। शेष जो बचते हैं, उनमें से बड़ी तादाद मानव तस्करों की कृपा से लापता होकर तेल धनी देशों के शेखों के द्वार तक पहुंच जाती है। अब मध्यपूर्व के इन देशों में राजनीतिक उथल-पुथल बढ़ जाने के बाद सोचा जा रहा है, कि क्या इससे धनी शेखों के धन के पहाड़ कुछ कम हो जाएंगे ? क्या उनकी रुचियों, ऐश्वर्य और विलास में कुछ अंतर आएगा ? अंतर चाहे न आए, लेकिन इसी आशंका से हो सकता है कि मानव तस्करी का धंधा कुछ मंदा हो जाए। बच्चे अगर अपहृत होकर लापता कम होने लगेंगे, और गरीबों की गूदड़ बस्तियों में दनदनाते नजर आएंगे। स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना भ्रष्टाचार की नजर लग जाने से बंद होने के कगार पर है। कहीं-कहीं तो उच्च न्यायालय के आदेश से इसे पुनः जीवनदान मिला है। पर केवल भूख मिटाना क्यों, यहां तो अधनंगे बदनों को कपड़े से भी ढकने की समस्या है। अपने राज्य के स्कूलों में सरकार ने बच्चों के लिए मुफ्त वर्दियां बांटने की घोषणा की है। लालफीताशाही इसे भूल गई, खाली खजाने का रुदन राग तो चलता ही रहता है। सुबह के मुर्गों ने दोपहर को बांग दे दी, सरकारी मशीनरी जागी। गर्मियों की वर्दियां सर्दियों में बंटी। अब उम्मीद है कि सर्दियों की वर्दियां भरपूर गर्मी तक बंट कर सबका उपकार कर सकेंगी। भई, भला हो पर्यावरण प्रदूषण का। मौसम का सारा गणित बिगाड़ रखा है। गर्मी के दिनों में सर्दी पड़ने लगती है और सर्दियों में पंखा चलाने की नौबत आती है, कि जैसे सावन की बेवफाई ने बिन बादल बरसात के अतिकथन को सच करना शुरू कर दिया है। इस पर्यावरण प्रदूषण से जल्द तो छुटकारा मिलेगा नहीं, क्योंकि चचा सैम ने 'अमेरिका अमेरिकियों' का वादा लगा कर इन संधियों पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया है, और सजा के तौर पर ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध लगा कर तीसरी दुनिया के देशों का तेल-डीजल बंद करने का प्रयास किया है। अब अगर महंगा होता कच्चा तेल कम आयात होने लगेगा तो इसका प्रयोग भी कम होगा। यों पर्यावरण प्रदूषण अपने आप कम हो जाएगा। इसी तरह तेल का आयात जब घटेगा, गरीब देशों की उत्पादक गतिविधियां कम हो जाएंगी। उनका हरित गैस का उत्सर्जन अपने आप कम हो जाएगा। जी हां, यहां और वहां, देश में और विदेश में जटिल समस्याएं यों ही हल होती हैं। पर्यावरण प्रदूषण रुक नहीं पाया, मौसम बेवफा हो गया। बच्चों की पिछड़ी वर्दियां काम आ गईं।

वाम मानसिकता वाले प्रोफेसर रतन लाल जैसे लोगों से और उम्मीद भी क्या की जा सकती है?

नीरज कुमार दुबे

रतन लाल के वकील जो भी तर्क दें लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रोफेसर ने भगवान शिव के बारे में जो टिप्पणी की वह गलत थी। समाज पर पड़ने वाले दुष्परिणाम को जानने के बावजूद पढ़ा-लिखा व जागरूक व्यक्ति यदि विवादित टिप्पणी करे तो कड़ी सजा मिलनी ही चाहिए।

ज्ञानवापी में जबसे शिवलिंग मिला है तबसे सोशल मीडिया पर कुछ लोग नकारात्मक टिप्पणियां करने में लगे हैं लेकिन हमारी पुलिस और प्रशासन ऐसे लोगों को ठीक करने में लगे हुए हैं। ताजा मामला दिल्ली का है जहां दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर रतन लाल को वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में शिवलिंग पाए जाने के दावों पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी के विरोध में वामपंथी छात्र संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन से जुड़े छात्रों ने उत्तरी दिल्ली के मौरिस नगर के साइबर पुलिस थाने के बाहर आधी रात को प्रदर्शन और नारेबाजी की। विरोध-प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने सड़क को भी जाम किया। शनिवार को भी दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में वाम छात्र संगठनों से जुड़े छात्र ढपली बजाते हुए प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं प्रोफेसर रतन लाल के वकील महमूद प्राचा ने कहा है कि प्रोफेसर रतन लाल के ख़िलाफ़ झूठा मुकदमा दर्ज़ किया गया है। उन्होंने कहा कि स्नढ्ढक्रमें कोई ऐसी बात नहीं है जो संज्ञेय अपराध में आता हो। महमूद प्राचा का कहना है कि IPC की धारा 153 और 295 के तहत गिरफ़्तारी नहीं की जा सकती, पुलिस के पास वह शक्ति ही नहीं है। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि गिरफ्तारी सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अवमानना है। अब प्रोफेसर रतन लाल के वकील जो भी तर्क दें लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रोफेसर ने भगवान शिव के बारे में जो टिप्पणी की वह गलत थी। एक पढ़ा-लिखा और जागरूक व्यक्ति यह जानते हुए कि उसकी किसी विवादित टिप्पणी से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती हैं, तनाव फैल सकता है, फिर भी ऐसी टिप्पणी करता है तो उसे उसके कृत्य की सजा मिलनी ही चाहिए। पुलिस ने सही कदम उठाते हुए एसोसिएट प्रोफेसर रतन लाल को भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए (धर्म, जाति, जन्मस्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य फैलाने) और 295ए (धर्म का अपमान कर किसी वर्ग की धार्मिक भावना को जानबूझकर आहत करना) के तहत गिरफ्तार किया है। हम आपको बता दें कि दिल्ली के एक वकील की शिकायत के आधार पर मंगलवार रात (17 मई) रतन लाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। वकील विनीत जिंदल ने अपनी शिकायत में कहा कि रतन लाल ने हाल ही में 'शिवलिंग' पर एक अपमानजनक और उकसाने वाला ट्वीट किया था। ट्वीट में टिप्पणी के साथ फनी इमोजी भी पोस्ट की गई थी। कई लोगों ने इस पोस्ट पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कार्रवाई की मांग के साथ इसे दिल्ली पुलिस के ट्विटर हैंडल को टैग भी किया था। उधर, गिरफ्तारी से पहले एक समाचार एजेंसी द्वारा संपर्क किये जाने पर प्रोफेसर रतन लाल ने दावा किया कि उनकी पोस्ट के बाद उन्हें जान से मार देने की धमकियां मिल रही हैं और सोशल मीडिया पर उन पर लगातार हमला किया जा रहा है। उन्होंने सरकार से सुरक्षा मुहैया करने की भी मांग की। रतन लाल ने कहा, "भारत में, यदि आप कुछ बोलते हैं, तो किसी व्यक्ति या अन्य की भावनाएं आहत होंगी। इसलिए, इसमें कुछ नया नहीं है। अपनी सफाई देते हुए उन्होंने समाचार एजेंसी से कहा कि मैं एक इतिहासकार हूं और कई अवलोकन किये हैं। यहां हम कह सकते हैं कि रतन लाल सफाई तो दे रहे हैं लेकिन उन्होंने धार्मिक भावनाएं भड़काने की जो गलती की है उसकी सजा उन्हें मिलनी ही चाहिए। इस पूरे मामले में आश्चर्यजनक बात यह है कि एक तो रतन लाल ने गलती की ऊपर से उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी एक पत्र लिख कर एके-56 राइफल से लैस दो अंगरक्षक उन्हें मुहैया करने का अनुरोध किया है क्योंकि उन्हें कथित रूप से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

ज्ञानवापी मामले को दोनों पक्ष कोर्ट से बाहर सुलझा लें तो देश की एकता और मजबूत होगी

अजय कुमार

ज्ञानवापी प्रकरण अयोध्या मामले से भिन्न है और इसके संदर्भ में 1991 में बनाए गए धर्मस्थल कानून को भी रेखांकित किया जा रहा है, जो यह कहता है कि सभी धार्मिक स्थल उसी स्थिति में रहेंगे, जिसमें वे 15 अगस्त 1947 को थे, लेकिन इस कानून में कुछ अपवाद भी हैं।

ज्ञानवापी मस्जिद/विश्ववेश्वर मंदिर की लड़ाई हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की चौखट से होते हुए पुनः वाराणसी की जिला कोर्ट में पहुंच गई है। दोनों ही शीर्ष अदालतों को जरा भी यह नहीं लगा कि जिला अदालत उक्त मामले की ठीक से सुनवाई नहीं कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने बहुचर्चित ज्ञानवापी मामले की सुनवाई जिस तरह वाराणसी की सिविल अदालत की बजाय जिला अदालत को सौंपी और उसे आठ हफ्ते में सुनवाई पूरी करने को कहा, उससे यही प्रतीत होता है कि ज्ञानवापी मस्जिद का विवाद अयोध्या के प्रभु राम जन्मभूमि विवाद की तरह से लम्बा नहीं खिंच पाएगा। सब जानते हैं कि अयोध्या विवाद में मुस्लिम पक्षकारों ने कोर्ट के भीतर किस तरह से लटकाने-भटकाने का काम किया था। यदि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार वाराणसी की जिला कोर्ट में सुनवाई आगे बढ़ी तो यह सुखद होगा कि ज्ञानवापी मस्जिद विवाद का निस्तारण दो महीने के भीतर हो जाएगा, जोकि दोनों पक्षकारों के लिए ही नहीं बल्कि देश-प्रदेश के अमन-चैन के लिए भी जरूरी है। ज्ञानवापी को लेकर पिछले कुछ दिनों से जिस तरह का माहौल गरमाया हुआ है, वह होना तो नहीं चाहिए था, क्योंकि मामला कोर्ट में चल रहा है, कोर्ट का फैसला जब आएगा, तब आएगा इससे पहले ही दोनों ही पक्षों के लोग और समर्थक अपने-अपने खोखले और आधे-अधूरे ज्ञान एवं दावों के बल पर अपना फैसला सुनाने में लगे हैं।

आश्चर्य होता है कि एक तरफ सुप्रीम कोर्ट तक ने कह दिया है कि पूजा स्थल कानून 1991 किसी धार्मिक स्थल के धार्मिक स्वरूप का पता लगाने पर रोक नहीं लगाता है, तब भी ओवैसी जैसे नेता 1991 के पूजा स्थल कानून के उल्लघंन का ढिंढोरा पीटने से बाज नहीं आ रहे हैं। वहीं ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर जारी विवाद के बीच इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा जैसे लोग अपनी कौम को भड़काने में लगे हैं और ज्ञानवापी विवाद के बीच मुसलमानों से जेल भरो आंदोलन चलाने का आह्वान करते हुए कह रहे हैं कि हर जिले में दो लाख मुसलमान गिरफ्तारी दें। दिल्ली के इंडिया इस्लामिक सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में मौलाना तौकीर रजा ने कहा कि अगर ज्ञानवापी पर कुछ नहीं किया गया तो यहां भी बाबरी मस्जिद की तरह पाबंदी लगेगी। तौकीर रजा हाल में सम्पन्न हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में कांग्रेस के साथ खड़े नजर आए थे और मुसलमानों से कांग्रेस के पक्ष में वोटिंग की अपील भी कि थी, लेकिन उनकी बात किसी मुसलमान ने नहीं सुनी थी। ओवैसी और तौकीर ही नहीं, तमाम मुस्लिम धर्म गुरु कयामत तक मस्जिद रहने की

बात कर रहे हैं। चूंकि यह एक बेहद संवेदनशील प्रकरण है, इसलिए यह सभी के हित में है कि इस मामले का जितनी जल्दी संभव हो, समाधान किया जाए। निःसंदेह ऐसा न्यायपालिका की सक्रियता से ही संभव है। इस मामले में न्यायपालिका के स्तर पर वैसी देरी नहीं होनी चाहिए, जैसी अयोध्या मामले में हुई और जिसके नतीजे अच्छे नहीं रहे। इसके साथ ही नेताओं को भी ज्ञानवापी मस्जिद/विश्ववेश्वर मंदिर मामले में फूंक-फूंक कर कदम रखना चाहिए। ज्ञानवापी मस्जिद विवाद पर सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का बयान भी काफी शर्मनाक नजर आ रहा है। ज्ञानवापी विवाद के बीच एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने अयोध्या पहुंचे अखिलेश यादव ने वहीं से विवादित बयान देते हुए बीजेपी को तो निशाने पर लिया ही, इसके साथ ही अखिलेश यादव ने ज्ञानवापी विवाद को राममंदिर विवाद से जोड़ते हुए कहा कि रात के अंधेरे में मूर्तियां रखवा दी गयी थीं। उन्होंने शिवलिंग मिलने के दावे पर कहा कि कहीं भी पत्थर रख दो मंदिर बन जाता है। आश्चर्य होता है अखिलेश के मुंह से ऐसे बयान सुनकर। अखिलेश से समझदार तो आजम खान निकले। जेल से छूटकर आजम खान जब रामपुर में मीडिया से रूबरू हुए तो उनसे ज्ञानवापी पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने मामला न्यायलय में होने की बात कहते हुए किसी भी तरह का बयान देने से मना कर दिया। ज्ञानवापी मामले पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के विवादित बयान के बाद ही उनकी पार्टी के एक और नेता का इस मामले में भड़काऊ बयान सामने आया। अक्सर अपने विवादित बयानों की वजह से चर्चा में रहने वाले संभल से सपा नेता शफीकुर्रहमान बर्क का ज्ञानवापी मामले पर भड़काऊ बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद पर कब्जा हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कथित रूप से कहा कि अगर ज्ञानवापी को सील किया जाएगा तो कई जाने कुर्बान जाएंगी।

बहरहाल, एक तरफ ज्ञानवापी मस्जिद/विश्ववेश्वर मंदिर विवाद कोर्ट में चल रहा है तो दूसरी तरफ कुछ लोग चाहते हैं कि यह विवाद कोर्ट की बजाए हिन्दू और मुस्लिम दोनों पक्षों के लोग आपस में मिल बैठकर सुलझा लें। ऐसी सोच रखने वालों का तर्क है कि इससे सामाजिक सद्भाव को बल मिलने के साथ ही राष्ट्रीय एकता का भाव भी प्रबल होगा। अयोध्या मामले में ऐसा नहीं हो पाया था तो इसीलिए कि स्वस्थ संवाद की बजाय वाद-विवाद को ज्यादा तूल दिया गया। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अयोध्या मामले को आपसी बातचीत से हल करने में कई राजनीतिक दल बाधक बने थे। उनका स्वार्थ इसी में था कि किसी तरह इस विवाद का समाधान न होने पाए। कम से कम इस बार ऐसे राजनीतिक दलों को अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का मौका नहीं दिया जाना चाहिए। लेकिन ऐसा हो पाएगा, इस बात की संभावना काफी कम है।

खैर, यह सच है कि काशी का ज्ञानवापी प्रकरण अयोध्या मामले से भिन्न है और इसके संदर्भ में 1991 में बनाए गए धर्मस्थल कानून को भी रेखांकित किया जा रहा है, जो यह कहता है कि सभी धार्मिक स्थल उसी स्थिति में रहेंगे, जिसमें वे 15 अगस्त 1947 को थे, लेकिन इस कानून में कुछ अपवाद भी हैं।

यह उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मामले की सुनवाई करते हुए यह कहा कि किसी स्थल के धार्मिक चरित्र यानी उसके रूप-स्वरूप का आकलन प्रतिबंधित नहीं है। इससे यही स्पष्ट होता है कि सुप्रीम कोर्ट ने वाराणसी की सिविल अदालत के उस फैसले को सही पाया, जिसमें उसने ज्ञानवापी परिसर के सर्वेक्षण का आदेश दिया था।

यहां यह बता देना भी जरूरी है कि सुप्रीम कोर्ट की तरह से इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी वाराणसी की सिविल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की कोई जरूरत नहीं समझी और वह भी तब जब उसके समक्ष 1991 के धर्मस्थल कानून का संदर्भ दिया गया था। अब जब सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि धर्मस्थल कानून किसी स्थान के धार्मिक चरित्र के आकलन पर पाबंदी नहीं लगाता, तब फिर सवाल यह है कि यदि ज्ञानवापी परिसर अथवा इसी प्रकार के अन्य धार्मिक स्थलों का सर्वेक्षण ऐसे किसी नतीजे पर ले जाता है कि वह वैसा नहीं, जैसा दावा किया जा रहा है तो क्या उसकी अनदेखी कर दी जाएगी ? वास्तव में यह वह जरूरी सवाल है जिसका जवाब सामने आना ही चाहिए। कुछ लोग तो यहां तक कहते हैं कि अभी भले ही पांच हिन्दू महिलाओं ने श्रृंगार गौरी माता की पूजा अर्चना की इजाजत मांगी हो, लेकिन अब यह मामला इन महिलाओं के हाथ से निकल कर अन्य लोगों के हाथ में पहुंच गया है, इसीलिए अब ज्ञानवापी को विश्ववेश्वर मंदिर की धरोहर मानकर हिन्दुओं को इसे सौंपने की भी मांग शुरू हो गई है। कुल मिलाकर कोर्ट से ज्ञानवापी के भीतर स्थित माँ श्रृंगार गौरी की मूर्ति की पूजा करने की पांच हिन्दू महिलाओं की मांग से शुरू हुई दावेदारी की लड़ाई आगे चलकर ज्ञानवापी के स्वामित्व तक पहुंच सकती है।

जयपुर का मसाला मेला सहकारिता क्षेत्र में सफलता की नई मिसाल बन चुका है

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

एक सोच जब धरातल पर उतरती है तो वह अपनी पहचान स्वयं बना लेती है। मीडिया में मसालों व खाद्य पदार्थों में मिलावट के समाचारों ने राजस्थान में तत्समय की सहकारी समितियों की रजिस्ट्रार और आज की मुख्य सचिव राजस्थान सरकार उषा शर्मा को सोचने को मजबूर कर दिया। चाहे उन्होंने प्रयोग के तौर पर ही सही पर जयपुर में सहकारिता के छाते तले राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला लगाने का निर्णय क्या किया, जयपुर और राजस्थान ही नहीं अपितु सहकारिता क्षेत्र में यह मेला आज की पहचान बना चुका है। देश का सहकारिता क्षेत्र जयपुर के सहकार मसाला मेले की ना केवल प्रतीक्षा करता है अपितु देशभर की सहकारी संस्थाएं अपने मसाला उत्पाद इस मेले में प्रदर्शित करने और बिक्री के लिए लाने के प्रति उत्साहित रहते हैं। खास यह कि यह मेला महिला सशक्तिकरण का भी एक प्रमुख माध्यम बन गया है। दरअसल राजस्थान में 1992 से सहकार व्यापार मेला आयोजित करने का सिलसिला चला जो धीरे-धीरे राष्ट्रीय रूप ले गया और देश की सहकारी संस्थाएं इसमें उत्साह से हिस्सा लेने लगीं। ऐसे ही जहां तक याद आ रहा है दिसंबर 2001 में आयोजित राष्ट्रीय सहकार व्यापार मेले के खट्टे मीठे अनुभवों को देखते हुए समापन वाले दिन तत्कालीन रजिस्ट्रार उषा शर्मा ने एकाएक तत्कालीन प्रचार अधिकारी यानी कि मुझे आदेश दिया कि हमें मसाला मेला लगाना है और वह भी दो तीन माह बाद ही। पूरी सहकारिता की टीम जुट गई। उनका मानना था कि राजस्थान प्रमुख मसाला उत्पादक राज्य है लेकिन इसके बावजूद ना तो राजस्थान की मसालों के रूप में पहचान है और ना ही इसका लाभ उत्पादक किसान और आम नागरिकों को मिल पा रहा है। बल्कि सीधे स्वास्थ्य से जुड़े होने के बावजूद मिलावटी मसाले ही बाजार में आम आदमी तक पहुंच पा रहे हैं। बस फिर क्या था ! एक सोच ने आकार लेना आरंभ किया और चार माह बाद ही अप्रैल-मई में अपनी तरह का इकलौता सहकार मसाला मेला जयपुर के हृदय स्थल रामलीला मैदान पर आयोजित किया गया। रामलीला मैदान क्या आसपास का कई किलामीटर का क्षेत्र शुद्ध मसालों की महक से महकने लगा। कोरोना के कारण इस सालाना आयोजन पर व्यवधान आया पर दो साल बाद एक बार फिर राजस्थान की राजधानी जयपुर में सहकारिता विभाग का राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला अपने पुराने गौरव की याद दिला गया। दरअसल सहकार मसाला मेला जयपुरवासियों के दिलोदिमाग में रच-बस गया है।
असलियत तो यह है कि कोरोना से पहले सहकार मसाला मेला जयपुरवासियों के लिए किसी तीज त्यौहार से कम नहीं रहा है। सहकार मसाला मेला का इतिहास यही कोई 20 साल पुराना है। उषा शर्मा का कहना था कि मेले में जहां प्रदेश के कोने कोने के मसालों की स्टॉल लगाई जाएं वहीं लोगों का विश्वास जीता जाए कि मसाला मेले में जो मसाले मिल रहे हैं वह शुद्ध मसाले हैं और यही कारण रहा कि केवल संदेश देने के लिए मसालों की पिसाई के लिए चक्की भी मौके पर लगाई गई। मुझे अच्छी तरह याद है कि वर्तमान मुख्य सचिव उषा शर्मा आधी आधी रात तक मेला स्थल रामलीला मैदान पर उपस्थित रह कर मेले को अमली जामा पहनाने में जुटी रहती थीं और उसका परिणाम यह रहा कि जयपुर के इतिहास में सहकारिता का पहला मसाला मेला ही मील का पत्थर साबित हुआ। उस समय के समाचार पत्रों व लोगों से पता चलेगा कि मथानिया की साबुत मिर्च खरीदने के लिए डेढ़ सौ से दो सौ लोग तक कतार में लग कर अपनी बारी का इंतजार करते दिखते थे। देखा जाए तो पहला प्रयोग था इसलिए मांग का आकलन मुश्किल भरा काम था। यही कारण रहा कि मथानिया की मिर्च, नागौर का जीरा, कसूरी मैथी, केर-सांगरी, चित्तौड़ का लहसुन, आगरा का पंछी पैठा, रामगंज मण्डी का धनिया का स्टॉक मेले के दूसरे दिन तक तो लगभग समाप्त हो गया और मथानिया की मिर्च, धनिया, जीरा, पैठा आदि की बार-बार मंगाने की व्यवस्था करनी पड़ी।

मैं मैं का भाव मानवीय विकारों में से एक

मैं - मेरी प्रतिभा - मेरा नेतृत्व सर्वोपरि हैं अभिमान का बढ़ता प्रचलन!

वर्तमान परिवेश में राजनीतिक क्षेत्र के अतिरिक्त पारिवारिक आध्यात्मिक, शैक्षणिक, सामाजिक सहित अन्य क्षेत्रों में भी नेतृत्व करने की होड़- एड किशन भावनानी

आज वैश्विक स्तर पर अगर हम मनुष्य प्रवृत्ति देखें तो सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षणिक, आर्थिक, पारिवारिक इत्यादि अनेक क्षेत्रों में अधिकतर व्यक्तियों में मैं का भाव अधिक देखने को मिलता है। जो सोचते है कि अगर मै नहीं होता तो ये काम नहीं होता या होता भी तो मै ही कर सकता था और ये तो मेरे कारण ही हो रहा है,ऐसा भाव अधिकतर मनुष्यों में होता है। यही उनकी असफलता, आपस में फूट, विभाजन व परेशानियों का कारण बनता है। हम उपरोक्त हर क्षेत्र में देखते हैं कि ऐसी प्रवृत्ति मिलती ही है। अगर ये मनुष्य की प्रवृत्ति समाप्त हो गई तो फिर जीवन एक अलौकिक सुखों से भरपूर हो जाता है।
साथियों दूसरी बात मेरी प्रतिभा प्रवृत्ति - मनुष्य को अपनी प्रतिभा पर बहुत गर्व होता है कि ये सब मेरी प्रतिभा के कारण हो रहा है, हालांकि प्रतिभा हर व्यक्ति का वह हथियार होता है जो की उसे भगवान् द्वारा अनूठा मिलता है इस दुनिया में हर व्यक्ति के अंदर कुछ न कुछ टैलेंट जरूर होता है इसीलिए जिसमे से कुछ लोगो को तो अपने टैलेंट के बारे में अत लग जाती है और कुछ लोग अपने टैलेंट को नहीं पहचान पाते।कुछ लोगो को अपनी प्रतिभा को पहचानने में थोड़ा समय लगता है। प्रतिभा हमें जन्मजात से ही प्राप्त होती है और हर व्यक्ति में एक अलग ही अपना-अपना टैलेंट होता है प्रतिभा का मतलब है की आप मनुष्य की वह स्थिति जिस स्थिति में वह अन्य लोगो के मुकाबले अधिक ज्यादा जानता हो या फिर कोई ऐसा अनूठा काम जो अन्य लोगो को करने के लिए या तो अलग से सीखना पड़ता है या फिर अलग से उस काम में कौशलता प्राप्त करनी पड़ती है।आसान भाषा में प्रतिभा आपकी नौसर्गिक प्रतिभाएं आपके व्यक्तित्व और पहचान का स्वाभाविक हिस्सा है और यह हमें व्यवसाय/नौकरी, शिक्षा, या जीवन के अन्य क्षेत्रो में महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान करती है।परंतु मनुष्य अपनी प्रतिभा को अपना गुरूर जो उसके विनाश का कारण बनता है और असफलताएं और परेशानियों के कारण उसका अंत होता है।
साथियों यदि यह प्रवृत्ति निकल जाए और मालिक द्वारा बक्शी प्रतिभा का भाव आजाए तो हमारा जीवन सफल हो जाएगा। तीसरी बात - मेरा नेतृत्व सर्वोपरि - अधिकतर व्यक्तियों को ऐसा लगता है कि मेरा नेतृत्व सर्वोपरि है बस उनके आगे सब शून्य है।ये हमे उपरोक्त सभी क्षेत्रों में अक्सर दिख जाता है। अधिकतर व्यक्ति मेन आदमी बनकर नेतृत्व करना चाहते हैं कि मैं जैसा कहूं वैसा ही हो या मै सबका एक ग्रुप लीडर और सर्वेसर्वा बनू और जैसा मै बोलू मेरे साथी सब वैसा ही करें, यह हमे सामाजिक, राजनैतिक, पारिवारिक क्षेत्रों में बहुत देखने को मिलता है। अधिकतर व्यक्ति बस किसी भी टीम, दल, परिवार, संस्था, ग्रुप, पंचायत, सभा, संगठन इत्यादि हर क्षेत्र का लीडर बनना पसंद करता है और जो उसका विरोध करते हैं उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है।
साथियों उपरोक्त संगठनों में हम देखते हैं कि हर व्यक्ति अपने 4-5 साथियों को मिलाकर एक नया संगठन खड़ा कर लेता है परन्तु अगर यह भाव आजाये कि किसी के नेतृत्व में, किसी के हाथ के नीचे, किसी के परोपकार में, किसी की सहायता में काम या सेवा करना छोटा नहीं कहलाता है तो सब परेशानियों से मुक्ति मिल जाती है।कहने का भाव यह है कि अधिकतर व्यक्तियों की उपरोक्त तीनों भाव उसके स्वार्थ से समाए होते हैं। उपरोक्त तीनों स्थितियों में कहीं ना कहीं स्वार्थ का भाव छिपा होता है और स्वार्थ ही उपरोक्त मनुष्य की तीनों विकार प्रवृत्ति की जड़ है।
साथियों बात अगर हम निस्वार्थ संगठन विकास की करें तो संगठन, जिसे एक अथवा अधिक साझा लक्ष्य (यों) की प्राप्ति के लिये कार्यरत दो या ज्यादा लोगों के रूप में परिभाषित किया जाता है,कि अवधारणा निस्वार्थ संगठन विकास के मूल में है। इस संदर्भ में विकास यह धारणा है कि समय बीतने पर एक संगठन अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में अधिक प्रभावी बन सकता है। संगठनात्मक विकास एक प्रणाली-स्तरीय अनुप्रयोग और रणनीतियों, संरचना और प्रक्रिया के नियोजित विकास, सुधार और पुनर्प्रवर्तन की ओर व्यवहारात्मक शास्त्र के ज्ञान का स्थानांतरण है, जिसका परिणाम संगठन की प्रभाव कारिता के रूप में मिलता है परंतु वर्तमान परिवेश में हम देखते हैं कि निस्वार्थ संगठित सेवा के लिए परिभाषित राजनीतिक क्षेत्र के अतिरिक्त आध्यात्मिक, शैक्षणिक, पारिवारिक, सामाजिक सहित अन्य क्षेत्रों में भी कुछ हद तक व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए नेतृत्व करने की होड़ लग गई है।
अतः उस आदमी का जीना या मरना अर्थहीन है जो अपने स्वार्थ के लिए जीता या मरता है। जिस तरह से पशु का अस्तित्व सिर्फ अपने जीवन यापन के लिए होता है, मनुष्य का जीवन वैसा नहीं होना चाहिए। ऐसा जीवन जीने वाले कब जीते हैं और कब मरते हैं कोई ध्यान ही नहीं देता है।हमें दूसरों के लिए निस्वार्थ संगठनात्मक विकास द्वारा कुछ ऐसे काम करने चाहिए कि मरने के बाद भी लोग हमें याद रखें। इससे हमारे अंदर से मृत्यु का भय चला जाता है। वाणी में भी आया है कि विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,

मरो, परंतु यों मरो कि याद
जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे,
वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया
न आपके लिए।
वही पशु प्रवृत्ति है कि आप
आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य
के लिए मरे॥

बेबाक हो जाए।

चुनौतियों का सामना करते हैं,
सच्चाई के लिए लड़ते हैं,
इंसानियत पर डट कर चलते हैं
चलो निडर बनते हैं!

आंसुओं को मुस्कान में बदलते हैं,
अच्छाइयों में ढलते हैं,
हिम्मत कभी नहीं हारते हैं,
चलो साहसी बनते हैं!

भ्रष्टाचार का बहिष्कार करते हैं,
गलत आदतों से लड़ते हैं,
असफलताओं से नहीं घबराते हैं,
चलो बहादुर बनते हैं!

आत्मविश्वास स्वयं में रखते हैं,
अवसरों को नहीं गवाते हैं,
रुके बिना, झुके बिना आगे की और
बढ़ते हैं,
चलो वीरता लाते हैं!

डर का सामना करते हैं,
संघर्ष करने से नहीं डरते हैं,
शिक्षा प्राप्त कर, अपने अधिकार के
बारे में जानते हैं,
चलो निर्भय बन जाते हैं!!

डॉ. माध्वी बोरसे!
(स्वरचित व मौलिक रचना)

शार्ट न्यूज

मैनपुरी दीवानी कोर्ट परिसर में चलीं गोलियां, मची भगदड़, पेशी पर आई महिला घायल

मैनपुरी। मैनपुरी में दीवानी स्थित कोर्ट में तारीख पर आई विवाहिता को दो गोलियां मारकर घायल कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल महिला को जिला अस्पताल भेजा गया। जहां हालत गंभीर होने पर उसे सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। दीवानी के गेट पर हुई इस घटना से शहर में सनसनी फैल गई। कुर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम तखरऊ निवासी 29 साल की रूबी का अपने पति रत्नेश के साथ दहेज उत्पीड़न का केस कोर्ट में चल रहा है। डेढ़ साल पहले रूबी को उसके पति ने ससुरालीजनों की मदद से मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया था। इसके बाद से रूबी अपनी बहन के घर दिल्ली रह रही है। शनिवार को मैनपुरी दीवानी कोर्ट में दायर मुकदमे की रूबी दिल्ली से तारीख करने आई थी। जब वह दीवानी के गेट पर पहुंची। तभी एक बाइक पर आए पति रत्नेश पुत्र रामदास ने रूबी को दो गोलियां मारी। जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही शहर कोतवाल विक्रम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। जहां घायल महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया। गोली चलते ही दीवानी परिसर में भगदड़ मच गई। जिला अस्पताल में रूबी ने उपचार के दौरान जानकारी दी कि उसके पति से उसका भरण पोषण और दहेज उत्पीड़न का विवाद चल रहा है। वह दिल्ली से तारीख पर आई थी। दीवानी के गेट पर उसके पति रत्नेश ने उसे गोली मारी। कोतवाली प्रभारी विक्रम सिंह का कहना है कि मामले की तहरीर नहीं आई है। महिला को गंभीर होने पर सैफई रेफर कराया गया है।

बैल कोल्हू की रिफाइनरी में कूलिंग पाइप लाइन के पास लगी आग, फैक्ट्री में अफरा-तफरी

बरेली। यूपी में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच बरेली के बैल कोल्हू की रिफाइनरी में भीषण आग गई। आग से रिफाइनरी में भगदड़ सी मच गई। आनन-फानन में रिफाइनरी के अंदर मौजूद कर्मचारी आग को बुझाने में जुट गए, लेकिन आग भड़कते चली गई। इस हादसे में दो कर्मचारी बुरी तरह से झुलस गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बरेली में शनिवार दोपहर बैल कोल्हू की रिफाइनरी में कूलिंग पाइप लाइन के पास अचानक लगी आग से अफरा तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार पाइप लाइन में तेल चिपका होने की वजह से आग लगातार भड़क रही थी। आग लगने की घटना के बाद फैक्ट्री गेट पर तैनात गार्ड ने नो एंट्री लगा दी। बाहर से आने वाले किसी भी व्यक्ति को अंदर आने की इजाजत नहीं दी गई। मीडिया समेत बाहरी लोगों को जाने पर भी फैक्ट्री प्रबंधन ने रोक लगा दी। फैक्ट्री में लगी आग को बुझाने के दो कुछ कर्मचारी आगे बढ़े लेकिन सफलता हाथ नहीं लग सकी, हालांकि दो कर्मचारी आग से बुरी तरह से झुलस गए। इसके बाद फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका तब तक बीएल फैक्ट्री में अफरा तफरी मची रही। हालांकि आग से कितना नुकसान हुआ है इसको लेकर जब फैक्ट्री प्रबंधन से जानकारी चाही गई तो उसने बात करने से इनकार कर दिया।

बुलडोजर की हनक दिखाकर वसूलते थे रुपए, दो युवक अरेस्ट, भेजे गए जेल

सोनभद्र। सोनभद्र जिले में बुलडोजर की हनक दिखाकर वसूली कर रहे दो युवकों को शनिवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान कर दिया। पुलिस के मुताबिक ग्रामीणों से सूचना मिली कि बीना बस स्टैंड रोड के किनारे बने मकानों दुकानों पर चिन्ह लगाकर बुलडोजर चलवा कर मकान गिराने का भय दिखाकर लोगों से पैसे ले रहे हैं। सूचना मिलने पर शक्तिनगर थाना प्रभारी मिथिलेश मिश्रा के साथ उप निरीक्षक राजेश कुमार यादव,उप निरीक्षक पारसनाथ यादव, विमलेश कुमार,आदर्श शुक्ला ने घेराबंदी कर दोनों युवकों को बीना महाप्रबंधक कार्यालय के समीप से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पुलिस को अपना नाम क्रमशः राना कुमार व अमरेश राज निवासी रेहटा अनपरा बताया। बुलडोजर की हनक दिखाकर पैसा वसूलने की बात भी उक्त युवकों ने अपना कबूला। पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर चालान कर दिया।

शाहजहांपुर : सड़क दुर्घटना में सब इंस्पेक्टर की मौत, सिपाही घायल

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में गश्त पर निकले एक पुलिस उप निरीक्षक और एक सिपाही दुर्घटना में घायल हो गए जिसमें उपचार के दौरान सब इंस्पेक्टर की मौत हो गई है। पुलिस अधीक्षक एस आनंद ने शनिवार को बताया कि थाना जलालाबाद में तैनात उप निरीक्षक पवन सिंह (48) शुक्रवार की रात 11 बजे सिपाही मनोज के साथ बाइक पर गश्त कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जब दोनों नगरिया मोड़ पर पहुंचे तो जानवरों के एकाएक सड़क पर आ जाने से उन्होंने बचने का प्रयास किया, लेकिन तभी पीछे से आ रही डीसीएम ने उन्हें टक्कर मार दी। इस टक्कर के कारण गिरने के बाद पीछे से आई कार ने उन्हें कुचल दिया। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस ने पहुंचकर गंभीर रूप से घायल उप निरीक्षक सिंह तथा सिपाही मनोज को अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान सब इंस्पेक्टर की मौत हो गई वहीं सिपाही का इलाज किया जा रहा है। एसपी ने बताया कि पुलिस ने हादसे में टक्कर मारने वाले दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है जबकि उनके चालक फरार हो गए हैं। वहीं मृतक सब इंस्पेक्टर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जौनपुर में ट्रक में घुसी बाइक, एक मरा दो गंभीर

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के शाहगंज कोतवाली क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े ट्रक में बाइक के टकराने से तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिनमें से एक की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि सबरहद गांव निवासी हेमन्त राम (18), रोहित प्रजापति (18) और हेमन्त कुमार (23) शुक्रवार की रात 11 बजे एक ही बाइक से वैवाहिक समारोह में जा रहे थे। ताखा पश्चिम गांव के समीप सड़क के किनारे खड़े ट्रक में बाइक टकरा गई। जिसमें तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को राजकीय चिकित्सालय ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने हेमन्त कुमार को मृत घोषित कर दिया। उन्होने बताया कि वहीं दोनों युवकों की हालत गंभीर देख जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया।

अतिक्रमण पर योगी सख्त,दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

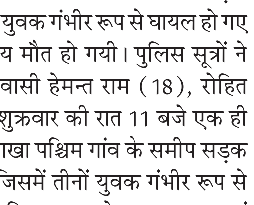

लखनऊ। सड़क,कालोनी को अतिक्रमण का अड्डा बनाने वालों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निगाहें टेढ़ी हो चुकी है। उन्होने व्यापारी तथा आमजनों से संवाद स्थापित करते हुये अतिक्रमण करने वाले माफिया तत्वों से कड़ाई से निपटने के निर्देश जारी किये हैं। योगी ने शनिवार को उच्च अधिकारियों की टीम-09 की बैठक में कहा कि अवैध टैक्सी स्टैंड, बस स्टैंड, रिक्शा स्टैंड आदि को तत्काल समाप्त कराया जाए। ऐसे स्टैंड पर अवैध वसूली और माफिया/आपराधिक प्रवृत्ति के तत्वों की संलिप्तता होती है, इनकी पहचान कर बिना विलम्ब कठोरतम कार्रवाई की जाए। पार्किंग की स्थायी जगह सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि सड़कों पर अतिक्रमण की समस्या को समाप्त करना होगा। स्थानीय प्रशासन के अधिकारी व्यापार मंडलों के साथ संवाद कर इसका समाधान सुनिश्चित कराएं। पटरी व्यवसायियों के लिए स्थान का चिन्हांकन करते हुए उनके पुनर्वास की विधिवत व्यवस्था की जाए। व्यापारियों से संवाद बनाकर यह सुनिश्चित कराएं की हर दुकान अपनी सीमा के भीतर ही हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि यातायात विभाग के वरिष्ठ अधिकारी फील्ड में उतरें। शासन स्तर के विभागीय अधिकारी जिलों में जाएं। पार्किंग, यातायात आदि की व्यवस्था का आकलन करें। स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर व्यापारियों से संवाद करें। हर विकास प्राधिकरण/नगरीय निकाय में टाउन प्लानर की तैनाती की जाए। परियोजनाओं का निर्धारण करते समय आगामी 50 वर्षों की स्थिति को ध्यान में रखें। अवैध कॉलोनियों को विकसित न होने दें।

परिवार को कम से कम एक रोज़गार देने की दिशा में योगी सरकार का बड़ा कदम

लखनऊ। योगी प्रदेश भर के लोगों के सामाजिक और आर्थिक स्थिति की स्थिति के सटीक आंकलन के लिए परिवार कार्ड बनाने जा रही है। यह कार्ड आधार से लिंक होगा। एक परिवार को कम से कम एक रोजगार की दिशा में यह कार्ड बड़ा कदम साबित होगा। परिवार कार्ड बनने तक राशन कार्ड को ही आधार माना जाएगा।

संकल्प पत्र में अगले पांच वर्षों में एक परिवार को कम से कम एक रोजगार देने का संकल्प लिया था। इसके लिए योगी सरकार लगातार प्रयत्नशील है। सरकार विभिन्न योजनाओं और रिक्त पदों पर भर्ती करके इसे पूरा करने में जुटी हुई है। इसके लिए सरकार को प्रदेश में सभी परिवारों की सामाजिक और रोजगार संबंधी स्थिति की जानकारी आवश्यक है।

योगी सरकार इसके लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार सभी परिवारों का कार्ड बनाने जा रही है। इस कार्ड में परिवार के बारे में सभी जानकारियां दर्ज होंगी। परिवार में कितने सदस्य हैं, उनकी उम्र क्या है, कौन-कौन नौकरी करता है या रोजगार से जुड़ा हुआ है, यह सभी जानकारियां दर्ज होंगी। परिवार कार्ड को आधार से लिंक किया जाएगा। इस आधार पर सरकार के पास सटीक जानकारी होगी कि किन परिवारों में एक भी व्यक्ति रोजगार से नहीं जुड़ा हुआ है। परिवार की सामाजिक स्थिति क्या है। इस आधार पर सरकार अपनी विभिन्न रोजगार योजना से जोड़कर रोजगार उपलब्ध कराएगी। यह इस दिशा में योगी सरकार का बड़ा कदम साबित होगा।

जबतक लोगों का परिवार कार्ड नहीं बन जाता है तब राशन कार्ड को ही आधार माना जाएगा।

जन्म प्रमाण मामले में आज़म अदालत में हुये पेश

रामपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक मोहम्मद आजम खान शनिवार को जन्म प्रमाणपत्र मामले की सुनवाई के लिये एमपी-एमएलए कोर्ट के सामने पेश हुये। आजम शुक्रवार को 26 महीने 24 दिन बाद अंतरिम जमानत पर सीतापुर कारागार से रिहा होकर रामपुर पहुंचे थे।उन पर 88 मुकदमें विभिन्न मामलों में दर्ज हैं। आज अपने घर से आजम खान पेशी के लिए कोर्ट पहुंचे। आजम खान के साथ उनके समर्थकों की भीड़ मौजूद रही। इस दौरान जन्म प्रमाण पत्र के वादी और आजम के ज्यादातर मुकदमों में वादी भाजपा नेता आकाश सक्सेना उर्फ हनी भी कोर्ट पहुंचे। आजम के साथ उनके विधायक बेटे अब्दुल्ला आजम भी मौजूद रहे। वो भी इस मामले आरोपी हैं। आज जन्म प्रमाण पत्र और पासपोर्ट मामले में सुनवाई की गई, जिसके तहत एमपी एमएलए कोर्ट में दोनों नेता मौजूद रहे। एमपी एमएलए कोर्ट में आजम खान के खिलाफ कई मामलों के साथ दो जन्म प्रमाण पत्र और दो पासपोर्ट मामला भी विचाराधीन है। भाजपा नेता आकाश सक्सेना उर्फ हनी ने वर्ष 2019 में थाना गंज में दो जन्म प्रमाण पत्र होने की शिकायत करते हुए मुकदमा दर्ज करवाया था। इस मामले में आजम खान उनकी पत्नी डा तज़ीन फातिमा और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को आरोपी बनाया गया था। भाजपा नेता आकाश सक्सेना का आरोप है कि अब्दुल्ला आजम ने फर्जी जन्म प्रमाण पत्र लगाकर कम आयु होने के बावजूद विधानसभा चुनाव लड़ा था और चुनाव में विजयी हुए थे, जिसको लेकर न्यायालय ने विधानसभा सीट रिक्त कर दी थी और यह मामला एमपी एमएलए एसीजेएम फर्स्ट में विचाराधीन है।

दरोगा भर्ती परीक्षा पास करने के लिए बैठाए थे सॉल्वर, 16 अभ्यर्थी गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ में महानगर पुलिस ने दरोगा भर्ती ऑनलाइन परीक्षा सॉल्वर की मदद से पास करने वाले 16 अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है। जिनमें तीन युवतियां भी शामिल हैं। सभी आरोपी 35वीं वाहिनी पीएसी में शारीरिक मापदंड और दस्तावेज चेकिंग के लिए आए हुए थे।

इंस्पेक्टर महानगर दिनेश चन्द्र मिश्र के मुताबिक मुफ्फरनगर निवासी हर्ष बालियान, शिवम बालियान, बिहार पटना निवासी रंजन कुमार, भोजपुर निवासी अमित गुप्ता, लखीमपुर खीरी निवासी उत्तम कुमार, फिरोजाबाद निवासी अमरनाथ सिंह, शिवेंद्र सिंह, प्रयागराज निवासी अरविंद कुमार, मुरादाबाद निवासी अरविंद, उन्नाव निवासी सौरभ कुमार, राजस्थान निवासी विश्वेंद्र सिंह, फिरोजाबाद निवासी राजपाल सिंह और अलीगढ़ निवासी शिवम कुमार को पकड़ा गया है। इसके साथ ही बागपत निवासी पूजा, निकिता और बागपत दोघट निवासी कुमारी पूजा को पकड़ा गया है। इंस्पेक्टर के मुताबिक सभी आरोपियों ने ऑनलाइन परीक्षा पास करने के लिए रुपये देकर सॉल्वर बैठाए थे। 35वीं वाहिनी पीएसी में चेकिंग के दौरान अभ्यर्थियों की कॉल लाग रिकॉर्ड में अंतर मिला था।

ऑक्सीजन सिलेंडर उतारते समय आगरा में विस्फोट, एक मजदूर की मौत

आगरा। यूपी के आगरा में ऑक्सीन सिलेंडर उतारते समय बड़ा हादसा हो गया। शहर की अतुल फैक्ट्री में ऑक्सीजन से भरे सिलेंडर उतारते समय एक सिलेंडर के फट जाने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। इस पर मजदूरों ने मुआवजे के लिए हंगामा काटा। घटना नुनिहाई स्थित अतुल फैक्ट्री सुबह करीब 10:30 बजे में हुई। ऑक्सीजन सिलेंडर से भरी गाड़ी को जब फैक्ट्री के अंदर खाली किया जा रहा था तब उसी समय एक सिलेंडर फट गया। सिलेंडर फटने के बाद रूपेश पुत्र छोटेलाल उम्र 28 वर्ष निवासी बांस गोदाम की चपेट में आने की वजह से घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

बाहुबली विजय मिश्रा पर कसता शिकंजा, भतीजे व डीघ ब्लॉख प्रमुख के दो मकान सीज

लखनऊ। ज्ञानपुर के पूर्व विधायक विजय मिश्रा के कुनबे पर प्रशासन का शिकंजा जारी है। इसी कड़ी में शनिवार को पुलिस की टीम ने ऊंज थाना क्षेत्र के नवधन गांव पहुंचकर डीघ ब्लॉक प्रमुख मनीष मिश्रा के दो मंजिला मकान को सीज किया। मकान की कीमत एक करोड़ 88 लाख रुपये से अधिक आंकी जा रही है।

बता दें कि ब्लॉक प्रमुख पर प्रयागराज निवासी एक दलित महिला ने काम दिलाने के बहाने गैंग रेप करने का आरोप गत वर्ष लगाया था। एसपी के आदेश पर मामले में गोपीगंज थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज है। इस बीच प्रदेश सरकार की ओर से अपराधियों के विरुद्ध किए जा रहे कार्रवाई के तहत उन पर जिला प्रशासन ने गैंगस्टर की कार्रवाई की है।

सीओ ज्ञानपुर, प्रभारी निरीक्षक गोपीगंज व ऊंज मयफोर्स शनिवार को जीटी रोड नवधन गांव पहुंचे। इस दौरान अफसरों ने जिला अधिकारी की ओर से मिले आदेश की कॉपी उनकी पत्नी को दिखाया। उसके बाद दो मंजिला मकान को सील करने की कार्रवाई की गई।

सीओ ने बताया कि उनकी पत्नी व मकान में बांधे गए मवेशियों को बाहर करा दिया गया है। जिला अधिकारी के आदेश पर कार्रवाई की गई है। उधर मकान सीज किए जाने की कार्रवाई के दरमियां आसपास के गांव से बड़ी तादाद में लोग मौके पर एकत्रित हो गए थे। उल्लेखनीय है कि विजय मिश्रा, उनकी पत्नी रामलली मिश्रा, बेटी एडवोकेट रीमा मिश्रा व भतीजे मनीष मिश्रा पर गत दिनों ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे की हत्या की साजिश का भी आरोप लगा था।

मामले से संबंधित वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। प्रकरण में पूर्व विधायक समेत सभी आरोपों के खिलाफ संबंधित धारा मुकदमा दर्ज किया गया है।

बदायूं : मंदिर के बरामदे में फंदे पर लटके मिले प्रेमी-प्रेमिका के शव, इलाके में सनसनी

एजेंसी

बदायूं। बदायूं जिले में उसावां थाना क्षेत्र के गांव मंशा नगला स्थित एक मंदिर के बरामदे में कुंडे पर फंदे से प्रेमी युगल के शव लटके मिलने से सनसनी मच गयी है। गांव में हत्या की आशंका को लेकर चर्चाएं हैं। पुलिस इसे आत्महत्या के एंगिल से देखकर जांच कर रही है। एसपी सिटी ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और फंदे से शवों को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस का दावा है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। मृतकों के घर में कोहराम मचा हुआ है। दोनों ही अलग-अलग जाति से संबंध रखते हैं। गांव मंशा नगला निवासी 17 वर्षीय किशोरी के पिता बिहार में रहकर मजदूरी करते है।

वह अपनी मां और छोटे भाई के साथ मंदिर परिसर के एक कमरे रहती थी। इसी थाना क्षेत्र के पड़ोस के गांव धर्मपुर निवासी विकेश 18 वर्ष पुत्र मुनेंद्र के प्रेम संबंध युवती से थे।

मगर इस बात की भनक गांव के लोगों को नहीं थी। शनिवार सुबह किशोरी और युवक के शव एक साथ मंदिर के बरामदे में फांसी के फंदे से लटके मिले। घटना की भनक लगते ही दोनों गांव के लोग मौके पर पहुंच गए। इधर, थाना पुलिस के बाद एसपी सिटी प्रवीण सिंह चौहान घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लेते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। घटना को लेकर परिजन खामोश हैं। प्रेमी युगल कब घर से बाहर निकले, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। इधर गांव में हत्या को लेकर भी आशंका व्यक्त की जा रही है।

बरामदे से मिली बीयर की बोतल

पुलिस को घटनास्थल से एक बीयर की बोतल और कीटनाशक दवा का पैकेट मिला है। पुलिस ने दोनों को ही साक्ष्य के तौर पर प्रिजर्व कर लिया है।

किशोर न्याय बोर्ड की मांग को लेकर औरैया में वकीलों का प्रदर्शन

एजेंसी

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया शहर में जिला न्यायालय के पास किशोर न्याय बोर्ड की स्थापना की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने शनिवार को कार्य से विरत होकर न्यायालय के मुख्य गेट पर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की।

जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश राजपूत ने कहा कि ककोर में स्थापित किशोर न्याय बोर्ड से वादकारियों को लगातार हो रही दिक्कतों के कारण अधिवक्ताओं में भारी नाराजगी है। औरैया शहर में जिला न्यायालय के पास किशोर न्यायालय को स्थापित करने को लेकर जिला बार एसोसिएशन ने जिलाधिकारी को कई बार मांग पत्र सौंपा, फिर भी अभी तक उक्त न्यायालय को औरैया में स्थापित न किया जाना चिंताजनक है।

महामंत्री प्रदीप कुमार तिवारी ने कहा कि किशोर न्याय बोर्ड को ककोर में स्थापित करना कत्तई प्रासंगिक नहीं हैं। अन्य सभी अदालतें औरैया में स्थापित हैं जबकि किशोर न्याय बोर्ड को ककोर में स्थापित कर दिया गया है। इससे वादकारियों और अधिवक्ताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

लायन सफारी की शान नौ बच्चों का पिता 'मनन' की हालात नाजुक

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा सफारी पार्क में एशियाटिक शेरों की शान माने जाने वाले 'मनन' शेर की हालात नाजुक हो गई है। उसे कैंसर की आशंका जताई जा रही है।

मनन शेर की हालात बिगड़ने के बाद विशेषज्ञ डॉक्टरों सपर्क स्थापित कर परीक्षण शुरू कर दिया गया है। कैंसर की आशंका के तहत बायोप्सी रिपोर्ट के मद्देनजर लखनऊ और बरेली नमूना भेजा गया है।

सफारी पार्क के उपनिदेशक अरुण कुमार सिंह ने मनन शेर के बीमार होने की पुष्टि करते हुए शनिवार को यूनीवार्ता को बताया कि मनन की हालत चिंताजनक बनी हुई है, जिसे लेकर सफारी प्रशासन भी चिंतित है। मनन के शरीर पर पिछले काफी दिनों से एक गांठ है और ऐसी आशंका है कि यह कैंसर हो सकता है। इसके लिए उसकी बायोप्सी कराई जा रही है जिसका नमूना भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान बरेली को भेज दिया गया है।

शेर मनन को 11 अप्रैल 2014 को गुजरात से इटावा लाया गया था। वर्ष 2018 में मनन के शरीर पर एक गांठ देखी गई थी। इसे लेकर उसकी गांठ की जांच जनवरी 2018 में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान बरेली में कराई गई थी।

इसकी रिपोर्ट भी आ गई थी जिसमें बीमारी बताते हुए ऑपरेशन के लिए सक्षम स्तर से निर्णय लिए जाने की बात कही गई थी।

सिंह ने बताया कि उसके बाद से कोविड का प्रकोप हो जाने के कारण ऑपरेशन नहीं हो सका। अब इस गांठ वाले भाग में कुछ बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही मनन को स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याएं भी होने लगी हैं।

उन्होने बताया कि लगातार स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कानपुर प्राणि उद्यान से डा. नासिर इटावा सफारी आए है, जिनकी निगरानी में इलाज चल रहा है। एक बार फिर पैथोलाजिकल जांच के बाद नमूना बायोप्सी की जांच के लिए भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान बरेली भेजा गया है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर भीषण सड़क हादसा

डिवाइडर पर चढ़ी बस, बस चालक की मौत, दो दर्जन घायल

एजेंसी

आगरा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर शनिवार की सुबह एक बस बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे में लगभग दो दर्जन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में चालक की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुँची यूपीडा व नसीरपुर पुलिस ने इलाज के लिए सयुक्त जिला अस्पताल पहुचाया। जहां पर 4 यात्रियों की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया।

एक लग्जरी बस यात्रियों को बस्ती से लेकर नोयडा दिल्ली के लिए जा रही थी। बस में लगभग 60 सवारियां भारी हुई थी। रात का सफर होने के कारण सभी यात्री गहरी नींद में सोए हुए थे। बस आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे के नसीरपुर थाना क्षेत्र में पहुँची ही थी कि तभी बस बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसा होते ही सवारियां के सिर लोहे के एंगिल से टकरा गए। हादसा होते ही बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही यूपीडा के साथ ही थाना नसीरपुर पुलिस मौके पर पहुँच गई। हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने हादसे में घायलों को निकालकर शिकोहाबाद के अस्पताल भेज दिया।

हादसे में 23 यात्री घायल हो गए। घायलों में 4 की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया।

अनुमान लगाया जा रहा है कि चालक को सुबह नींद का झोंका आने से हादसा हुआ है। पुलिस ने बस को एक्सप्रेस वे से हटाकर नसीरपुर कट के पास खड़ा कर दिया।

हादसे में घायल

घायल हुए लोगों में सुनीता 35 पत्नी सुभोज निवासी चैनपुरवा नागा बाजार बस्ती, रामसहाय 63 पुत्र भागू निवासी इटाली बस्ती, मलती पत्नी रामसहाय, मयंक पुत्र मनोज कुमार, खुशी पुत्री सुभोज, राजमन गुप्ता पुत्र राज बाहर गुप्ता निवासी सुब्राह बरड़िया बस्ती, फॉर्मिदा पत्नी सिराजुल निवासी कुसुमा डुमरियागंज सिद्धार्थनगर, हिमांशु पुत्र शिवशंकर, सलमान पुत्र सुराजुल हक सोंनिया बिहार दिल्ली, अनामिका पुत्री मनोज कुमार निवासी देवपुरवा बस्ती, मंडल कुमार पुत्र छेदी लाल निवासी नई बादली बस्ती, राज पुत्र इंद्रकुमार, रोमी पुत्री ईश्वरी गरिहरा पालम झारखंड, सुनील कुमार पुत्र गोविंद, अर्णव पुत्र हरिओम हटवान बनकटी लालगंज बस्ती, शांतिदेवी पत्नी संतोष, रामादेवी पत्नी प्रेम कुमार निवासी आजाद नगर, आशीष पुत्र प्रेम कुमार निवासी आजाद नगर जगदरी, लक्ष्मी पत्नी गौतम निवासी आजाद नगर, आरव पुत्र राज निवासी आजाद नगर हैं।

इस बारे में उपनिरीक्षक नसीरपुर रणवीर सिंह का कहना है कि हादसे में दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। जिनमें बस के चालक रहीस की मौत हो गई है। अभी चालक का नाम ही पता चला है।

यूपी में 10 जून तक दस्तक देगा मानसून, 10 फीसदी अधिक बारिश का अनुमान

लखनऊ। फरवरी में ही गर्मी का अहसास, मार्च में ही पारा 40 के पार, अप्रैल में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंचना, मई में दिन पर दिन रंग बदलता मौसम। रात के तापमान में इजाफा...। मौसम विज्ञानी इसे मानसून के अपने समय से पहले दस्तक देने के संकेत मान रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का दीर्घकालिक पूर्वानुमान बता रहा है कि उत्तर प्रदेश पर इस बार मानसून मेहरबान रहेगा। इसकी दस्तक भी समय से पहले होगी। राजधानी में इस बार मानसूनी बरसात औसत से अधिक यानी 900 मिलीमीटर होने की संभावना जतायी गयी है। पूरे राज्य में इस बार मार्च से ही भीषण गर्मी का प्रकोप शुरू था। आखिर में बांदा, आगरा, झांसी, प्रयागराज, हमीरपुर, लखनऊ में तो दिन का तापमान 45-45 डिग्री तक पहुंच गया था। अप्रैल में गर्मी ने कई जिलों में रिकॉर्ड तोड़ दिये। आगरा में तापमान 47.3 डिग्री और बांदा में 49 डिग्री तक तक पहुंच गया। लखनऊ में तापमान 45.3 डिग्री तक गया। मई की शुरुआत में पश्चिमी विक्षोभों के कारण बूंदाबांदी और ठण्डी हवाओं के कारण गर्मी से मामूली राहत मिली। इसके बाद मई के दूसरे सप्ताह से भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया। दिन का तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है।

बलिया से 15 जून को दाखिल होगा मानसून

पुणे में मल्टी-मॉडल एक्सटेंडेड रेंज प्रिडिक्शन सिस्टम (एमएमएआरपीएस) का इस्तेमाल कर मौसम विज्ञानियों ने अनुमान लगाया है कि इस बार मानसून पहले से बेहतर होगा। उत्तर प्रदेश को यह जमकर भिगोएगा। उत्तर प्रदेश में बलिया के रास्ते मानसून की आमद 15 जून के आसपास होती है। इसी समय राजधानी में प्री-मानसून एक्टीविटी शुरू हो जाती हैं। पर इस बार उत्तर प्रदेश में 10 जून के आसपार मानसून के दस्तक देने की संभावना है। वहीं राजधानी में इसकी आमद 15 से 18 जून के बीच हो सकती है।

23 से विक्षोभ देंगे राहत

पूर्वी यूपी के ऊपर बन रहा सरकुलेशन 23 मई से गर्मी से राहत देगा। इसके बाद अफगानिस्तान और पाकिस्तान के ऊपर बन रहे पश्चिमी विक्षोभ का असर भी राजधानी और आसपास के जिलों पर पड़ेगा। इससे अगला सप्ताह गर्मी से राहत भरा होगा।

लखनऊ मौसम विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि पहले तो पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर सरकुलेशन से राज्य के कई जिलों को गर्मी से राहत मिलेगी। इसके बाद पश्चिमी विक्षोभों के कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों का मौसम बदलेगा। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के ऊपर तैयार पश्चिमी विक्षोभों का रुख जम्मू एवं कश्मीर की तरफ है।

लखनऊ मौसम विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि इस झुलसाती गर्मी से लोगों को जल्दी ही राहत मिल सकती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस बार मॉनसून थोड़ा पहले ही आ सकता है।

उत्तर प्रदेश के अलावा दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड समेत कई राज्यों को गर्मी से राहत मिलेगी।

शार्ट न्यूज

ऊबर ने की नई उत्पाद सुविधाओं की घोषणा

नयी दिल्ली। ऐप आधारित टैक्सी सेवायें प्रदान करने वाली कंपनी ऊबर ने आज ड्राइवरों एवं राइडर के लिए प्लेटफ़ॉर्म अनुभव को बेहतर बनाने के लिए नई उत्पाद सुविधाओं और पहलों की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि राइड कैंसिलेशन, राइड के दौरान एयर कंडीशनिंग चालू नहीं करना या ऑनलाइन भुगतान स्वीकार करने से मना करना आदि मुद्दों के समाधान के लिए नए उपाय शुरू किए हैं। ऊबर इंडिया के हेड ऑफ सेंट्रल ऑपरेशंस नीतीश भूषण ने कहा, ऊबर में, हमारा उद्देश्य ड्राइवरों और राइडर के लिए सुरक्षा और विश्वसनीयता का माहौल बनाना है, इसके अलावा कोई भी अनुभव हमें स्वीकार नहीं होगा। नई उत्पाद सुविधाओं में अपफ्रंट डेस्टिनेशन, लॉन्ग पिकअप फीस, डेली पेमेंट्स, कैश इंडिकेटर आदि शामिल हैं। इसके साथ ही हाल में ही हुए किराए में बढ़ोतरी का राइडर्स तथा ड्राइवर्स दोनों को एक अच्छा अनुभव देते हुए विश्वसनीय एवं उच्च गुणवत्ता वाली सेवा प्रदान करना है।

मेकमाईट्रिप पर 'बुक नाउ पे लेटर' की सुविधा

नयी दिल्ली। ऑनलाईन ट्रैवल कंपनी मेकमाईट्रिप ने होटल या विमान टिकट की बुकिंग के लिए बुक नाउ पे लेटर (बीएनपीएल) की सुविधा शुरू की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि मेकमाईट्रिप और गोआईबीबो ऐप पर उपलब्ध यह सुविधा भारतीयों द्वारा अपनी यात्रा का भुगतान करने के तरीके में परिवर्तन ले आएगी। मेकमाईट्रिप के फिनटेक इकाई ट्रिपमनी ने 15 फिनटेक कंपनियों और एनबीएफसी/बैंक के साथ एक मार्केटप्लेस स्थापित कर लिया है, जिनमें कैपिटल फ्लोट, ज़ेस्ट मनी, आईडीएफसी बैंक, किश्त, लेज़ीपे, सिंपल, एचडीएफसी बैंक आदि शामिल हैं। इस सुविधा द्वारा मुसाफिरों को यात्रा करने के लिए आसान क्रेडिट उपलब्ध हो सकेगा। बीएनपीएल प्रस्तुत करने के अलावा, कंपनी अग्रणी बैंकों द्वारा आसान ईएमआई सुविधा भी प्रदान करती है, ताकि मुसाफिरों को ज्यादा लचीलापन और भुगतान विकल्प उपलब्ध हो सकें। प्लेटफॉर्म द्वारा बीएनपीएल का विकल्प चुनने की प्रक्रिया सुगम व आसान है। बुकिंग के वक्त बिना कोई भुगतान किए सफर करने के इच्छुक मुसाफिरों को पार्टनर एनबीएफसी और बैंकों द्वारा कुछ ही सेकंड में शॉर्ट टर्म क्रेडिट दिया जाएगा। इस प्रक्रिया के लिए बैंक व एनबीएफसी एक अंडरराईटिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करेंगे, जिसमें डेटा साईंस मॉडल का इस्तेमाल कर ऋण के लिए ग्राहक की पात्रता या साख़ का मूल्यांकन किया जाता है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर का सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

नयी दिल्ली। देश में कोरोना महामारी के कारण दो साल के बाद स्कूल फिर से खुल रहे हैं, ऐसे में दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने नागरिकों को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरुक बनाने के लिए अपने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान को आगे बढ़ाया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि गाज़ियाबाद के राधा कृष्णा पब्लिक स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय शिविर में 2100 से अधिक स्कूली छात्रों एवं स्टाफ ने हिस्सा लिया और सुरक्षित राइडिंग के गुर सीखे। एचएमएसआई के रोड सेफ्टी इंस्ट्रक्टर्स ने प्रतिभागियों की उम्र को ध्यान में रखते हुए उचित सड़क सुरक्षा लर्निंग प्रोग्राम के माध्यम से सभी को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरुक बनाया। कंपनी ने कहा कि सड़क सुरक्षा शिक्षा, सड़क सुरक्षा की मानसिकता विकसित करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीयों को सड़कों पर सुरक्षित बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत बनाते हुए अपने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान के तहत ऑन-ग्राउण्ड सड़क सुरक्षा ट्रेनिंग फिर से शुरू कर दी गयी है। इस अभियान के माध्यम से बच्चों को कल के सुरक्षा दूत के रूप में शिक्षित करना है साथ ही व्यस्कों को भी सड़क सुरक्षा का महत्व समझाया जा रहा है।

आईजीएल ने सीएनजी के दाम बढ़ाएं

नयी दिल्ली। महंगाई की मार के बीच इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने जनता को एक ओर झटका दे दिया है। कंपनी ने दिल्ली में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) के दाम में दो रुपये प्रति किलो की बढ़ोत्तरी कर दी है। कंपनी द्वारा शनिवार को जारी एक बयान के मुताबिक, इस वृद्धि के साथ राजधानी में सीएनजी के दाम 75.61 रुपये प्रति किलो हो गए हैं और दामों में की गयी बढ़ोतरी आज से लागू होगी। इस बढ़ोतरी के बाद नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी 78.17 रुपये प्रति किलो तथा गुरुग्राम में इसकी कीमत 83.94 रुपये किलो हो गई है। गौरतलब है कि पिछले 6 दिनों में दूसरी बार सीएनजी की कीमत बढ़ी है। इससे पहले 15 मई को सीएनजी के दाम 2 रुपये प्रति किलो बढ़े थे।

जिंसों में टिकाव

नयी दिल्ली। स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही दाल दलहन, मीठे के बाजार और अनाज मंडी में टिकाव देखा गया। इस दौरान वनस्पति तेल, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड और पाम ऑयल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में टिकाव रहा। अनाज : अनाज मंडी में भी स्थिरता रही। गेहूं और चावल के भाव पिछले कारोबार दिवस के स्तर पर टिके रहे। दाल-दलहन : चना 4500-4600, दाल चना 5500-5600, मसूर काली 8600-8700, मूंग दाल 8800-8900, उड़द दाल 9900-10000, अरहर दाल 8200-8300 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2270-2370 रुपये और चावल : 2500-2600 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3560-3670, चीनी एम. 3700-3800, मिल डिलीवरी 3440-3540 और गुड़ 3500-3600 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 19047 रुपये, मूंगफली तेल 20805 रुपये, सूरजमुखी तेल 20952 रुपये, सोया रिफाइंड 18388 रुपये, पाम ऑयल 16923 रुपये और वनस्पति तेल 18095 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

मोबाइल ने शेयर बाजार को बना दिया है जुए का अड्डा, एक्सपर्ट विजय केडिया क्यों जता रहे हैं चिंता?

नई दिल्ली। विजय केडिया ने कहा शेयर बाजार इस तरह व्यवहार इसलिए कर रहा है क्योंकि आजकल हर किसी के हाथ में जुआ खेलने वाला एक डिवाइस या स्मार्ट फोन आ गया है. हाथ में मोबाइल फोन के जरिए ट्रेडिंग करने वाले 95 फ़ीसदी लोग अब सटोरिए की तरह व्यवहार करने लगे हैं. सिर्फ भारत में नहीं यह दुनिया में देखा जा रहा है.शेयर बाजार में ट्रेड करना अब मोबाइल पर तीन पत्ती या पोकर जैसे गेम खेलने की तरह हो गया है. मुंबई के दिग्गज निवेशक विजय केडिया मिडकैप शेयरों के बादशाह माने जाते हैं. विजय केडिया आकर्षक वैल्यूएशन पर मिडकैप शेयर की पहचान कर उससे शानदार कमाई करने के लिए मशहूर हैं. विजय केडिया ने कहा कि पिछले 2 सालों में बहुत से नए ग्राहकों ने शेयर बाजार ज्वाइन किया है. केडिया ने कहा, शेयर ट्रेडिंग एप अब कैसीनो की तरह हो गए हैं. कॉलेज जाने वाले बच्चे और हाउसवाइफ भी अब टेक्निकल की बात करने लगे हैं. वह ट्रेडिंग कोर्स कर टेक्निकल चार्ट देखने लगते हैं और टेक्निकल चार्ट के हिसाब से शेयरों के मोमेंटम का अंदाजा लगाने लगते हैं. शेयरों के फंडामेंटल्स के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है. यह वास्तव में एक ड्रग की तरह हो गया है. विजय केडिया ने कहा है कि शेयर बाजार नियामक सेबी को फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग के लिए कड़े नियम लागू करना चाहिए और इसमें नए एवं छोटे निवेशकों को एंट्री नहीं देनी चाहिए. विजय केडिया ने कहा कि वह कुछ हफ्ते पहले एक एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ के जवान से मिले जिसने फ्यूचर एंड ऑप्शन में 15 लाख रुपए गंवा दिए. इसी तरह एक स्कूल टीचर ने उधार लेकर 42 लाख रुपए डुबा दिए हैं. विजय केडिया ने कहा है कि शेयर बाजार आपको आपके अनुमान के हिसाब से पे करता है अगर आप इसको जुए की तरह देखते हैं तो यह आपके लिए जुआ हो जाएगा. शेयर बाजार की मौजूदा कमजोरी इन्हीं सब परसेप्शन का परिणाम है।

शक्कर मजबूत, खाद्य तेलों में नरमी, दलहनों में बढ़त, दाल सस्ती, चावल में मांग

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर मजबूत बताई गई। खाद्य तेल नरमी लिए रहे। दलहन में ग्राहकी से भाव ऊंचे हुए। दाल सस्ती बिकी वहीं चावल में खरीदी सुधार लिए बताई गई।

किराना बाजार

शक्कर में उठाव रहा। आज शक्कर में कामकाज 3580 से 3620 रुपये के स्तर पर चला।

शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला तथा हल्दी में मांग रही। साबूदाना महंगा बिका।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल नरमी लिए रहे। आज पाम तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड सस्ता होकर बिका। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली बताई गई इससे भाव बने बताए गए।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन मजबूत बताए गए। मसूर ऊंचा होकर बिका। दालों में मंदा रहा। चावल में उठाव बना बताया गया।

किराना

शक्कर 3580 से 3620 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 185 से 205 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2100 से 3700 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 115 से 165 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4850 से 5450, पैकिंग में 5800 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल।

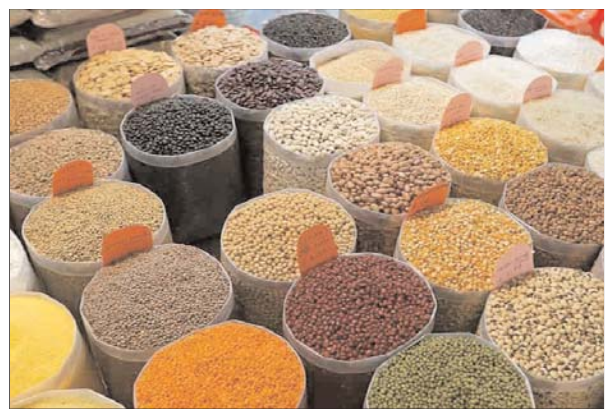

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6300 से 6400, रायडा 6200 से 6300 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1600 से 1620, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1550 से 1555, सोयाबीन साल्वेंट 1535 से 1540, पाम तेल 1630 से 1635 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 4800 से 4850, मसूर 6750 से 6775, तुअर निमाड़ी 5500 से 6100, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6200 से 6300, तुअर (कर्नाटक) 6500 से 6600, मूंग 6550 से 6650, मूंग हल्की 6000 से 6400, उड़द 6900 से 7000, उड़द मीडियम 5500 से 6200, उड़द हल्की 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 5800 से 6300, तुअर दाल सवा नंबर 8000 से 8100, तुअर दाल फूल 8200 से 8400, तुअर दाल नई 8700 से 9400, आयातित तुअर दाल 7800 से 7900, मसूर दाल 7850 से 8150, मूंग दाल 8400 से 8700, मूंग मोगर 8600 से 8900, उड़द दाल 8300 से 8600, उड़द मोगर 9100 से 9500 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1410 से 1420, मैदा 1360 से 1370, आटा 1310 से 1320, चना बेसन 3225 से 3250 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

अप्रैल में इंडिगो ने टाटा समूह की एयरलाइनों पर और बढ़त ली

नयी दिल्ली। इंडिगो ने अप्रैल में देश के अपने प्रतिद्वंदी एयरलाइनों पर बढ़त को और बड़ी करते हुए घरेलू बाजार में करीब 59 प्रतिशत बाजार पर अपना कब्जा बनाया। इस दौरान उसने 64.11 लाख यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया। दूसरे नंबर रहीं टाटा समूह की तीनों एयरलाइनों की सम्मलित बाजार हिस्सेदारी घटकर अप्रैल में 21.3 प्रतिशत रही।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इंडिगो ने गत मार्च में 58.61 लाख यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाया था और उस माह बाजार में उसकी हिस्सेदारी 54.8 प्रतिशत थी।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार टाटा समूह की तीनों एयरलाइनों-एयर इंडिया, एयर एशिया इंडिया और विस्तारा के यात्रियों की अप्रैल 2022 की संख्या एक माह पहले की तुलना में कम रही।

इन तीनों एयरलाइनों ने अप्रैल 2022 में अपने घरेलू नेटवर्क में 23.22 लाख यात्रियों को उड़ान सेवाएं दी जबकि मार्च में यह संख्या 25.90 लाख थी। टाटा समूह की अप्रैल में घरेलू बाजार में हिस्सेदारी 21.3 प्रतिशत रही जो मार्च में 24.2 प्रतिशत थी।

टाटा समूह ने अक्टूबर, 2021 में सरकारी एयरलाइन एयर इंडिया की प्रतिस्पर्धी बोली लगाकर जनवरी के अंत में इसका अधिग्रहण किया था।

विमानन क्षेत्र के एक अनुभवी ने कहा कि टाटा समूह के प्रदर्शन को इतनी जल्दी जांचना सही नहीं होगा क्योंकि वे अभी भी एयर इंडिया को व्यवस्थित करने में लगे हुए हैं।

उन्होंने नाम उजागर ना करने की शर्त पर कहा, एयर इंडिया को प्रतिद्वंदियों से आगे निकलने के लिए क्षमता में बढ़ोतरी करनी होगी। कंपनी ने हाल ही में एक नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। जिससे संचालन और वित्तीय प्रदर्शन में स्पष्ट बदलाव लाने में कुछ समय लगेगा।%

अप्रैल 2022 में घरेलू विमानन क्षेत्र में स्पाइसजेट की हिस्सेदारी 9.2 प्रतिशत और गोफर्स्ट की हिस्सेदारी 10.2 प्रतिशत रही।

स्पाइजेट और गोफर्स्ट की मार्च में हिस्सेदारी क्रमश: 9.5 प्रतिशत और 9.8 प्रतिशत थी।

घरेलू एयरलाइनों (एलायंस एयर को छोड़कर) ने जनवरी-अप्रैल 2022 के दौरान 22.58 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ कुल 356.80 लाख यात्रियों को उनके गंतव्यों तक पहुंचाया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान यह संख्या 291.08 लाख थी।

फिक्की अराइज स्कूलों को देगा उत्कृष्टता पुरस्कार

नयी दिल्ली। फिक्की अराइज ने सामाजिक सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्कूलों को मान्यता देने के लिए फिक्की अराईज एक्सीलेंस अवॉर्ड्स की शुरुआत की है। इसमें शिक्षा क्षेत्र, असमानता में कमी, जलवायु कार्रवाई और धरती पर जीवन के संबंध में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर विशेष ध्यान रखने के साथ सामाजिक नवाचारों में कार्य करने वाले स्कूलों को सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कारों के लिए आवेदनों का पंजीकरण शुरू हो चुका है और इसकी अंतिम तिथि 31 मई, 2022 होगी। फिक्की अराइज ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि ज?यूरी सदस्यों का एक विशेषज्ञ पैनल विभिन्न स्तरों पर आवेदनों का मूल्यांकन करेगा। इस पहल के माध्यम से नवाचार, प्रभाव, स्थिरता और मापनीयता के ज़रिए सामुदायिक सेवा में उत्कृष्टता के मानदंड स्थापित करने वाले स्कूलों को मान्यता प्रदान करना है। फिक्की अराईज के चेयरमैन शिशिर जयपुरिया ने कहा, फिक्की अराइज़ एक्सीलेंस अवॉर्ड्स के इस संस्करण की अवधारणा चैंपियंस ऑफ चेंज (बदलाव के विजेता) को मान्यता देने के लिए की गई है, जिन्होंने समुदाय को सेवा प्रदान करने में असाधारण करुणा और विनम्रता का प्रदर्शन किया है। फिक्की अराइज़, इस पहल के माध्यम से शिक्षा में स्थिरता और समावेशिता के प्रतिमान को पोषित करने और उसमें तेज़ी लाने का प्रयास करता है और सामाजिक परिवर्तन के लिए कार्रवाई को प्रेरित करता है।

भारत से कारोबार समेटने की तैयारी में मेट्रो, अंबानी-दमानी और टाटा से किया संपर्क

नई दिल्ली। जर्मनी की खुदरा विक्रेता मेट्रो एजी भारत से कारोबार समेटने की तैयारी में है। दरअसल, मेट्रो एजी भारतीय सहायक कंपनी मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए किसी साझेदार की तलाश कर रही है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने एक सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है।

सूत्र ने कहा कि मेट्रो एजी अपनी भारतीय इकाई की प्रगति की समीक्षा करने के बाद अब रणनीतिक बाहरी गठजोड़ की तलाश कर रही है। इस बारे में बैंकरों के साथ कुछ चर्चा हुई है। आपको बता दें कि भारत में मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया के पास 30 से अधिक स्टोर हैं।

अंबानी-दमानी-टाटा से संपर्क- इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मेट्रो एजी ने हिस्सेदारी बेचने के लिए मुकेश अंबानी की रिलायंस रिटेल, राधाकिशन दमानी की एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डी-मार्ट) और टाटा समूह से संपर्क किया है। इसके अलावा अमेजन, थाईलैंड के चारोन पोकफंड (सीपी) समूह, लुलु समूह और पीई फंड समारा कैपिटल से भी शुरुआती स्तर की बातचीत की गई है।

सूत्र के मुताबिक भारतीय व्यापार को अपना नेटवर्क बढ़ाने और अधिक स्टोर जोड़ने के लिए और अधिक निवेश की आवश्यकता है। वहीं, मेट्रो एजी के प्रवक्ता ने भी स्वीकार किया है कि कंपनी रणनीतिक विकल्पों की समीक्षा कर रही है।

मेट्रो एजी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (कॉरपोरेट संचार) गेर्ड कोस्लोव्स्की ने कहा, ''मेट्रो इंडिया एक बढ़ता हुआ व्यवसाय है, जिसमें थोक के लिए भारी संभावनाएं हैं। हम मेट्रो की मौजूदा थोक क्षमताओं को बढ़ाने और भारत में व्यापार वृद्धि में तेजी लाने के लिए संभावित भागीदारों के साथ विकल्पों की समीक्षा कर रहे हैं।''

विजय शेखर शर्मा बने रहेंगे पेटीएम के एमडी-सीईओ, बीमा कंपनी के गठन का ऐलान

नई दिल्ली। फिनटेक कंपनी पेटीएम के एमडी और सीईओ विजय शेखर शर्मा बने रहेंगे। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक इस पद के लिए विजय शेखर शर्मा को फिर से नियुक्त किया गया है। इसकी अवधि 18 दिसंबर, 2027 तक चलेगी। इसके अलावा चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर यानी सीएफओ मधुर देवड़ा को 19 मई, 2027 तक फिर से नियुक्त किया गया है।

साधारण बीमा कंपनी

वन97 कम्युनिकेशंस के निदेशक मंडल ने शनिवार को कहा कि उसने संयुक्त उद्यम में एक साधारण बीमा कंपनी गठित की है जिसमें वह अगले 10 वर्षों में 950 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। संयुक्त उद्यम का नाम पेटीएम जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पीजीआईएल) नाम है।

शुरुआत में वन97 कम्युनिकेशंस के पास पीजीआईएल में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी। बाकी 51 प्रतिशत हिस्सेदारी कंपनी के प्रबंध निदेशक विजय शेखर शर्मा की अगुआई वाली वीएसएस होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड (वीएचपीएल) के पास होगी। निवेश प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद पीजीआईएल में पेटीएम की हिस्सेदारी बढ़कर 74 प्रतिशत हो जाएगी जबकि वीएचपीएल की हिस्सेदारी घटकर 26 प्रतिशत रह जाएगी।

पेटीएम के बीमा कारोबार में उतरने का यह फैसला रहेजा क्यूबीई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का अधिग्रहण पूरा नहीं हो पाने के बाद लिया गया है। कंपनी निर्धारित समय में इस अधिग्रहण सौदे को पूरा नहीं कर पाई थी।

दावोस आर्थिक सम्मेलन में भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे पीयूष गोयल, साथ में होंगे मांडविया, पुरी

नयी दिल्ली। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की दावोस बैठक में भारतीय दल का नेतृत्व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल करेंगे। यह जानकारी वाणिज्य उद्योग मंत्रालय की शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में दी गयी है।

स्विटजरलैंड के गैर सरकारी मंच का वार्षिक सम्मेलन वहां पर्वतीय सैरगाह दावोस में इस बार 23-25 मई तक आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में दुनियाभर से शासन, उद्योग और व्यापार जगत तथा समाजिक और सांस्कृतिक तथा गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि एकत्रित होते हैं। डब्ल्यूईएफ की चर्चाओं में आर्थिक मुद्दों के अलावा पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन तथा महत्वपूर्ण समाजिक विषयों पर भी चर्चा होती है।

दावोस जाने वाले भारत के सरकारी प्रतिनिधिमंडल में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुखलाल मांडविया, पेट्रोलियम एवं आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी और छह राज्यों-मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना के वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी शामिल होंगे। भारतीय उद्योग जगत का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख लोगों में जुबिलैंट इनग्रेविया के हरि एस. भरतिया, भारत फोर्ज के अमित कल्याणी, भारती एंटरप्राइजेज के राजन भारती मित्तल, यूटीवी मीडिया समूह के रोनी स्क्रूवाला, इंफोसिस के सलिल एस पारेख वहां डब्ल्यूईएफ के विभिन्न सत्रों में भाग लेंगे।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का मानना है कि दावोस में भागीदारी से भारत को वैश्विक आर्थिक संवाद को दिशा देने में एक महत्वपूर्ण और सार्थक भागीदार के रूप में अपनी भूमिका और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। मंत्रालय का मानना है कि यह सम्मेलन भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश 2023 में जी-20 समूह की अध्यक्षता संभालने जा रहा है।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल के लिए वहां देश को निवेश के एक आकर्षक स्थल के रूप में प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। भारत दावोस में डब्ल्यूईएफ सम्मेलन में 22-26 मई तक रहेगा। इस दौरान वहां इंडिया लाउंज के साथ एक स्टेट लाउंज भी स्थापित किया गया है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि दावोस बैठक से पहले श्री गोयल ने राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों और उद्योग जगत के लोगों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की ताकि वहां के लिए भारत की ओर एक साझा एजेंडा प्रस्तुत किया जा सके। गोयल वहां से 26-27 मई को ब्रिटेन की यात्रा पर जाएंगे और वहां सरकार एवं उद्योग जगत प्रतिनिधियों के साथ भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत में प्रगति पर चर्चा करेंगे। पिछले दिनों प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की यात्रा के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने दोनों देशों के वार्ताकारों को एफटीए की वार्ता को दिवाली से पहले पूरा करने का लक्ष्य दिया था।

सरकार ने बांस के चारकोल पर से निर्यात प्रतिबंध हटाया

नयी दिल्ली, 20 मई (वार्ता) केंद्र सरकार ने बांस के चारकोल पर से निर्यात हटा लिया है। इससे कच्चे बांस का उपयोग सुधरने और बांस उद्योग को अधिक लाभ होने की उम्मीद है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि बांस के चारकोल का निर्यात बांस के कचरे का संपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करेगा और इस तरह बांस के कारोबार को और अधिक लाभदायक बनाएगा। कच्चे माल के रूप में बांस के चारकोल की अमेरिका, जापान, कोरिया, बेल्जियम, जर्मनी, इटली, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में काफी संभावनाएं हैं।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की अधिसूचना में कहा गया है कि बांस के चारकोल के निर्यात को अनुमति उचित दस्तावेज या मूल प्रमाण पत्र के आधार पर दी जाती है, इस दस्तावेज से पता लगना चाहिए की यह चारकोल बनाने के लिए उपयोग में लाया गया बांस वैध स्रोतों से प्राप्त किया गया है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि इस निर्णय से कच्चे बांस की उच्च लागत में कमी आएगी और ज्यादातर दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बांस आधारित उद्योग को आर्थिक रूप से लाभ होगा।

उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय बाजार में बांस के चारकोल की भारी मांग है और सरकार द्वारा निर्यात पर से प्रतिबंध हटाने से भारतीय बांस उद्योग इस अवसर का लाभ उठाने और वैश्विक स्तर पर भारी मांग का फायदा उठाने में सक्षम होगा। यह बांस के कचरे का अधिकतम उपयोग भी सुनिश्चित करेगा और इस प्रकार प्रधानमंत्री के कचरे से धन (वेस्ट टू वेल्थ) की परिकल्पना को साकार करने में योगदान देगा।

मंत्रालय ने कहा कि भारतीय बांस उद्योग वर्तमान में बांस के अपर्याप्त उपयोग के कारण अत्यधिक उच्च लागत की समस्या से जूझ रहा है।

देश में बांस का उपयोग ज्यादातर अगरबत्ती के निर्माण में किया जाता है। अगरबत्ती के निर्माण के क्रम में अधिकतम 16 प्रतिशत बांस का उपयोग बांस की छड़ें बनाने के लिए किया जाता है, जबकि शेष 84 प्रतिशत बांस पूरी तरह से बेकार हो जाता है।

गोल बांस की छड़ियों के लिए बांस की लागत 25,000 रुपये से लेकर 40,000 रुपये प्रति टन के दायरे में है, जबकि बांस की औसत लागत 4,000 रुपये से लेकर 5,000 रुपये प्रति टन है।

पावरग्रिड का चौथी तिमाही शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत बढ़कर 4,156 करोड़ रुपये

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकारी क्षेत्र की पावरग्रिड कॉरपोरेशन ने शनिवार को बताया कि 31 मार्च 2022 को समाप्त हुयी चौथी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत बढ़कर 4,156.44 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 3,526.23 करोड़ रुपये था।

कंपनी की जनवरी-मार्च 2022 तिमाही में परिचालन आय 10,686 करोड़ रुपये रही जो इससे पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 10,510.23 करोड़ रुपये थी।

पावरग्रिड को वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में 11,068 करोड़ रुपये की कुल आय प्राप्त हुयी।

इससे पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय 10,816 करोड़ रुपये थी।

कंपनी की समेकित आधार पर पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में 40 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16,824 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ और पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ परिचालन आय 42,698 करोड़ रुपये रही। पावरग्रिड ने बयान में कहा गया है कि कंपनी ने 10 रुपये वाले अंकित मूल्य शेयर पर 2.25 रुपये (22.5 प्रतिशत) का अंतिम लाभांश देने का प्रस्ताव किया है। इससे पहले वह प्रति शेयर 12.5 रुपये(125 प्रतिशत) की दर से अंतरिम लाभांश वित्त वर्ष 2021-22 में दे चुकी है।

पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी 14.75 रुपये का लाभांश दे रही है जो इससे पिछले वित्त वर्ष 9.75 रुपये था।

शार्ट न्यूज

महिला विश्व कप के लिए 13 टीमों ने अपना स्थान किया सुरक्षित

मुम्बई। इस महीने की शुरुआत में यूईएफए विमेंस अंडर-17 चैंपियनशिप के समापन के साथ तीन यूरोपीय देश मेजबान भारत, चाइना पीआर, जापान, न्यूजीलैंड, अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको, ब्राजील, चिली और कोलंबिया के साथ भारत में होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप इंडिया 2022 में खेलने वाले देशों में शामिल हो गए हैं। सीएएफ के सदस्य संघों - कैमरून, तंजानिया, इथियोपिया, नाइजीरिया, घाना और मोरक्को के बीच तीन और स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा होनी है। 16 टीमें इस साल अक्टूबर में भारत में पहली बार होने जा रहे फीफा अंडर-17 विमेंस वर्ल्ड कप इंडिया में हिस्सा लेंगी। 24 जून को ज्यूरिख में फीफा अंडर-17 विमेंस वलर्ड कप इंडिया के लिए आधिकारिक ड्रॉ निकाला जाएगा और तब जाकर सभी टीमों को यह पता चलेगा कि उनका सामना किससे होना है। यूईएफए विमेंस अंडर-17 चैंपियनशिप के विजेता जर्मनी और उपविजेता स्पेन ने फाइनल में जगह बनाने के बाद पहले ही भारत की अपनी यात्रा के लिए टिकट आरक्षित करा लिया था। इस बीच, फ्रांस ने तीसरे स्थान के प्लेऑफ मैच में नीदरलैंड्स को हराकर टूर्नामेंट के लिए अपना स्थान बुक किया।

गुरुग्राम की छह छात्राएँ खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मलखम्ब स्पर्धा में दिखाएंगी दम

गुरुग्राम। हरियाणा के पंचकूला में चार से 13 जून तक होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स में गुरुग्राम के भगवती आर्य कन्या गुरूकुल की छह छात्राएं मतखम्ब स्पर्धा में अपना दम दिखाएंगी। वैसे तो जिले से 37 खिलाड़ी इन खेलों में दमखम दिखाएंगे। इनमें से गुरुकुल की मानसी, दिशा यादव,दीक्षा, निशा, सुनैना तथा सपना ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मलखम्ब प्रतियोगिताओं में भागीदारी करते हुए प्रतियोगियों को कड़ी चुनौती दी और अब इनका चयन खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए भी हुआ है। गुरुकुल संचालक डॉ रवींद्र आर्य तथा संचालिका दमयंती देवी की देखरेख में ये छात्राएं नियमित अभ्यास तथा कठोर शारीरिक परिश्रम कर खेलो इंडिया के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने इन खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दी हैं। जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी संधू बाला ने बताया कि मलखंब एक प्राकृतिक एवं पारम्परिक भारतीय खेल है । मलखंब दो शब्दों से मिलकर बना है -मल्ल और खम्ब। इसे अंग्रेजी में जिम्नास्ट तथा पोल कहा जाता है। उन्होंने बताया कि मलखम्ब कम समय में पूरे शरीर का अधिकतम व्यायाम करवाता है। इसमें शरीर के प्रत्येक अंग का हाथ से पैर की उंगली तक का भी व्यायाम होता है। मलखंब में 3 तरह के इवेंट होते हैं जिसमें पोल मलखम्ब, रोप मलखम्ब तथा हैंगिंग मलखम्ब शामिल है।

मित्रभा गुहा ने जीता पहला डायनेमो शतरंज टूर्नामेंट

कोलकाता। ग्रैंडमास्टर मित्रभा गुहा ने गुरुवार रात अपने उस्ताद और पश्चिम बंगाल के पहले ग्रैंडमास्टर दिव्येंदु बरुआ को डायनेमो शतरंज प्रतियोगिता के फ़ाइनल में हराकर खिताब अपने नाम किया। तीसरे स्थान के लिये हुए मुकाबले में अर्पण दास ने कौस्तुव कुंडु को हराकर ट्रॉफी और ईनाम राशि जीती। इस टूर्नामेंट में राष्ट्रमंडल खेलों के मेडलिस्ट और हेस्टिंग्स मास्टर्स के तीन बार के विजेता ग्रैंडमास्टर दीप सेनगुप्ता भी शामिल हुए, जिन्हें ग्रैंडमास्टर बरुआ ने क्वार्टरफाइनल में हरा दिया था।

रैंकिंग पॉइंट्स कटने पर विम्बलडन ने जताई निराशा

लंदन। महिलाओं और पुरुषों के पेशेवर टेनिस महासंघों (डब्ल्यूटीए, एटीपी और आईटीएफ) द्वारा रैंकिंग पॉइंट्स में कटौती किये जाने के बाद विम्बलडन ने गहरी निराशा व्यक्त की है। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन संकट के चलते विम्बलडन ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसके बाद डब्ल्यूटीए, एटीपी और आईटीएफ़ ने विम्बलडन के रैंकिंग पॉइंट काटने का निर्णय लिया। इस पर निराशा ज़ाहिर करते हुए ऑल इंग्लैंड क्लब ने कहा है कि वह अपने फैसले पर कायम है। ऑल इंग्लैंड क्लब और विम्बलडन का आयोजन करने वाली चैम्पियनशिप प्रबंधन समिति ने एक बयान जारी तीनों महासंघों के फैसले को असंगत बताया है। क्लब द्वारा शुक्रवार देर रात जारी बयान में कहा गया, हम एटीपी, डब्ल्यूटीए और आईटीएफ़ के चैम्पियनशिप्स के रैंकिंग पॉइंट्स काटने के फ़ैसलों पर अपनी गहरी निराशा व्यक्त करते हैं। हमारा मानना है कि इन असाधारण हालातों के परिप्रेक्ष्य में यह फैसले असंगत हैं और टूर में हिस्सा लेने वाले सभी खिलाड़ियों के लिये नुकसानदेय हैं। बयान में कहा गया, हमें हमारे फैसले से प्रभावित खिलाड़ियों पर पड़े असर को लेकर खेद है। इसके बावजूद, रूस के वैश्विक प्रभाव को कम करने के ब्रिटेन सरकार के फैसले और सरकार, उद्योग, खेल और रचनात्मक संस्थानों की व्यापक प्रतिक्रिया को देखते हुए, हमारा विचार है कि विम्बलडन के विश्व स्तर पर प्रसिद्ध खेल आयोजक और ब्रिटिश संस्थान होने के नाते एकमात्र व्यवहार्य फैसला लिया है और हमने जो निर्णय लिया है, हम उसके साथ खड़े हैं। इससे पहले एटीपी ने घोषणा की थी, हमें बेहद अफ़सोस और अनिच्छा के साथ कहना पड़ रहा है कि हमारे पास 2022 के लिये विम्बलडन के एटीपी रैंकिंग पॉइंट काटने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। एटीपी ने दावा किया कि 30 से अधिक देशों में संचालित होने वाले दौरे पर व्यक्तिगत टूर्नामेंट द्वारा एकतरफा निर्णय और भेदभाव व्यवहार्य नहीं थे।

राष्ट्रीय नौकायन में हरियाणा की जूनियर महिला टीम को गोल्ड

गुरुग्राम। मध्यप्रदेश के भोपाल में खेली जा रही 32वीं राष्ट्रीय नौकायन प्रतियोगिता में हरियाणा की जूनियर महिला टीम ने 500 मीटर ड्रैगन बोट रेस में स्वर्ण पदक जीता है। इस टीम में गुरुग्राम ज़िले के सोहना उपमंडल के गाँव अभयपुर की दो लड़कियाँ - शिखा और संजना भी शामिल थीं। कोच जयदीप ने बताया कि नौकायन खेल को कुछ वर्षों तक सोहना क्षेत्र में कोई जानता भी नहीं था और ऐसे में स्वर्ण पदक जीतकर लाना हमारे खिलाड़ियों की बड़ी उपलब्धि है। आज भी इस खेल की लोकप्रियता अपेक्षाकृत कम है। यह खेल ज़्यादातर तटीय क्षेत्रों में खे़ला जाता है। जयदीप कोच ने इस उपलब्धि का श्रेय हरियाणा क्याकिंग एंड कनोईंग एसोसिएशन के पूर्व प्रदेशध्यक्ष ऋषि राज डांगी को दिया है। उन्होंने बताया कि सोहना क्षेत्र में नौकायन खेल को बढ़ावा देने के लिए शोराज सरपंच दमदमा की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है।

ढाका टेस्ट देखेंगे आईसीसी प्रमुख

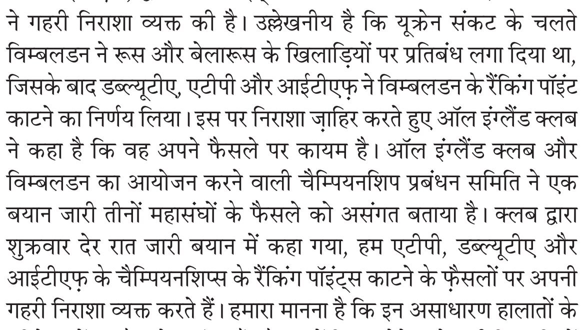

ढाका। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) अध्यक्ष ग्रेग बर्कले रविवार को दो-दिवसीय दौरे के लिये ढाका पहुंचेंगे जहां वह ढाका टेस्ट में भी उपस्थित रहेंगे।बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष नज़्मुल हसन पापोन ने कहा कि बर्कले बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच ढाका टेस्ट के पहले दिन स्टेडियम भी जाएंगे।नज़्मुल हसन ने शुक्रवार को कहा, आईसीसी अध्यक्ष बांग्लादेश आ रहे हैं। वह यहां दूसरे टेस्ट का पहला दिन स्टेडियम जाकर देखेंगे। यह पूर्णतः आधिकारिक दौरा है। इसका कोई विशेष कारण नहीं है। हम अन्य मुद्दों पर भी बात करेंगे। ढाका के दो-दिवसीय दौरे के बाद वह आईपीएल 2022 प्ले-ऑफ़ और फ़ाइनल देखने के लिये भारत भी आएंगे। बीसीबी अध्यक्ष भी आईसीसी प्रमुख के साथ भारत आएंगे।

हमारा मलिंगा अगले साल महत्वपूर्ण योगदान देगा : धोनी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 के लीग चरण से बाहर होने और अंक तालिका में सबसे निचले स्थान की कगार पर होने के बावजूद चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर काफ़ी उत्साहित हैं। प्लेऑफ़ की दौड़ से बाहर होने के बाद चेन्नई ने पिछले दो मैचों में अपनी एकादश में बदलाव किए। लसिथ मलिंगा की तरह गेंदबाज़ी करने वाले श्रीलंका के मथीशा पथिराना के साथ-साथ लेग स्पिनर प्रशांत सोलंकी और नारायण जगदीशन को मैच खेलने का मौक़ा दिया गया। गुजरात टाइटंस के विरुद्ध अपने आईपीएल डेब्यू पर 24 रन देकर दो विकेट लेने वाले पथिराना को राजस्थान रॉयल्स के ख़िलाफ़ मध्य और डेथ ओवरों में गेंदबाज़ी करने की ज़िम्मेदारी दी गई। विकेट उनके हाथ नहीं लगी लेकिन धोनी उन्हें और बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ मुकेश चौधरी को अगले सीज़न में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हुए देख रहे हैं।

पोस्ट मैच प्रेज़ेंटेशन में धोनी ने युवा खिलाड़ियों के बारे में कहा, मुझे लगता है कि उन्हें जितने मैच खेलने को मिले, उन्होंने उसमें बहुत कुछ सीखा। सबसे बड़ा उदाहरण रहा मुकेश का जिसने सभी (13) मैच खेले। अच्छी बात यह रही कि उसने पहले मैच से अंतिम मैच तक अपने खेल में सुधार किया और अब वह डेथ में गेंदबाज़ी करने लगा है। वह वापस जाकर इन सभी मैचों से सीखेगा और समझेगा कि हम उससे क्या उम्मीद रखते हैं।

उन्होंने आगे कहा, अनुभव मिलने के बाद यह ज़रूरी है कि जब वह अगले सीज़न के लिए टीम में आए, उन्हें दोबारा शुरुआत ना करनी पड़े। यह ध्यान में रखना होगा कि आईपीएल में क्या हुआ, उन्होंने क्या सीखा और दबाव में उनकी सोच में क्या सुधार आया। युवा खिलाड़ियों को यह करना चाहिए। ज़्यादातर खिलाड़ियों ने मिले हुए मौक़ों को भुनाया है।

बहरीन पैरा बैडमिंटन में भारत का शानदार प्रदर्शन, सुनिश्चित किये 11 रजत

मनामा। ब्राज़ील में 28 पदक जीतने के बाद अब भारतीय पैरा बैडमिंटन टीम बहरीन के पहले पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2022 में कई पदक जीतने की कगार पर है।

पैरालिंपिक चैम्पियन प्रमोद भगत (एमएस एसएल3) और एशियाई पैरा खेल 2018 चैम्पियन तरुण ढिल्लों (एमएस एसएच4) की अगुवाई में पैरा बैडमिंटन टीम ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं के फाइनल में पहुंचकर कम से कम 11 रजत पदक सुनिश्चित कर लिये हैं।

ब्राज़ील पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2022 में दो कांस्य पदकों से संतोष करने वाले भगत ने अपने हमवतन और पैरालिंपिक के कांस्य पदक विजेता मनोज सरकार के खिलाफ पुरुष एकल एसएल3 सेमीफाइनल में 21-16, 21-14 से जीत दर्ज की। भगत फाइनल में इंग्लैंड के डेनियल बेथ का सामना करेंगे।

इसके बाद भगत ने रामदास के साथ मिलकर मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 सेमीफाइनल में जापान के डाइसुके फुजीहारा और अकीको सुगिनो को 21-13, 21-15 से मात दी।

इसी बीच, ढिल्लों ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए थाईलैंड के सिरिपोंग टीमारोम को 21-14, 21-15 से सेमीफाइनल में हराया। अब वह पुरुष एकल एसएल4 फाइनल में कोरिया के शिन क्युंग ह्वान का मुकाबला करेंगे। फ्रांस के शीर्ष खिलाड़ी लुकास मज़ुर की अनुपस्थिति में ढिल्लों की नज़र स्वर्ण पदक पर होगी। साथ ही ढिल्लों ने पुरुष युगल एसएल3-एसएच4 सेमीफाइनल में कोरिया के ह्वान और जू डोंग्जे को 21-18, 21-18 के सीधे गेमों में भी हराया।

जीत के साथ विदाई लेना चाहेंगे हैदराबाद और पंजाब

मुंबई। सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के बीच रविवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में दोनों टीमें जीत के साथ टूर्नामेंट में अपना अभियान समाप्त करना चाहेंगी। दोनों टीमें प्लेऑफ की होड़ से पहले ही बाहर हो चुकी हैं। दोनों टीमों के 13-13 मैचों में 6-6 जीत के साथ 12-12 अंक हैं। एक और जीत से वे 14 अंकों तक ही पहुंच पाएंगे।

पंजाब के जॉनी बेयरस्टो आईपीएल ओपनर के तौर पर कमाल के हैं। उन्होंने 30 मैचों में 41.55 के औसत और 146.28 के स्ट्राइक रेट से 1122 रन बनाए हैं। इस सीज़न उनके 230 में से 158 रन पावरप्ले में 173.62 के स्ट्राइक रेट से आए हैं। इस दौरान वह केवल तीन बार आउट हुए हैं। जब वह पिछली बार वानखेड़े स्टेडियम में खेले थे तो उन्होंने 40 गेंदों में 56 रन बनाए थे।

पंजाब के तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा का इस आईपीएल में शानदार प्रदर्शन रहा है। 12 मैचों में उन्होंने 22 विकेट लिए हैं, जबकि एक ही मैच में वह विकेट नहीं ले पाए हैं। वानखेड़े स्टेडियम में उन्होंने नौ मैचों में 14 विकेट लिए हैं। इस मैदान पर हर मैच में विकेट लेने के साथ-साथ सनराइज़र्स हैदराबाद के ख़िलाफ़ उनका प्रदर्शन भी अच्छा है, जिनके विरुद्ध उन्होंने नौ मैचों में 15 विकेट लिए हैं।

हैदराबाद के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा के लिए यह सीज़न यादगार बन गया है। उन्होंने 13 मैचों में 383 रन बनाए हैं। वह इस सीज़न पावरप्ले में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज़ हैं। पहले छह ओवरों में उन्होंने 125 के स्ट्राइक रेट से 230 रन बनाए हैं।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिये महिला टीम घोषित

नयी दिल्ली। हॉकी इंडिया ने एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप से पहले जून में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी प्रो लीग मुकाबलों के लिये 24-सदस्यीय टीम की शनिवार को घोषणा की। भारतीय टीम की कप्तान सविता और उपकप्तान दीप ग्रेस एक्का होंगी।

भारत का मुकाबला जून 11 और 12 को बेल्जियम से होगा जबकि जून 21 और 22 को भारतीय टीम अर्जेंटीना का सामना करेगी।

भारतीय टीम की कप्तान सविता और उपकप्तान दीप ग्रेस एक्का होंगी। टीम में जूनियर विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली बिचु देवी खरीबम, इशिका चौधरी, अक्षता अबसो ढेकले, बलजीत कौर, संगीता कुमारी और दीपिका को शामिल किया गया है। इसके अलावा लीग में अनुभवी स्ट्राइकर रानी भी वापसी कर सकती हैं। रानी ने अपना आखिरी मैच टोक्यो ओलंपिक 2020 में जीता था।

भारतीय टीम में गोलकीपर के तौर पर सविता और बिचु देवी खरीबम होंगी जबकि बतौर डिफेंडर दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, अक्षता अबसो ढेकले रहेंगी। मिडफील्ड का मोर्चा निशा, सुशीला चानु पुखरमबम, मोनिका, नेहा, ज्योति, नवजोत कौर, सोनिका, सलीमा टेटे और बलजीत कौर संभालेंगी।

फॉरवर्ड लाइन में वंदना कटारिया अपने अनुभव के साथ लालरेमसियामी, नवनीत कौर, शर्मीला देवी, संगीता कुमारी, दीपिका और रानी सहित अगुवाई करेंगी। इसके अलावा रजिनी एतिमारपू, महिमा चौधरी और राजविंदर कौर को स्टैंडबाई के तौर पर शामिल किया गया है।

टीम के बारे में बात करते हुए मुख्य कोच जैनेक शोपमैन ने कहा, यह यूरोप के प्रो लीग मैचों का महत्वपूर्ण चरण होगा क्योंकि इसके ज़रिये हमें जुलाई में होने वाले विश्व कप से पहले अपनी प्रगति का पता लग जाएगा। यह मैच विश्व कप के लिये अपनी टीम निर्धारित करने के लिहाज़ से भी हमारे लिये महत्वपूर्ण होंगे।

शोपमैन ने कहा, यह अनुभवी खिलाड़ियों और जूनियर विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाने वाले युवाओं के मिश्रण के साथ एक संतुलित टीम है।

मैं यह जानने के लिये उत्सुक हूं कि वे यूरोपीय परिस्थितियों में बेल्जियम अर्जेंटीना और अमेरिका जैसी अच्छी टीमों के खिलाफ कैसा खेलेंगे।

मॉस्को की जासूसी कर रहा बीजिंग, चीन ने की रूसी रक्षा डेटा चुराने की कोशिश

नई दिल्ली। इजरायली-अमेरिकी साइबर सुरक्षा फर्म चेक प्वाइंट की एक रिपोर्ट बताती है कि चीनी सरकारी हैकर्स ने रूस के गोपनीय दस्तावेज को डाउनलोड करने की कोशिश की है। चीनी हैकर्स ने रूसी रक्षा मंत्रालय को कुछ ऐसे मैलवेयर भेजकर कुछ डॉक्यूमेंट्स को डाउनलोड करने की कोशिश कर रहे थे। रिपोर्ट में यह कहा है कि इससे साफ होता है कि दोनों देशों के बीच संबंधों में भयंकर जटिलता है।

रूसी रक्षा प्रतिष्ठान में चीन की सेंधमारी

चीन ने यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की आलोचना करने से इनकार कर दिया है लेकिन चेक पॉइंट की रिसर्च से पता चलता है कि चीन और रूस के बीच गहरे संबंधों के बावजूद चीन रूसी संवेदनशील सैन्य तकनीकी जानकारी की चोरी करने को एक वैध लक्ष्य के तौर पर देखता है। चीन ने उन रूसी संस्थानों को निशाना बनाया है जो एयरबोर्न सैटेलाइट कम्युनिकेशन, रडार और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर पर रिसर्च करते हैं। रोस्टेक कॉर्पोरेशन रूसी सैन्य समूह से संबंधित हैं जो रूस की रक्षा प्रतिष्ठान में सबसे बड़ी और सबसे शक्तिशाली संस्थाओं में से एक है।

जुलाई 2021 से जारी है चीन का जासूसी अभियान

चेक प्वाइंट की रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने से पहले जुलाई 2021 में रूस को लेकर चीनी जासूसी अभियान शुरू हुआ था। मार्च 2022 के ईमेल से पता चलता है कि चीनी हैकर्स यूक्रेन युद्ध को लेकर जानकारी जुटाने की कोशिश की थी। चेक प्वाइंट के साइबर रिसर्च के प्रमुख इताय कोहेन ने कहा कि यह बहुत तैयारी के साथ किया गया हमला है।

श्रीलंका संसद में रो पड़ी महिला सांसद, राजनीति से लेना चाहती हैं संन्यास

कोलंबो। श्रीलंका में अभिनेत्री से राजनीतिज्ञ बनीं गीता कुमारसिंघे भीड़ द्वारा अपने घर पर हमला करने और उसे क्षतिग्रस्त करने से इतनी दुखी हुईं कि वह शुक्रवार को संसद में रो पड़ीं। सुश्री गीता ने कहा कि उन्होंने स्विटजरलैंड में आरामदायक जीवन को छोड़ अपने वतन (श्रीलंका) लौटने का गलत फैसला लिया था। सुश्री गीता शुक्रवार को खुद पर हुए हमले पर संसद में बोलते हुए भावुक हो गयीं। वह सत्तारूढ़ श्रीलंका पोडुजना पेरामुना (एसएलपीपी) की नेता एवं गाले जिला से सांसद है। उन्होंने नौ मई को हुए हमले और आगजनी की घटना में अंतरराष्ट्रीय पर जीते गए अपने पुरस्कारों को खो दिया। श्रीलंका की मीडिया ने शनिवार को अपनी रिपोर्ट में कहा कि उन्होंने अपने जोशीले भाषण के दौरान कहा कि उन्होंने अपनी स्विटजरलैंड की नागरिकता अपने जिले के लोगों की सेवा करने के लिए छोड़ दी। इसके बावजूद उन पर क्रूर तरीके से हमला किया गया। उन्होंने कहा, मैंने किसी के साथ गलत नहीं किया है। एक अकेली महिला के तौर पर मैं अपने बुते इस सफर में यहां तक आई हूं।

दो हफ्ते बाद श्रीलंका में हटा आपातकाल, सरकार के खिलाफ लोगों में अब भी गुस्सा

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने करीब दो हफ्ते बाद देश में इमरजेंसी हटाने की घोषणा कर दी है। सरकार के खिलाफ भारी विरोध के चलते राष्ट्रपति गोटबाया ने 6 मई की आधी रात को देश में आपातकाल का ऐलान कर दिया था। हीरू न्यूज के मुताबिक राष्ट्रपति सचिवालय ने कहा कि शुक्रवार आधी रात से देश में आपातकाल की स्थिति हटा ली गई है।

माना जा रहा है कि देश में कानून व्यवस्था की स्थिति को सुधारने के लिए ये कदम उठाया गया है। आपातकाल के दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों के पास मनमाने ढंग से लोगों को गिरफ्तार करने और हिरासत में लेने का अधिकार था।

दरअसल श्रीलंका में एक बड़ी आबादी जबर्रदस्त आर्थिक संकट के पीछे राजपक्षे परिवार को दोषी मानता है।

यही वजह है कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर जनता सड़कों पर निकल गई और जमकर हिंसा हुई। इसे देखते हुए

राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने देश में आपातकाल लागू करने की घोषणा कर दी थी। प्रधानमंत्री महिंद्रा राजपक्षे के इस्तीफे के बाद देश में सरकार समर्थक और सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में 9 लोगों की मौत हुई थी जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

गौरतलब है कि 1948 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से श्रीलंका अपने सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। यह संकट आंशिक रूप से विदेशी मुद्रा की कमी के कारण हुआ है, जिसका मतलब है कि देश खाद्य पदार्थों और ईंधन के आयात के लिए भुगतान नहीं कर सकता। श्रीलंका में मुद्रास्फीति की दर 40 प्रतिशत तक पहुंचने वाली है। भोजन, ईंधन और दवाओं की कमी के अलावा बिजली संकट के चलते जनता आक्रोशित है और सरकार के खिलाफ खुलकर खड़ी हो गई है।

कजाखस्तान में विस्फोट में दो लोगों की मौत

अल्माटी (कजाखस्तान)। कजाखस्तान के शिमकेंट में दक्षिणी कजाख शहर में शनिवार को एक दवाखाना हुए एक विस्फोट में एक नवजात शिशु सहित दो लोगों की मौत हो गयी और आठ लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। इस विस्फोट में प्रसूती अस्पताल के निकट दवाखाना पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। बचाव दल ने मलबे में से एक गार्ड का शव निकाला। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, गैस के एक जगह एकत्र हो जाने से यह विस्फोट हुआ है। विभाग द्वारा जारी बयान में कहा गया,विस्फोट में प्रसव केंद्र में काम कर रहे एक गार्ड और 18 दिन के एक नवजात शिशु की मौत हो गयी तथा आठ लोग घायल हो गए।

खेरसन से लोगों को निकलने से रोक रहा है रूस : यूक्रेन

कीव। यूक्रेन ने आरोप लगाया है कि रूसी सेना यूक्रेन के नियंत्रण वाले खेरसन से लोगों को निकलने नही दे रही है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ऑफ आर्म्ड फोर्से शनिवार को यह आरोप लगाया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के कार्यालय ने आशंका जतायी कि खेरसन प्रांत के गांवों में जल्द मानवीय संकट उत्पन्न हो सकता है। सीएनएन न्यूज चैनल ने प्रांत के नागरिकों के हवाले से अपने रिपोर्ट में बताया कि दवाइयों की भारी किल्लत हो गयी है तथा रूसी सैनिक लगातार लोगों का उत्पीड़न और हिंसा कर रहे हैं,जो लोग यहां फंसे रह गये हैं साथ ही कई लोग लापता भी हैं। रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के विशेष सैन्य अभियान के शुरू से ही खेरसन पर कब्जा कर रखा है। रूसी सैनिक सिर्फ उन्हीं लोगों को बाहर निकलने की इजाजत दे रहे हैं, जो क्रीमिया जाना चाहते हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार पलायन कर रहे लोगों को लेकर जा रही हैं कारों को कई दिनों से रोक दिया गया है। खेरसन के प्रांतीय परिषद के उप प्रमुख यूरी सोबोलेविस्की ने कहा कि रूसी सेना खेरसन प्रांत में जिस तरह की आपराधिक कार्रवाई कर रही है उससे मानवीय संकट गहरा रहा है। यूक्रेन के स्थानीय सरकारों ने रूसी सेना से किसी तरह के सहयोग से इंकार कर दिया है जिससे इस क्षेत्र में नेतृत्व की शून्यता उत्पन्न हो गयी है। उन्होंने कहा, रूसी, नागरिक कब्जे वाले क्षेत्रों में शासन करने की कोशिश कर रहे है लेकिन उन्हें पता ही नहीं है कि सामुदायिक समस्या का समाधान कैसे होगा। इनके हित केवल कर संग्रह करने, सम्पत्तियों तथा अन्य सम्पदाओं को बांटने में ही हैं। इस बीच प्रांतीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ने कहा कि सेवेरोडोनेत्स्क शहर में रूसी हमले में कम से कम छह लोग मारे गए हैं। उन्होंने कहा, दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी तथा तीन अन्य लोग अस्पताल में भर्ती हैं। दो मारे गए लोग तथा एक घायल व्यक्ति एक ही परिवार के हैं।

मरियम के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर इमरान की आलोचना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की नेता मरियम नवाज के खिलाफ आपत्तिजनकर टिप्पणी करने को लेकर आलोचनाओं को सामना करना पड़ रहा है। राजनीतिज्ञ, पत्रकार तथा नागरिक समाज सहित ज्यादातर लोग सुश्री मरियम के लिए 'सेक्सिएस्ट' तथा 'मिसोजिनिस्ट' शब्द का इस्तेमाल करने को लेकर श्री इमरान की आलोचना कर रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक -ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान ने सुश्री मरियम के खिलाफ यह टिप्पणी शुक्रवार को मुल्तान में अपनी रैली के दौरान की थी। इमरान ने मरियम की 19 मई की रैली का हवाला दिया, जिसमें वह लगातार इमरान की निंदा कर रही थीं। श्री इमरान ने कहा, किसी ने हमें सुश्री मरियम नवाज द्वारा कल सरगोधा में दिए गए भाषण को भेजा है। अपने भाषण में वह जहर के साथ मेरा नाम ले रही हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि सुश्री मरियम कृपया सावधान रहें। आपके पति परेशान हो सकते हैं क्योंकि आप लगातार मेरा नाम ले रही हैं। मरियम के खिलाफ इस आपत्तिजनकर टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया पर लोग श्री इमरान खान की निंदा कर रहे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री एवं सुश्री मरियम के चाचा शहबाज शरीफ ने भी श्री इमरान की निंदा की है और कहा है कि इस तरह की टिप्पणी से देश के खिलाफ उनका (श्री इमरान) का अपराध छिप नहीं सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

रहस्यमयी कमरुनाग झील

भारत का पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश अपने पौराणिक महत्त्व के साथ-साथ रहस्यों का गढ़ भी माना जाता है। बर्फ की चादर ओढ़े यहां कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका प्राचीन इतिहास अपने अंदर कई गहरे राज्य समेटे हुए है। यही नहीं यहां के कुछ स्थलों की पहचान तो महाभारत काल से की गई है, वहीं कुछ स्थल अब भी रहस्यमयी बने हुए हैं। इन रहस्यों में छिपे अरबों-खरबों के खजाने के राज। हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है। कमरुनाग झील हिमाचल की प्रमुख झीलों में से एक है। यह मंडी घाटी की तीसरी प्रमुख झील है। इस झील का नाम घाटी के देवता कमरुनाग के नाम पर पड़ा है। जहां जून माह में विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। यूं तो दुनियाभर से लोग हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों को देखने के लिए आते हैं। यहां ऐसे कई खूबसूरत नजारें मौजूद है, जिन्हें देखने के बाद विदेशी क्या देसी लोग भी दीवाने हो जाते हैं। मण्डी से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर रोहांडा के घने जंगलों में स्थित कमरुनाग झील में अरबों का खजाना छुपा है। हालांकि झील के गर्भ से अब तक किसी ने इस खजाने को निकालने की हिम्मत नहीं की। इसका कारण बेहद ही चौंकाने वाला है। दरअसल, यहां एक बहुत ही मशहूर मंदिर है और इसी मंदिर के पास कमरुनाग झील है।

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है।

जून माह में विशेष महत्व

इस स्थल का जून माह में विशेष महत्व है। दरअसल जून के महीने में यहां एक विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। इस खास मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं।

मनोकामना के लिए चढ़ाए जाते हैं हीरे-जवाहरात

कहा जाता है कि जो भी भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं, वो इस झील में सोने-चांदी के गहने और रुपये-पैसे डालते हैं। दूर-दूर से आए लोग मनोकामना पूरी होने पर झील में करंसी, नोट, हीरे-जवाहरात चढ़ाते हैं। महिलाएं सोने चांदी के जेवर इस झील को अर्पित कर देती हैं। यह झील आभूषणों से भरी है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसी परंपरा के आधार पर यह माना जाता है कि इस झील में अरबों का खजाना है।

भेंट चढ़ाने का भी निश्चित समय

झील में अपने आराध्य के नाम से भेंट चढ़ाने का भी एक शुभ समय है। जब देवता को कलेबा लगेगा अर्थात भोग लगेगा, तब ही झील में भेंट डाली जाती है।

अरबों का खजाना, फिर भी नहीं सुरक्षा का प्रबंध

झील में अरबों की दौलत होने के बावजूद सुरक्षा का कोई प्रबंध नहीं है। लोगों की आस्था है कि कमरुनाग इस खजाने की रक्षा करते हैं। देव कमरुनाग मंडी जिला के सबसे बड़े देव हैं।

फूलों की अनूठी परेड

नीदरलैंड का छोटा-सा कम आबादी वाला शहर है जनडर्ट। यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। ट्यूलिप का मौसम आते ही नीदरलैंड में मानों फूल ही फूल नजर आने लगते हैं। देश का प्रसिद्ध बल्ब फ्लावर सेलिब्रेशन होता है जिसमें हर साल फूलों की परेड निकाली जाती है और यह सिर्फ परेड नहीं होती बल्कि सबसे बेहतर मॉडल तैयार करने का कॉम्पीटिशन भी होता है। यह कॉम्पीटिशन 1936 से ही इसी तरह हर साल आयोजित होती रही है। वैसे तो यह कार्यक्रम सितंबर महीने के फर्स्ट वीक में होता है, लेकिन इसकी तैयारियां मई और जून से ही शुरू हो जाती है। पूरे नीदरलैंड से लोग इसमें हिस्सा लेने तो पहुंचते ही हैं लेकिन जनडर्ट शहर के लोगों के लिए यह किसी फेस्टिवल से कम नहीं होता। इसमें हर एज ग्रुप के लोग चाहे बच्चे हों या बूढ़े, बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

नीदरलैंड का छोटा-सा शहर है जनडर्ट, भले ही यह शहर आकार और आबादी में छोटा हो, लेकिन यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें पूरे देश के आर्टिस्ट अपने मॉडल के साथ परेड करते हैं और जिनका मॉडल सबसे बेहतर होता है उन्हें प्राइज दिया जाता है।

कैसे होती है तैयारियां

- मॉडल्स वायर, कार्डबोर्ड और हजारों डहेलिया फूलों से तैयार किए जाते हैं, जो खासतौर से परेड के लिए उगाए जाते हैं।
- फूलों से जो मॉडल तैयार किए जाते हैं उसकी पहली शर्त होती है कि वो कलरफुल और ब्राइट होने चाहिए। साथ ही जो फूल मॉडल के ऊपर लगाए जाते हैं वो तीन दिन पहले लगाए जाने चाहिए उससे पहले नहीं।
- मॉडल के ऊपर डहेलिया लगाने के काम में हजारों वॉलेंटियर दिन-रात काम करते हैं।
- सबसे बेहतरीन मॉडल चुनने के लिए ज्यूरी होती है जो विनर का नाम सिलेक्ट करती है।

फूल उगाना बुजुर्गों का काम

मॉडल को तैयार करने के लिए अलग-अलग रंगों के सिर्फ डहेलिया फूलों को ही यूज करते हैं। फूलों को उगाने का काम जहां बुजुर्ग करते हैं वहीं यंगस्टर्स मॉडल की डिजाइनिंग और उसके कंसेप्ट पर काम करते हैं। यानी हर उम्र के लोग इस फेस्टिवल का हिस्सा बनते हैं।

एक तरह का छलावा है थ्री डी आर्ट

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे।

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे। जैसे जादू आंखों का धोखा है ठीक वैसे ही थ्री डी आर्ट भी एक तरह का छलावा है। यानी यहां जो जैसा दिखता है वो जरूरी नहीं कि वैसा ही हो। दुनियाभर में आज इस आर्ट को लेकर कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, पेपर और अन्य माध्यमों में थ्री डी आर्ट को प्रस्तुत किया जा रहा है। चलो इस दुनिया की सैर करते हैं।

जादू भरी करामात

थ्री डी आर्ट के मामले में असल चीज आर्टिस्ट की कल्पना ही है। इसी पर सारा जादू डिपेंड करता है। असली रंग, पेपर और मूर्तिकला के सामान के साथ ये आर्टिस्ट अनोखा संसार रच डालते हैं। जैसे किसी सड़क के बीच में बहती असली सी नदी या पेपर के एक टुकड़े पर रेंग रहा सांप। इसमें चीजों का एंगल जादू क्रिएट करने का काम करता है। यानी सामान्य पेंटिंग्स को भी कलाकार ऐसे एंगल के साथ प्रस्तुत करते हैं कि वो लाइव और एक्शन में दिखाई देता है। प्रस्तुत हैं ऐसे कुछ आर्टिस्ट-

चॉक से खड़ी तस्वीरें

लियोन कीर एक ऐसे थ्री डी आर्ट के महारथी हैं जो अपनी कला के जरिए लोगों तक पर्यावरण के संरक्षण से लेकर आम जीवन में भी इमोशंस को बनाए रखने का सन्देश पहुंचाते रहते हैं। नीदरलैंड के रहने वाले लिओन देश-विदेश में कई जगह टू डी और थ्री डी स्ट्रीट आर्ट को प्रेजेंट कर चुके हैं। सैनिकों के वेश में बच्चों के खिलौने लेगो सिटी के जैसी भी आकृतियां उन्होंने बनाई जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। चॉक से बनाई गई यह लेगो टेराकोटा आर्मी एक इंटरनेशनल चॉक फेस्टिवल का हिस्सा रही है।

इनकी क्रिएटिविटी ने रचा इतिहास

जोए हिल और मैक्स लॉरी, थ्री डी आर्ट की फील्ड में एक ऐसा नाम बन गए हैं जिनकी पेंटिंग गिनीज बुक में भी शामिल की जा चुकी है। इतिहास रचने वाली ये पेंटिंग सबसे लम्बी और सबसे बड़ी पेंटिंग के तौर पर गिनीज बुक में शामिल हुई। ये दोनों ब्रिटिश आर्टिस्ट पिछले लगभग 10 सालों से इस फील्ड से जुड़े हैं। परियों की कहानियों से लेकर प्रिंस विलियम की शादी, निंजा टर्टल जैसे सुपर कैरेक्टर्स और असली दिखने वाले वॉटरफॉल जैसी कई आकृतियां ये दोनों दुनियाभर में घूम कर रचते रहे हैं। इसके अलावा वो कई सारे एड और मूवी प्रोजेक्ट्स के साथ भी जुड़े हुए हैं।

राजा की परेशानी

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

एक छोटा सा राज्य था। कुल दस-पांच हजार की आबादी रही होगी। जब राज्य था, आबादी थी, तो एक राजा भी था। भले ही छोटा राजा। वैसे भी जब राज्य था, तो सेना, मंत्री, सभासद भी थे। इस राज्य में पहले अदालतें भी थीं। लेकिन वहां का राजा और प्रजा सभी शांतिप्रिय थे। कभी किसी से किसी का लड़ाई-झगड़ा नहीं होता था। इसलिए फिजूलखर्ची समझ अदालतें बंद कर दी गईं। अपने पड़ोसी राज्यों से राजा के बड़े मित्रतापूर्ण संबंध थे। इसलिए सेना के नाम पर केवल सौ-सवा सौ सैनिक थे। किसी के भी पास तलवार-बंदूकें नहीं थीं। सबके हाथ में बस एक बेंत रहती थी। शांति बनाए रखने के लिए इतना काफी था।

एक बार राजा एक विचित्र परेशानी में फंस गया। राज्य में पहली बार एक व्यक्ति किसी के घर में चोरी के लिए घुसा। संयोग से वहां मारपीट हो गई। चोर के हाथों एक व्यक्ति मारा गया। सैनिक चोर को पकड़कर राजा के पास ले गए।

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

अचानक एक मंत्री बोला, महाराज, पड़ोस के राज्य में अदालतें हैं। जरूर वहां इस तरह के मामले आते होंगे। क्यों न इस चोर को दंड के निर्णय के लिए वहीं भेज दिया जाए।

राजा को यह सुझाव जंच गया। चोर को वहां भेजकर पड़ोसी राजा से एक फैसला लेने की प्रार्थना की गई। राजा की परेशानी टल गई। लेकिन दो दिन बाद ही चोर के साथ राजा की परेशानी फिर लौट आई। पहले से बड़ी होकर। वहां की अदालत ने फैसला दिया, 'चूंकि इस चोर ने हत्या की है। इसलिए इसका सिर कलम कर दिया जाए।' अब राजा के यहां कोई जल्लाद नहीं था। सैनिकों से कहा गया, तो उन्होंने साफ जवाब दे दिया, हमने किसी की इस तरह हत्या करना नहीं सीखा है। फिर हम इसके लिए रखे भी नहीं गए हैं। हमारे पास एक तलवार क्या, चाकू तक नहीं है।

राजा ने परेशान होकर फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। कई दिनों तक विचार मंथन हुआ। अंत में सब लोग इस नतीजे पर पहुंचे कि क्यों न इस चोर की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया जाए। राजा की परेशानी फिर टल गई।

मगर राज्य में कोई जेल नहीं थी, जहां सजा पाए अपराधी को रखा जाए। इसलिए एक कोठरी बनवाई गई। चोर को उसमें रखा गया। एक पहरेदार नियुक्त किया गया। वह चोर की निगरानी करता था। राजमहल से उसके लिए भोजन भी ले आता था।

राज्य की आमदनी बहुत मामूली थी। राजा के लिए इस पहरेदार का खर्च उठाना भारी पड़ गया। अब इस परेशानी से कैसे मुक्ति मिले? राजा ने फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। तय हुआ कि पहरेदार को हटा लिया जाए। चोर जहां जाना चाहे जाए। इस मुसीबत से छुटकारा पाने का यही एक उपाय था। अगले दिन चोर की नींद खुली, तो उसने देखा कि वहां पहरेदार नहीं था। दरवाजे भी खुले हुए थे। जब कोई और उसका भोजन लेकर नहीं आया, तो वह स्वयं थाली लेकर राजमहल पहुंच गया। फिर तो उस का रोज का यही काम हो गया। राजभवन से भोजन ले आता। फिर खा-पीकर चैन की नींद सो जाता। इस खर्च से राजा की परेशानी फिर बढ़ गई। उसने चोर को कहलवाया, अब तुम आजाद हो। जहां चाहो, भाग जाओ। कोई कुछ नहीं बोलेगा।

मगर चोर ने जवाब दिया, मैं भागकर अब कहां जाऊं? लोग मुझे देखते ही गालियां देंगे। मुझे मारने दौड़ेंगे। मुझे मौत की सजा क्यों नहीं दी गई?

राजा की परेशानी बढ़ी, तो उसने फिर मंत्रियों से सलाह ली। मंत्रियों ने सोच-विचारकर कहा, महाराज, इस का भोजन-पानी बंद कर दीजिए। भोजन नहीं मिलेगा, तो स्वयं कहीं निकल जाएगा। लेकिन चोर भी जाने को तैयार नहीं हुआ। वह भूखा-प्यासा ही रहने लगा। चोर ने लोगों से गुहार लगाई। वहां के लोगों को लगा कि उस व्यक्ति को इस तरह भूखा रखना तो सचमुच राजा का अन्याय है। उन्होंने राजा से इस बारे में पूछा। राजा ने स्वयं की परेशानी बताई।

बहुत सोच-विचार के बाद लोगों ने राजा से कहा, राजन, एक उपाय है। इस चोर को भोजन देने में आपको कोई आपत्ति नहीं होगी। इसने गैर इरादतन जो हत्या की है, उसका प्रायश्चित भी हो जाएगा। लोग इसका सम्मान भी करेंगे।

वह क्या? राजा ने प्रसन्नता से पूछा।

राजन, पिछले दो साल हमारे यहां अच्छी वर्षा नहीं हुई। इससे मार्गों के किनारे लगे अधिकांश वृक्ष सूख गए। जनता को यात्रा में बड़ा कष्ट होता है। आप इससे मार्गों के किनारे छायादार और फलों वाले वृक्ष लगवाएं। उसके बदले इसे रोजी-रोटी मिलेगी और पूरे राज्य का भला होगा। प्रजा भी इसको यह नेक काम करते देख, गालियां नहीं देगी। इसका आदर करेगी। इसके मन में भी फिर कभी अपराध न करने की भावना पैदा होगी।

राजा और उसका मंत्रिमंडल इस सुझाव से पूरी तरह संतुष्ट हुए। चोर को भी अच्छा लगा। काम मिला, रोटी मिली, लोगों का प्यार मिला। राजा को भी एक बड़ी परेशानी से मुक्ति मिल गई।

CMYK CMYK CMYK CMYK